



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 16] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 21, 1979 (बैशाख 1, 1901)

No. 16] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 21, 1979 (VAISAKHA 1, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—भाग 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत भरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं।

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 मार्च 1979

सं. प्र. 32014/1/79-प्रशा० I—गण्डपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थायी वैयक्तिक महायक (के० म० स्ट० से० का ग्रेड ग) तथा इस समय स्टेनोग्राफर ग्रेड ग के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्यरत निम्नलिखित स्टेनोग्राफरों को प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदान तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णत अनानिम, अस्थायी और तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक महायक (के० म० स्ट० से० का ग्रेड ख) के पाद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाना है।—

क्र०	नाम	अवधि
------	-----	------

1. श्री एम० पी० मेहरा 1-3-79 से 30-4-79 तक
2. श्री ओ० पी० देवग 1-3-79 से 30-4-79 तक

मर्विश्री एम० पी० मेहरा और ओ० पी० देवग यह नोट कर ले कि वरिष्ठ वैयक्तिक महायक (के० म० स्ट० से० का ग्रेड ख) के पाद पर उनकी नियुक्ति पूर्णत, अस्थायी और तदर्थ

आधार पर है और उनका के० म० स्ट० मे० के ग्रेड ख में विलयन अथवा उनके ग्रेड में वर्गिता का कोई हक नहीं होगा।

बी० एन० सोम,
उप सचिव (प्रशा० प्रभारी)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 मार्च 1979

सं. प्र. 32011/1/79-प्रशा० I (i)—वरिष्ठ वैयक्तिक महायक (के० म० स्ट० से० का ग्रेड ख) और पूर्णत अस्थायी और तदर्थ आधार पर निजी सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्यगत श्री एम० सी० खुराना को, गण्डपति द्वारा 6-1-79 के पूर्वान्त में आगामी आदान तक संघ लोक सेवा आयोग के के० म० स्ट० मे० संवर्ग के ग्रेड क में नियमित आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं. प्र. 32011/1/79-प्रशा० I (ii)—गृह मंत्रालय के का० जा० सं. 7/4/78-सी० एम० (II) दिनांक 6-1-79 के अनुमति में संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थायी वैयक्तिक महायक (के० म० स्ट० मे० का ग्रेड ग) तथा दीर्घकालीन आधार पर स्थानापन्न रूप में वरिष्ठ वैयक्तिक महायक के पद पर कार्यगत श्री आर० एन० ठाकुर

को 6-1-79 में वरिष्ठ वैयक्तिक महायक (के० म० स्टे० म० का ग्रेड ख) की चयन सूची में सम्मिलित कर लिया गया है।

संघ लोक मेवा आयोग के के० म० स्टे० म० संवर्ग के ग्रेड ख की चयन सूची में श्री आर० एल० ठाकुर का समावेश अनंतिम है और कार्मिक स्थाप्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा अनुमतित जाति के लिए आग्रहित गिरित के अनारक्षण का अनुमोदन कर देने की जांच पर है।

एस० बालचन्द्रन,
प्रवर सचिव (प्रशास्त्र)
संघ लोक मेवा आयोग

गृह मन्त्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिम बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 3 अप्रैल 1979

म० श्रो०-दो०/73-स्थापना—श्री जे० एफ० रुद्रेरी, भारतीय पुलिम मेवा प्राधिकारी ने महाराष्ट्र गज्य में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप, 15 मार्च, 1979 के पूर्वाह्नि से केन्द्रीय रिजर्व पुलिम बल के महानिदेशालय नई दिल्ली में उपनिदेशक (प्रशासन) के पद का कार्यभार छोड़ा।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
महायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय श्रौद्धोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 28 मार्च 1979

म० ई०-16014(3)/13/73-कार्मिक—तमिलनाडु गज्य पुलिम के पुलिम उपाधीक श्री जे० गोम्म, जो इस समय के० श्रो० सु० ब० मे 18-5-70 (पूर्वाह्नि) से प्रतिनियुक्त पर है, को 13 मार्च, 1979 के पूर्वाह्नि से के० श्रो० सु० ब० मे सूल रूप से महायक कमांडेट नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 29 मार्च 1979

म० ई०-16013(1)/1/78-कार्मिक—प्रतिनियुक्त पर स्थानांतरित होने पर, श्री ए० एच० पी० मिह, आई० पी० एम० (बिहार-61) ने 10 मार्च, 1979 के पूर्वाह्नि से के० श्रो० सु० ब०, एच० ई० सी० लि०, राजी, के उपमहानिरीक्षक के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ह० श्रपठनीय
महानिरीक्षक/के० श्रो० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 मार्च 1979

स० 12/5/74-म० प० (प्रशास्त्र-एक)—गण्डपति, इस कार्यालय की तारीख 29 अगस्त, 1978 की समर्पणांक

प्रधिसूचना के अनुक्रम में कलकत्ता में सहायक महापंजीकार (भाषा) के कार्यालय में श्रीमती कृष्णा चौधरी की भाषाविद्, के पद पर सदर्श नियुक्ति की अवधि को 30 जून, 1979 या जब तक पद नियमित आधार पर भग जाए, जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं। श्रीमती चौधरी का मुख्यालय कलकत्ता में ही होगा।

उपरोक्त पद पर तदर्श नियुक्ति श्रीमती चौधरी को भाषा-विद् के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। भाषा-विद् के पद पर उनकी तदर्श मेवाएं उस ग्रेड से अग्रिमता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएगी। उपरोक्त पद पर तदर्श नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बनाए रख किया जा सकता है।

म० 11/36/79-प्रशास्त्र-1—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, दिल्ली शाखा में कार्यालय अधीक्षक, श्री एम० एल० गुलाटी को भारत के महापंजीकार के कार्यालय में 26 फरवरी, 1979 से एक वर्ष की अवधि के लिए उप निवेशक जनगणना कार्य के पद पर, सदर्श आधार पर, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री गुलाटी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

दिनांक 31 मार्च 1979

म० 11/10/76-प्रशास्त्र-1 (भाग-II)—राष्ट्रपति, असम मिलियन मेवा के अधिकारी श्री एल० खरपूरिया को शिलांग में स्थित मेघालय जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में स्थानान्तरण द्वारा प्रतिनियुक्ति पर तारीख 9 मार्च, 1979 के पूर्वाह्नि से प्रगले आदेशों तक उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करने हैं।

श्री खरपूरिया का मुख्यालय शिलांग में होगा।

दिनांक 3 अप्रैल 1979

म० 11/46/79-प्रशास्त्र-1—गण्डपति, भारतीय प्रशासनिक मेवा के तमिलनाडु संवर्ग के अधिकारी श्री ए० पी० मुथुस्वामी को तारीख 19 मार्च, 1979 के अपग्रह में प्रगले आदेशों तक तमिलनाडु में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री मुथुस्वामी का मुख्यालय मद्रास में होगा।

पी० पद्मनाभ,
भारत के महापंजीकार

मुख्य लेखा परीक्षक डाक-तोर का कार्यालय
दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1979

स० का० श्रा० प्रशासन-III-89-23(प)(2) अधिसूचनाएं—शाखा लेखा परीक्षा कार्यालय नागपुर के स्थायी लेखा परीक्षाधिकारी श्री के० एन० देश पाण्डे दिनांक 31-1-1979 (आपराह्न) से निवर्तन पर मेवा निवृत्त हो गये हैं।

मं. प्रशासन-III-91-23(ग) (2) अधिसूचनाएँ—मुख्य लेखा परीक्षक डाक-तार ने महं, डाक तार शाखा लेखा-परीक्षा हैदराबाद के अनुभाग अधिकारी श्री ए० कृष्णमूर्ति (1) (राजकीय मेडिकल स्टोर डिपो हैदराबाद में प्रति नियुक्ति पर) की पदोन्नति कर उनको स्थानापन्न लेखा परीक्षाधिकारी के पद पर दिनांक 16-10-1978 से नियुक्त किया है तथा उन्हें, अगले आदेशों तक डाक तार शाखा लेखा परीक्षाकार्यालय नागपुर में तैनात किया है। उनकी पदोन्नति तदर्थे आधार पर है और मंजूरीनाधीन है।

एम० कृष्णन,
विष्ट उप मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 26 मार्च 1979

मं. 23011(1)/66/प्रशासन-I—भारतीय रक्षा लेखा मेवा के कनिष्ठ ममयमान के ग्रुप ए में निम्नलिखित अधिकारियों की उनके नाम के सामने लिखी तारीख से पुष्टि की जाती है:—

क्रम मं०	नाम	पुष्टि की तारीख
मर्वश्री—		
1.	गौतम भेन	14-7-1978
2.	वीरेन्द्र दिवान	2-11-1978
3.	सुनील भास्तुर	2-11-1978
4.	बीरभद्र राव बेलगा	14-7-1978
5.	के० निरंजन राव	14-7-1978
6.	एन० पी० चौहान	8-11-1978
7.	तरमेम ताल	2-11-1978

आर० एन० बंडोली,
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक

वाणिज्य नागरिक आपूर्ति एवं महकारिता मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च 1979

आयात और निर्यात व्यापार नियन्त्रण
(स्थापना)

मं. 6/578/59-प्रशासन (राज०)/2523—राष्ट्रपति, केन्द्रीय मंत्रालय मेवा के अधिकारी (प्रबरण श्रेणी चयन सूची) श्री के० वी० आलाभुजामणियन को इस कार्यालय में तदर्थे आधार पर 12-1-1979 (अपराह्न) से 28-2-1979 तक संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० वे० शेपाद्रि,
मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल 1979

मं. 6/264/78-प्रशासन (राज०)/2608—राष्ट्रपति, पूनि तथा नियंत्रण महानियंत्रणालय में कार्य कर रहे केन्द्रीय मंत्रालय मेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के अधिकारी श्री वी० एन० अप्रवाल को 21 दिसम्बर 1978 के पूर्वाह्न में इस नियंत्रण परिवर्तन के आधार पर वरिष्ठ प्रशासनिक विभाग के रूप में नियुक्त करते हैं।

मं. 6/1058/75-प्रशासन (राज०)/2625—मेवा नियंत्रण की आयु होने पर, श्री अनिल कुमार बोम ने संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय कलकत्ता में 31 जनवरी 1979 के अपराह्न में नियंत्रक के पद का कार्य-भार छोड़ दिया।

राजिन्दर मिहू

उप-मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात
कूते मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(ग्रौषोगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (नव्य उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च 1979

मं. ए०-31013(5)/77-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति, श्री एम० के० मजूमदार को दिनांक 1 जुलाई 1973 से लघु उद्योग विकास मंगठन में नियंत्रक-ग्रेड-II (पांचिक) के पद पर स्थाई हैमियत में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त
उप नियंत्रक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 27 मार्च 1979

मं. 1003 सी ए-19012 (1-एस सी)/78 19ए—श्री जम्भू चक्रवर्ती को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-810-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान पर स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 28 दिसम्बर 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

श्री० एम० कृष्णस्वामी,
महा नियंत्रक

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

मं. ए-19012/85/77-स्था० ए०—विभागीय नियुक्ति समिति की सिफारिश से श्री ज्ञा० प० शर्मा स्थायी अधीक्षक को

दिनांक 5-3-79 के अपराह्न से स्थानापन्न महायक प्रशासन अधिकारी को इस विभाग में तदर्थ आधार पर पदोन्नति प्रदान की जाती है।

सं० ए० 19011/252/78-स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की मिसारिंग में राष्ट्रपति श्री ए० जे० रेडी महायक बनन भूवेज्ञान भारतीय खान ब्यूरो का दिनांक 27-2-79 के पूर्वाह्न में आगामी आदेण होने तक भारतीय खान ब्यूरा में महायक खनिज अर्थशास्त्री (शास्त्राचारी) के पद पर पदोन्नति की जाती है।

ए० ए० वायागोपाल
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

आवाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 मार्च 1979

सं० 5 (32)/67-ए०-III—महानिदेशक आकाशवाणी एन्टद्वारा श्री ई० ए० गुहा, प्रमाण निपादक विज्ञापन प्रमाण नेवा आकाशवाणी भोपाल को आकाशवाणी छत्तरपुर में 26 फरवरी 1979 से अगले प्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करने हैं।

सं० 10/3/79-ए०-III—महानिदेशक आकाशवाणी, आकाशवाणी के वरिष्ठ इंजीनियरी गहायक के संवर्ग के श्री बी० मुख्या गव को गहायक इंजीनियर संवर्ग में स्थानापन्न रूप में पदोन्नति करते हैं और अगले आदेण होने तक उन्हे 28-2-79 (पूर्वाह्न) से दूरदर्शन केन्द्र हैदराबाद में नियुक्त करते हैं।

ए० बी० शर्मा
उप निदेशक
कूतू भारतीय निदेशक

सं० 10/6/79-ए०-III—महानिदेशक आकाशवाणी के वरिष्ठ इंजीनियरी महायक के संवर्ग के श्री दर्शन गिह अरोड़ा का महायक इंजीनियर संवर्ग में स्थानापन्न रूप में पदोन्नति करते हैं और अगले आदेण होने तक उन्हे 26-2-1979 (पूर्वाह्न) से दूरदर्शन केन्द्र अमृतसर (मुख्यालय, दिल्ली) नई दिल्ली में नियुक्त करते हैं।

ए० बी० शर्मा
प्रशासन उप निदेशक
कूतू भारतीय निदेशक।

स्वास्थ्य मंत्री महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1979

सं० ए० 12025/19/77-(जे० आई० पी०) प्रशासन—I—स्वास्थ्य मंत्री महानिदेशक ने श्री बी० गोपालकृष्णन को 15 मार्च 1979 के पूर्वाह्न ग्रामांश्रम ग्रामशा तव नगरपाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान

पाइडवेगी में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (भैषजविज्ञान) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

ज्ञाम लाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

कृषि और मिनार्ट संवादय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1979

सं० ए० 19025/120/78-ए०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्कृतियों के अनुमार श्री ए० ए० अच्चासी को इस निदेशालय में गोहाटी में दिनांक 6-3-1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेण होने तक स्थानापन्न महायक विभाग अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

बी० ए० अनुमार मनिहार
निदेशक, प्रशासन
कूतू कृषि विपणन सलाहकार

भासा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-85, दिनांक 6 फरवरी 1979

सं० पी० ए०/73(13)/78-ए०-4—समसंघक अधिकृत विभाग दिनांक 4 जनवरी 1979 के मिलिमिले में निदेशक भासा परमाणु अनुसंधान केन्द्र डॉ० (श्रीमती) चन्द्रप्रभा मन्त्रप्रकाश मित्तल को इसी अनुसंधान केन्द्र के चिकित्सा प्रमाण में अनियक्त अवधि 6 फरवरी 1979 के पूर्वाह्न में 5 मार्च 1979 के अपराह्न तक विनकुल अस्थायी रूप से नियुक्त किया गया है। इस तारीख (5 मार्च 1979) को उनकी मंत्रा अपने ग्राम समाप्त मानी जाएगी।

सं० पी० ए०/73(13) 78-ए०-4—समसंघक अधिकृत विभाग दिनांक 4 जनवरी 1979 के मिलिमिले में निदेशक भासा परमाणु अनुसंधान केन्द्र डॉ० (कुमारी) वरिष्ठ व्यावरणमित्र कौर को इस अनुसंधान केन्द्र के चिकित्सा प्रभाग में अनियक्त अवधि 6 फरवरी 1979 के पूर्वाह्न से 5 मार्च 1979 के अपराह्न तक विनकुल अस्थायी रूप से स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस तारीख (5 मार्च 1979) को उनकी मंत्रा अपने ग्राम समाप्त मानी जाएगी।

दिनांक 3 मार्च 1979

सं० पी० ए०/68 (6)/77-ए०-4 (पी० ए०-फ०)—निदेशक भासा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री नागाश मदार्शिक खोंडेश्वर को इसी अनुसंधान केन्द्र में 21 फरवरी 1979 के पूर्वाह्न में 28 फरवरी 1981 के अपराह्न तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड ए० वर्ग ० नियुक्त किया गया है।

ए० रमन रामनाथन
उप-स्थापना अधिकारी (ए०-र०)

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रम एवं भड़ार निवेशालय

क्रमांक 400001 दिनांक 26 मार्च 1979

ग० डी० पी० एम०/2/1 (25)/77-प्रणालन 8920-ओ० ज० सूक्ष्मतायण राव स्थायी महायक औद्योगिक लेखाकार तथा प्रमारी महायक लेखा अधिकारी को नामिकीय ईंधन सम्मिश्र ईंदूरबाद में स्थानान्तरित कर क्रम एवं भड़ार निवेशालय की क्षेत्रीय लेखा यूनिट, ईंदूरबाद में इसी पद पर 1-10-1978 (पूर्वाह्न) से अग्रिम आदेशों तक नियुक्त किया जाता है।

प० पी० जोशफ,
प्रणालन अधिकारी

नामिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैंदरबाद-500 762, दिनांक 10 फरवरी 1979

आदेश

म० ना० ई० म०/प्रणा०-5/20/251—जब कि थों जी० बालैया महायक 'बी०' एम० ई० एम० विना फिर्मी सूचना/प्रनमति के 30-8-78 से ड्यूटी में गैरहाजिर रहे,

और जब कि पव म० ना० ई० म०/प्रणा०-4/बी०-25/एम० ई० एम०/2166, दिनांक 22-10-1978 के द्वारा ड्यूटी पर फौरन लैटेन तक उक्त थों बालैया को निवेश दिया गया था,

और जब कि दिनांक 22-10-1978 का उपरोक्त पत्र जो उक्त थों बालैया के अंतिम ज्ञात पते—सुपुत्र थों जी० मलैया महायक म० 4-11, मल्लापुरम, हैंदरबाद-500040 पर रजिस्टर्ड डाक में पवारी महिल भेजा गया था वह उक्त 25-10-1978 की प्रात हुआ,

और जब कि उक्त थों बालैया ने दिनांक 22-10-1978 का पव प्राप्त होने के बाद भी गैरहाजिर रहना जारी रखा,

और जब कि उक्त थों बालैया की गैर-कानूनी गैरहाजिरी के दिन जाव प्रायोजित हुई के प्रस्ताव वाला ज्ञापन स० ना० ई० म०/प्रणा०-5/20/1008 दिनांक 4-12-1978 जो उनके अंतिम ज्ञात पते—सुपुत्र थों जी० मलैया महायक म० 4-11, मल्लापुरम, हैंदरबाद-500040 पर रजिस्टर्ड डाक में पावती महिल भेजा गया था वह डाक विभाग द्वारा दिया गया—उनके बारे में कुछ पता नहीं के मात्र वार्गिम लौटा दिया गया।

और जब 1) उक्त थों बालैया लगातार गैरहाजिर रहे तथा ना० ई० म० को ग्रपने वाले में कुछ भी बताने में अम्फल रहे।

और जब कि उक्त थों बालैया अपनी मर्जी से मेवा का त्याग करने के अपराधी हैं,

प्रोटोकॉल कि अपने वर्तमान के बारे में ना० ई० ग० को बिना कुछ बताए गेवा का अपनी मर्जी से त्याग करने के कारण निम्न हस्ताक्षरकर्ता इस बात में संतुष्ट हैं कि ना० ई० ग० के स्थायी आदेशों के पैरा 41 तथा/या केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण व अपील) नियमों 1965 के नियम 14 के अंतर्वाच आयोजित करना व्यवहारोन्नति नहीं है,

और जब उमीला, निम्न हस्ताक्षरकर्ता ना० ई० म० के स्थायी आदेशों के पैरा 42 के मात्र पृष्ठन परमाणु ऊर्जा विभाग के अंदर स० 22 (1)/68-प्रणा० दिनांक 3-12-70 तथा/या के ना० म० (व० निं अ०) नियमों 1965 के नियम 19 (ii) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्त थों जी० बालैया को तत्काल प्रभाव से मेवा भें बंर्खास्त करते हैं।

प० उन्निकण्णन,
वरिष्ठ प्रणालन अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैंदरबाद-500 016, दिनांक 30 मार्च 1979

म० प० ख० प्र०-1/11/76-प्रणा०—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निर्देशक, एतद्वारा, थों आई० एम० भोखा, स्थाई भंडारी स्थानप्रबंध लेखापाल को परमाणु खनिज प्रभाग में तदर्थ आधार पर दिनांक 24-2-1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक गैरहाजिर लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

स० प० ख० प्र० 2/2784/78-प्रणा०—निर्देशक, परमाणु खनिज प्रभाग ने थों एम० सुकुमार अस्थाई वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एम० बी०' द्वारा दिया गया त्याग-पव दिनांक 31 मार्च, 1979 (पूर्वाह्न) से स्वीकार कर लिया है।

एम० एम० राधा,
वरिष्ठ प्रणालन एवं लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीधर

नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1979

म० डी० पी० एम०/1/22(1)/76-आर०—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीधर के मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीधर के स्थाई कैल्टीन पर्यवेक्षक थों ई० एन० अध्ययन को 5-2-1979 से 6-3-1979 तक की अवधि के लिये तदर्थ आधार पर हांस्टेल का प्रबन्धक नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति थों एन० जी० मल्कानी, प्रबन्धक के स्थान पर की जा रही है, जो छुट्टी पर चले गये हैं।

प० डी० देसाई
मुख्य प्रणालनिक अधिकारी

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-5, दिनांक 31 मार्च 1979

मं० ई० (1) 08054—मौसम केंद्र, भोपाल, भारत
मौसम विज्ञान विभाग में स्थानापन सहायक मौसम विज्ञानी
श्री एन० जे० नाथोले का त्यागपत्र 27 जनवरी, 1979
के पूर्वान्त में स्वीकार कर लिया गया है।

गुरुमुख गम गुप्ता

मौसम विज्ञानी

कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1979

मं० ए० 32013/4/77-ई० मी०—राष्ट्रपति ने श्री टी० सी० एम० सुमद, महायक मंचार अधिकारी, वैमानिक मंचार स्टेशन, भुवनेश्वर को 5-3-79 (पूर्वान्त) से छः मास की अवधि के लिये या रिक्तियां उपलब्ध होने तक, इनमें में जो भी पहले हों, तदर्थ आधार पर संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें नियन्त्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास के कार्यालय में तैनात किया है।

मं० ए० 32013/15/77-ई० मी०—इस विभाग की दिनांक 29-7-78 की अधिसूचना मं० 32013/9/77-ई० मी० के क्रम से राष्ट्रपति ने श्री पी० एम० वेकटरमण, महायक तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, नागपुर को, जो इस समय तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी के पद पर स्थानापन स्वप में कार्य कर रहे हैं, 19-9-78 (पूर्वान्त) से अन्य आदेश होने तक, नियमित आधार पर तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सत्य देव गर्मा,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 28 मार्च 1979

मं० ए० 31013/3/78-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित अधिकारियों को 21 मार्च, 1978 से नागर विमानन विभाग में विरिठ विमान क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में स्थाई रूप में नियुक्त किया है:—

क्र० नाम

सं०

- श्री एम० एच० मन्तोक
- श्री जी० लाकड़ा
- श्री एम० एम० अर्थगर
- श्री एम० वाई० कोलहाटकर
- श्री जे० एन० मेनन
- श्री बी० पी० जायसवाल
- श्री आर० जी० श्रीवास्तव
- श्री आर० आई० मिह
- श्री जे० प्रिम

क्र० नाम

सं०

- श्री आर० दाम गव्या (19-8-78 को निधन हो गया)
- श्री एम० मिन्हा
- श्री बी० एन० नागपाल।

बी० बी० जौहरी
महायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पातन एवं मीमा शुल्क समाहतीय

मद्रास-1, दिनांक 27 मार्च 1979

सीमाशुल्क स्थापना

सं० 1/79—सीमाशुल्क पर, मद्रास के स्थाई मूल्य-निरूपक (विशेषज्ञ नहीं) श्री एम० मुबारियत ने 28-2-79 के अपराह्न से मूल्य निरूपक के पद से त्याग पद दे दिया।

ए० सी० मल्डाना,
सीमाशुल्क समाहर्ता

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

निर्माण महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1979

सं० 23/2/77-ई० मी०-२—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निर्मालिभित अधिकारी वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा में, दिनांक 28 फरवरी, 1979 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त हो गये:—

क्र० नाम

सं०

वर्तमान पद

(मर्वंश्री)

1. एल० पी० मुख्यर्जी

कार्यपालक इंजीनियर
(मूल्यन) एकक, सं० 4,
आयकर विभाग, (सी० बी० डी० टी०), कलकत्ता

2. बी० के० सुद

कार्यपालक इंजीनियर
(विद्युत), विद्युत मंडल-8, के० लो० नि० वि०,
नई दिल्ली।

सू० मु० प्रकाशराव,
प्रशासन निदेशक

कृते निर्माण महानिदेशक

रेल मंत्रालय

रेलवे बोर्ड

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 मार्च 1979

सं० 77/ई० बी०/1401—एतद्वारा सामान्य सुचना के लिये अधिसूचित किया जाता है कि वर्तमान समस्तीपुर मंडल, जिसमें बड़े और मीटर दोनों अमान प्रणालियां हैं, को 21 मित्स्रवर, 1978 से दो मंडलों में अर्थात् समस्तीपुर

मंडल और सोनपुर मंडल में विभाजित कर दिया गया है। दोनों गांडिन पूर्वोत्तर रेलवे के नियंत्रणाधीन रहेंगे। मंडलों की प्रादेशिक क्षेत्राधिकार की सीमाएँ नीचे दी गई हैं:—

मुख्यालय

क्षेत्राधिकार

1. ममन्तीपुर

मानसी (रहित) से फोरबेसगंज (रहित) तक, सहरसा से पूर्णिया जंक्शन (रहित) तक, बमनमंदी में बिहारीगंज तक, मुजफ्फरपुर (रहित) से बगहा तक, बछवाड़ा (रहित) से नारायणपुर अनन्तन (रहित) तक, दरभंगा ज़ंज के रास्ते ममन्तीपुर से नरकटियागंज तक, नरकटियागंज से भिखना थोरी तक, रक्तोल में संगोली जंक्शन तक, जयनगर से दरभंगा तक, निर्भली में दरभंगा तक, ममन्तीपुर में छगरिया तक और काशीरपुर में लौकड़ा वाजार तक।

2. सोनपुर

छपरा कचहरी (रहित) से कटिहार जंक्शन (रहित) तक, मुजफ्फरपुर के रास्ते नारायणपुर अनन्तन से हाजीपुर जंक्शन तक, सोनपुर-पहलेजाघाट - महेन्द्रघाट, माहेबपुर कमल जंक्शन, मुगेर घाट, थाना बिहपुर, महादेवपुर घाट बरारी-भागलपुर, महेन्द्रघाट, मोकामा और बरारी का संपूर्ण मेरीन मंगठन।

दोनों मंडल क्रमशः अपने-अपने मंडलीय रेलप्रबन्धकों के अधीन होंगे।

पी० एन० मोहिनी,
सचिव, रेलवे बोर्ड

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1979

सं० 9—भारतीय रेल सेवा भंडार के निम्नलिखित अधिकारियों को इस रेलवे पर कनिष्ठ वेतन मान (श्रेणी-1) में उनके नाम के आगे दिया गई दिनांक में भण्डार विभाग में इस रेलवे पर स्थाई कर दिया गया है:—

- (1) श्री डी० आर० कुमार स्थानापन्न प्रवर भण्डार अधिकारी-1/प्र० का०—6-1-1978
- (2) श्री टी० एन० पुरी स्थानापन्न प्रवर/भण्डार अधिकारी-1 (डब्ल्यू० सी०) प्र० का०—24-1-1978

मुद्रशन लाल,
मुख्य भंडार नियन्त्रक

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1979

सं० 8—उत्तर रेलवे पर परिवहन (यातायात) और वाणिज्य विभाग के दर्जा-II में निम्नलिखित स्थानापन्न अधिकारियों को प्रत्येक के गामने लिखी तारीख से इस रेलवे के उसी विभाग में स्थायी कर दिया गया है:—

क्र०	नाम	जिस तारीख से स्थायीकरण किया गया
सं०		
	मर्वश्री	
1.	आर० एन० गुप्ता	1-12-74
2.	टी० के० एम० विष्णोई	1-3-75
3.	ए० एन० श्रीवास्तवा	1-10-76
4.	डब्ल्यू० लक्ष्मन	1-4-77
5.	एम० सी० मिश्रा	1-4-77
6.	एम० बी० मक्सेना	14-6-77
7.	के० एम० श्रीवास्तवा	1-8-77
8.	के० एन० शर्मा	1-9-77
9.	एम० एन० मुकर्जी	1-1-78
10.	एच० एन० श्रीवास्तवा	1-7-78
11.	के० एन० कोहली	1-9-78
	वी० सी० शर्मा	
	चीफ ओफिसिंग सुपरिन्टेंडेंट	

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि कोयम्बतूर में इन्डस्ट्रीज निमिटेड (इन लिकिवडेशन) के विषय में
मद्रास, दिनांक 23 मार्च 1979

सं० 400/लिकिव०/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद-द्वारा सूचना दी जाती है कि दि कोयम्बतूर में इन्डस्ट्रीज निमिटेड (इन लिकिवडेशन) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उन कम्पनी विवरित हो गई है।

य० सत्यनारायण
कम्पनियों का महायक रजिस्ट्रार, मद्रास

कम्पनी अधिनियम 1756 और मैसर्स नवगांव इलेक्ट्रिक स्प्लाई कारपोरेशन लिमिटेड के विषय में।

शिलांग, दिनांक 28 मार्च, 1979

सं० जी० पी०/4058—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख से तीन मास

के अवमान पर मेमर्स नौगांव इंडियन ग्राउंड कारपोरेशन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा। और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

गण कुमार मन्तुल,
कम्पनियों के रजिस्ट्रार
आसाम, मेघालय, शिलांग अदि

कम्पनी अधिनियम, 1956 और के० एम० पी० नोहालानी पृ० को० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 27 मार्च 1979

मं० एम० ए० 722/480(2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि एम० पी० नोहालानी पृ० को० प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

डी० के० पाल,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, चड्डीमा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एम० सी० चौधरी हार्डवेयर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च 1979

मं० 19403/560/(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (2) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवमान पर एम० सी० चौधरी हार्डवेयर प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एमियन कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च 1979

मं० 19747/560(9)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवमान पर एमियन कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जि० कुमार प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च 1979

मं० 20896/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा

यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवमान पर जि० कुमार प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और खास चलवलपुर कोलियरी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च 1979

मं० 23029/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवमान पर खास चलवलपुर कोलियरी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और तहन इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च 1979

मं० 23890/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवमान पर तहन इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड वा नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और भारत प्रापर्टीज पृ० कम्पनी लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च 1979

मं० 12355/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवमान पर भारत प्रापर्टीज पृ० कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एपिजयम्बिशिय लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च 1979

मं० 24505/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख

में तीन मास के अवसान पर एपिजिय स्टिमसिप लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री प्रकाश प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च 1979

सं० 24255/560(3) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में प्रत्यक्ष यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री प्रकाश प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एन० श्रार० मरकार,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
पश्चिम बंगाल

कार्यालय, आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1979

कार्यालय आदेश

विषय—कर वसूली अधिकारियों में कार्यभार का वितरण

फा० सं० मी० आई० टी०-४/जूरिं/टी० आर० ओ०/ 78-79/52177—इस विषय पर पहले के सभी आदेशों

का ग्रहिकरण करने हए आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निरें देने हैं कि निम्नलिखित कर वसूली अधिकारी दिनांक 30-3-1979 से कालम-4 में निर्दिष्ट आई० ए० भा० रेज० के अन्तर्गत आने वाले डिस्ट्रिक्टों/वाडों के संबंध में ग्राने कार्य करेंगे :—

क्र०	पदनाम सं०	काम का बंद्रवारा	आई० ए० मी० का प्रशासनिक नियंत्रण
1	2	3	4
1. कर वसूली अधिकारी पहले के वार्ड आई० ए० मी० रेज-6 —6, नई दिल्ली			
3८ नथा ३६ डिं-३(1), ३(2)(3)(7), ३(7) अतिरिक्त ३(14) पहला अतिरिक्त नियोंत मकिल ३(30), ३(32), ३(34), पहला अतिरिक्त यद्ये मकिल ३ आई० ए० मी० रेज ३-ए को धारा-१२५ (1) के अंतर्गत सौपे गये सभी मामले। नए पुनर्नामोदृदिश्ट वार्ड वार्ड ३-ए(1), ३-ए(2), ३-ए(3), ३-ए(4), ३-ए(5), ३-ए(6), ३- ए(7), ३-ए(8), ३-ए(9), व ३-ए (10) नथा ३-ए(10) अतिरिक्त।			
रणवीर चन्द्र आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली			

प्रकृप धाई० टो० एम० एस०—

आपका प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाधुन (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतमर

अमृतमर, दिनांक 6 जनवरी 1979

निदेश नं० १० ए० एम० आर०/78-79/167—यतः
मुझे, एम० एल० महाजन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन भक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर भंपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० ने अधिक है

और जिनकी सं० प्लाट नं० 1929 मिन है, जो 2930 बटाला रोड, अमृतमर में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतमर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष्म प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से ही किसी ग्राम की वार्षत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिक्य वें कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी बत या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रन्ति: ग्रन्ति, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्ति:—

1. श्री मरदार अमरजीत सिंह पुत्र प्याग सिंह लारेंस रोड, श्री गुरवाल्लभ सिंह पुत्र अमर सिंह, 355 गनी नं० 6, शरीकपुर, अमृतमर। (अन्तरक)

2. श्री हरी सिंह पुत्र मंगल सिंह 224 हुमेन पुरा, अमृतमर। (अन्तरिती)

3. जैमा कि नं० 2 मे है। यदि कोई किरणदार हो तो। (वड व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति अधीक्षिताक्षरी जानता है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस संपत्ति में रुचि रखता हो, तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीक्षिताक्षरी जानता है, कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पुराविन सम्पत्ति के अधिन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अधिन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा 1929 मिन बटाला रोड जैसा कि रजिस्ट्रीकूल नं० 1442 जुलाई, 1978 जैसा कि रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतमर शहर में है।

एम० एल० महाजन,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतमर

तारीख: 6-1-79

सोहर;

प्रारूप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1979

निदेश न० ए० एम० आर०/78-79/108—पत्र. मूल्य, एम० पत्र० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए से अधिक है

आँग जिमकी न० प्लाट आफ नैण्ड है, जा 3258/230 मिन, 3297/1929 मिन बटाला रोड, अमृतसर में स्थित है (आँग इसमें उपबङ्ग अनुसूची में आँग पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, तिम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में चाहनविह रूप में लिखा नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दृई किमी पाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अंतर्गत लिखने वाला हूँ, अर्थात्:—

1 श्रीमती गुरदीप कौर, मनी मरदार राम मिह पुत्री मरदार टहल मिह, माल रोड, अमृतसर। (अन्तरक)

2 श्री रजिन्दर मिह पुत्र श्री मंगल मिह 189 शिवाला भाईया, अमृतसर। (अन्तरिती)

3 जैमा कि नं० 2 में यदि कोई किरायादार हो तो (वह व्यक्ति जिस अधिभीम में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4 यदि कोई जाकिन इस सम्पत्ति भें रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है फि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 3258 ग्रोवर 1930 मिन 3297/1929 बटाला रोड अमृतसर जैमा कि रजिस्ट्रीकृत न० 1443 जुलाई, 1978 और रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 6-1-79
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

ग्राम्यकर भ्रष्टाचारियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

तार्यालिय, सहायक श्रावकर श्रावकत (निरीक्षण)

प्रर्णन रेज, अमतनर

अमनवर, दिनांक २० फरवरी १९७९

ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ନଂ ୧୦ ପ୍ରମାଣ ଆର୍ଟ୍‌/୭୮-୭୯/୧୨୧--ସତ ମୁଖ୍ୟ,
ଜୀବ ପତ୍ର ଗାସ

भारतीय ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रंथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी प्राविकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में ग्रंथिक है

धीर जिसकी मरण पक्ष मरण दूरान दो मजिला नं० 661/9 और 124/IX-2 हैं तथा जो कि कटडा खाना अमृतसर में स्थित है (आँर इसमें उपावद्ध अननुची में और पूर्ण स्पृष्टि में बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1978 को

पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कों गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर, तिम्नलिंगित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिन में वास्तविक रूप में नवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुखिया के लिए ; और/या

(ब) देसी लिसी प्राय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में संविधा के लिए;

प्रन : अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अर्थात् निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवृत्ति :--

1 श्रीमती इन्द्रजीत पुत्र श्री मोहन लाल कटड़ा खजाना
नवा न० 32/1/1, गांधी नगर द्वारा मोहन लाल पुत्र श्री
किशन चन्द, गांधी नगर जम्मू पी० प्र०० ४० । (अन्तरक)

२ श्री प्रेम नाथ पृत श्री बलदेव राज और श्रीमती आशा गनी
पत्नी श्री प्रेम नाथ निवासी चौक कटड़ा खजना, अमृतसर।
(अन्तरिक्ष)

3 जैसा कि सीरियल नं० 2 ऊपर और कोई किराए-दार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सपत्नि है)

१ यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सप्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के मम्मत्व में कोई भी भावेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोल्लासकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रदूषत शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रन्थालय 20-के में परिभाषित हैं, वही शब्द होना जो उस ग्रन्थालय में दिया गया है।

प्राची

एक मकान दुकान दो मंजिला जिसके माथ मियानी है जिसका नॉ 661/9 और 124/IX-2 जो कि बाजार कट्टा खजाना अमृतसर मे स्थित है जैमा कि रजिस्ट्री डीड नॉ 1232 तिथि 3-7-78 आफ रजिस्ट्री अथागिटी अमृतसर शहर मे स्थित है।

जी० एस० गास०
मक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर।

प्रश्न प्राइंट दी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अमृतसर, दिनांक 20 फरवरी 1979

निवेदण सं० प० एम० आर०/78-79/122—यत्
मुझे जी० एल० गाहूआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर समति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक हैऔर जिसकी म० मकान न० जा 613/1 कठरा कन्हैया
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपबद्ध त्रिसूची में
पूर्ण रूप म वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नार्यालय
अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1978
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संतुलि ला उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान अनियत
का पद्धति प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:-(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रलट नहीं किया
गया था; पा किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः मम, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रनृ-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्पत् ।—1 श्री हराम दाम पुत्र श्री दमराज रहने वाला मेन
वा. एस० ग्रन्टना जी० अमृतगढ़ (अन्तर्गत)2 श्रीमती कैलाश रानी पत्नी गुलजार मल और श्री
गुलजार मल पुत्र श्री नीरथ राम रहने वाला खजाना गेट,
अमृतसर। (अन्तरिती)3 जैसा कि न० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो
तो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता
है)4 यदि काई व्यक्ति इस संपत्ति में नहीं रखता
हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजेन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या निसंबंधी अधिकारी पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
निए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान न० 613/1 कठरा कन्हैया अमृतसर जैसा
कि रजिस्ट्रीकूल न० 1243/दिनांक 4-7-78 और रजिस्ट्री
अधिकारी अमृतसर शहर में है।जी० एल० गाहू
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 26-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 फरवरी 1979

निदेश स० ए० एम० आर०-78-79/123—यह मुझे, जी० एल० गारू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० पान द्वाकाने न० है, जो 1486 से 1490 कटरा मफेद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह वेश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, इपने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, दर्शायें:—

1 श्री ब्रज मोहन पुत्र पन्ना लाल लोहा मन्डी, अमृतसर (अन्तरक)

2 श्रीमती मत्यापत्नी विवाह श्री हीरगलाल कटरा मफेद अमृतसर। (अन्तर्गत)

3 जैमा कि न० 2 में है। यदि कोई किरायादार होता। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4 यदि कोई व्यक्ति सर्वति में रावि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सर्वति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जाग रखके पूर्वीन ममति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उस ममति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इन सूचना के राजाव राजाव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवधि या तत्त्वमन्दो व्यक्तियों पर पूर्वाने तामोर ने 30 दिन से अवधि, जो भी प्रत्यक्ष बाद से उपलब्ध नहीं हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इन सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध हिस्से प्रत्यक्ष द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरता:—इसे श्रुति गब्रें प्रीर पदों का जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-6 में परिमाणित है वही नर्म वाला जो उप प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

ज्यादा पांच द्वाकाने न० 1486 से 1490 कटरा मफेद अमृतसर जैमा कि रजिस्ट्रीकर न० 1266 दिनांक 5-7-78 और रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

जी० एल० गारू
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,
अर्जन रेज, अमृतसर 1

तारीख : 20-2-1979

मोहर :

प्रस्तुप शार्ड० टी० एन० एस०----

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-व (1) के अधीन मूचना

भारत मराठा

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III.

अमृतमर, दिनांक ९ भार्द, 1970

निदेश सं० ए० पम० आर०/78-79/137—यत. मूले
जी० एल० गारू

ग्रायलूर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन मक्षम प्राप्तिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. में प्रतिक है

और जिसकी मूल कृपि भूमि 40 कनाल 12 मरला भोमा तहमील लाला जिं० गुरदामपुर में है तथा जो बटाला में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बटाला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अनुरित की गई है और मूले यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) 'ओ' अन्तरिक्ष (पन्तरितियों) के बीच तथे अन्तरण के जिए तथे पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित तरीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की धावा, उक्त ग्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने प्रा उससे बचने में सुविधा है जिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या गन्य ग्रामियों को जिन्हे भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, ३ वन-कर अधिनियम, 1957 '1957 का 27, ने प्रयोगनार्थ अन्तरितो इतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिन्न में सुविधा के लिए।

अनु: अब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसार में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपावड़ा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पात :—

1. श्री बुग्रामिह पुत्र माता मिह गांव भोमा तहमील बटाला जिं० गुरदामपुर (अन्तरक)

2. श्री मादा मिह पुत्र नन्था मिह गाव भोमा तहमील बटाला जिं० गुरदामपुर। (अन्तरित)

3. जैमा कि नं० 2 मे है। और कोई किगांदार हो नहीं। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हो)

4. यदि कोई व्यक्ति जो संपत्ति में सचि रखना हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए नियमित व्यक्तियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की गामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी गन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि 46 कनाल 12 मरला गांव भोमा तहमील बटाला जिं० गुरदामपुर जैमा कि रजिस्ट्रीकून नं० 3716 दिनांक 28-8-79 जैमा कि रजिस्ट्री ग्रधिकारी बटाला शहर में है।

जी० एल० गारू
मध्यम ग्रधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, उच्चन्द्रपुरी
टेलर रोड, अमृतमरतारीख: 8-3-1979
मोहर :

प्रह्लाद प्राइंटी प्र० ०८० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा
२६९व (१) के धर्मानुचन

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक ८ मार्च 1978

निर्देश सं० ए० प्रम० आर०/७८-७९/१९८—यन्तः मुझे,
जी० एल० गाहू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विस्तका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में परिषित है,

और जिसकी सं० ३८-३९ तुंग बाला द्वा
नन्द नगर, अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (ग्रो
इसमें उपायद्वारा अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और सुन्दर यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पद्धति
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
शतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी धारा की बावजूद उक्त अधि-
नियम के संधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा की किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

इस: अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९व के अनु-
सार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९व की उपस्थाता
(१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

१. श्री शिव नारायण कपूर, राम नारायण कपूर,
ध्रुव नारायण कपूर पुत्रगण हरी राम कपूर श्रीमती सुन्दरशी
कपूर शारा मेहरा पुत्र श्री हरीगम कपूर श्री रोशन लाल
मेहरा, ५५ जोधी कालोनी, गाल रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

२. श्री मोहन लाल अल्ला पुत्र त्रिलोक नाथ, श्रीरु
कुना मुनारेदत लाउन नं० ११४६/८ नमक मन्डी, अमृतसर।
(अन्तरिती)

३. जैमा कि नं० २ में है यदि कोई व्यक्ति किराएदार
हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

४. यदि कोई व्यक्ति इस संपत्ति में रुचि रखता है तो
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि
वह संपत्ति में हिन्दूद्वारा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
नियम अनुसारित करता हूँ।

उम्म विनि के अर्जन के बंधन में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दू-
द्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय ३०-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

प्रत्यक्षी

कृषि भूमि नं० ३८-३९ तुंगबाला द्वानन्द नगर, अमृतसर
दिनांक जुलाई, 1978 जैमा कि रजिस्ट्रीकृत नं० १५९३
दिनांक २०-७-७८ रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर शहर में
है।

जी० एल० गाहू
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, ३ अमृतसर

तारीख: ८ मार्च 1978

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी ८० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 मार्च 1979

निदेश सं० ए० एम० आर०/78-79/139—यह मृशे
जी० एल० गारू

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी स० रिलिंग न० 7, कोर्ट रोड अमृतसर है
तथा जो अमृतसर में स्थित है (प्रौर इसमें उपावर्ष ग्रन्तिग्राही
में और पूर्ण स्वयं में वरित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-8-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए,
तथा गाया गया प्रतिक्रिया, तिम्बलिष्टित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) दोनों निम्नों प्राय या किसी वन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रयोजन
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थाता (1)
के अन्तरितिवाल वक्तियों प्रतीत:—

3—26GI/79

। श्री मुकनार मिह पुत्र ठाकर मिह 7 कोर्ट रोड,
अमृतसर। (अन्तर्गत)

2 श्रीमती गुरमीत कौर पन्नी जगवन्न मिह गंव
ग्रन्तिग्राही जिह गुरदामपुर (अन्तर्गत)

3 जैगा कि न० 2 में है। यदि कोई किंगादार हो
तो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में गपनि है)

4 यदि कोई व्यक्ति इस मानि में यह रखना है तो
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह मानि में हितवद है)

को पूर्व सूचना द्वारा करने पूर्वोक्त नम्पति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता है।

उत्ता अन्ति 6 पर्वों के निवारण में कोई भी अक्षेत्र:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में भी किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संदीक्षण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाया 20-क में परिमावित
है, वही अर्थ होगा, जो उा अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी न० 107 कार्ट गेड, अमृतसर जैमा कि रजिस्ट्री-
कून न० 1748 दिनांक 9-8-1978 जैमा कि रजिस्ट्री
अधिकारी अमृतसर शहर में है।

जी० एल० गारू
मक्षम प्राधिकारी

गहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 3 चन्द्रपुरी टेलर रोड, अमृतसर

तारीख : 8-3-1979

मोहर :

प्रसूप भाई० टी० एम० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269 अ० (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 मार्च 1979

निदेश सं० १० एम० आर०/78-79/140—यतः मुझे
जी० एल० गाहू

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की आरा 269-अ० के अधीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 107, कोर्ट रोड, अमृतसर
है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनु-
सूची में आगे पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-8-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और यह कि प्रन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चर्चेय से उक्त अन्तरण
लिखित में वार्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की वादन, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः यद्युक्त अधिनियम की आरा 269-अ० के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की आरा 269 अ० की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधितयों, अवतः :—

1. श्री मुकुनार मिह पुत्र ठाकर मिह 7 कोर्ट रोड,
अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार पुत्र दीनानाथ 221/2 बाजार
जानियावाला, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इम संपत्ति में रुचि रखता है तो
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह संपत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अवक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो
भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवक्षियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कोठी नं० 107, कोर्ट रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री-
कर नं० 1749 दिनांक 9-8-78 जैसा कि रजिस्ट्री अधि-
कारी अमृतसर शहर में है।

जी० एल० गाहू
सम्म प्रधिकारी
स्थानीय ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज 3 चन्द्रपुरी टेलर, रोड अमृतसर

तारीख : 6-3-1979
मोहर :

प्रश्न आई० टो० ए३० एस० -----

ग्राम्यकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 मार्च 1979

निवेदण सं० ४० ए३० आर०/७८-७९/१४१--यतः मुझे जी० एल० गारू

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी संघीय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 7 कोर्ट रोड है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नर अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-9-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में व्यस्तत्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाजात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी ग्राम या किसी धन या अन्य प्रस्तुतियों को, जिसमें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तरित :--

1. श्री मुकुतार सिंह पुत्र ठाकर सिंह, 7 कोर्ट रोड, अमृतसर। (प्रन्तरक)

2 श्री दर्शन सिंह पुत्र प्यारा सिंह गांव कुतपुर शहर जी० रोड। (अन्तरिती)।

3 जैमा कि नं० 2 में है और यदि कोई किगण्डार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4 यदि कोई व्यक्ति इस संपत्ति में सचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के लिए कार्यवादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामीण :--

(क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 7 कोर्ट रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकूत नं० 2330 दिनांक 25-9-78 जैसा कि रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

जी० एल० गारू
सभाम प्राधिकारी
महायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज 3 चन्दनपुरी टेलर, अमृतसर

तारीख : 6-3-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 मार्च 1979

निदेश सा० ए० एग० आर०-78/79/142—यतः मुझे,
जो० एल० गार०बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सभी अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है जिसके द्वारा उक्त अधिनियम का उचित वाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक हैबायकर जिमी ग० कोठी न० 7 कोट रोड, अमृतसर है तथा
जो अमृतसर में स्थित है (बायकर इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्या-
लय, अमृतसर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 25-9-1978पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है जिसके द्वारा उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा यापा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण ये दुई निमों बायकर को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शयित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी बायकर या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नान्वयन व्यक्तियों अर्थात्:—1. श्री मुकुर मिहू बुव ठाकर मिहू, 7 कोट रोड,
अमृतसर। (अन्तरक)2. श्रीमती शकुन्तला देवी पनी नन्द लाल 14 मुमाण-
नगर कटरा गेट मिहू, अमृतसर। (अन्तरिती)3. जैमा कि न० 2 में है। यदि कोई किरणदार हो
तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)4. यदि कोई व्यक्ति इस संपत्ति में लचि रखना होतो
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह संपत्ति में हितबद्ध है)।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के लिए
तारीखादियां करता हूँ।

उस सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्स्वन्धनी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
हिस्से प्रत्यक्ष अवधि द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
तिवार में लिए जा सकेंगे।स्वाक्षरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी न० 7 कोट रोड, अमृतसर जैमा कि रजिस्ट्रीक्यून
न० 2331 दिनांक 25-9-78 में जैमा कि रजिस्ट्री
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर गहर में है।जी० एल० गार०
महायकर बायकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रजन रेज 3 चन्द्र पुरी टेलर रोड, अमृतसर।

तारीख: 6-3-1979

मोहर :

प्रस्तुप भाई० डी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 9 मार्च, 1979

निर्देश स० ए० एम० आर०/टी० टी०/78-79/145—
यतः मुझे, जी० एल० गाल०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी स० भूमि जिसका क्षेत्रफल 40 कनाल है तथा
जो कि गाव खख तहसील तरन नाम में स्थित है, (और
इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरन नाम में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
जुलाई, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त गम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
इन्हें से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से वर्णित नहीं
किया गया है:—

(a) प्रमाण में दुई फिंगरों पार ली बाबत उक्त प्रवि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(b) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ब्रन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रति उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१ श्री बन मिह पुत्र श्री अण्डा मिह गाव खख तहसील
तरन नाम। (अन्तर्गती)
(अन्तरक)

२ श्रीमती अवतार कौर पत्नी श्री महिनद्र मिह गाव
खख तहसील तरन नाम। (अन्तरिती)

३ जैमा ऊपर सीनियल न० २ में और काई किरायेदार
हा न० (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सपत्ति है)

४ यदि कोई और व्यक्ति इस सपत्ति में रुचि रखता
हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायंवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की नामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रपुरन शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि जिसका क्षेत्रफल 40 कनाल है जो कि गाव
खख तहसील तरन नाम में है जैमा कि रजिस्टर्ड डीड न०
3345 तिथि 7-7-78 आफ रजिस्ट्रिंग अथारिटी
तरन नाम तहसील में दर्ज है।

जी० एल० गाल०
मकाम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर
तारीख 9-3-1979
मोहर :

प्रलेख प्राईंट टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 मार्च, 1979

निर्देश मं० ए० एम० आर०/78-79/146—प्रत. मुझे, जी० ए० ल० गाह०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1266.5 मीटर खाता नं० 86/126, खसरा नं० 29/8 मिन 29/9 मिन है तथा जो कि गाव गलवाली तहसील अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और सुधे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रभुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यातः:—

1. श्री रजिन्द्र मिहूत श्री मोहन मिहूत वासी कैरों मार्किट, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री जमपाल मिहूत, अजीत मिहूत वान श्री अमर सिंह, सतवन्त कौर पत्नी श्री मुरिन्द्र सिंह निवासी निमक मंडी, अमृतसर। (अन्तरिती)।

3. जैसा कि सीरियल नं० 2 ऊपर और कोई किराये-दार हो नहीं। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में मंपत्ति है)

4. यदि कोई और व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मंपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नसबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनृसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1266.5 मीटर खाता नं० 86/126, खसरा नं० 29/8 मिन, 29/9 मिन जो कि गाव गलवाली, तरन तारन रोड, अमृतसर में है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 2647 तिथि जुलाई, 1978 आफ रजिस्ट्रिंग अधारिती अमृतसर तहसील में दर्ज है।

जी० ए० ल० गाह०
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 9-3-79
मोहर:

प्रलेप प्राई० टी० प० ए० प०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 मार्च, 1979

निदेश सं० प्राप्तमार०/78-79/147— यतः मुझे,
जी० ए० ए० गा०

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिवार उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 40 कनाल है तथा जो कि गांव खाड़ तहसील तरन तारन में स्थित है (और उसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1978

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यापार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बन मिह पुत्र श्री कंडा मिह निवासी गांव खाड़ तहसील तरन तारन। (अन्तरक)

2. श्री गुरुचरण मिह पुत्र श्री महेन्द्र मिह निवासी गांव खाड़, तहसील तरन तारन। (अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊर मीरियल नं० 2 में और कोई किराये-दार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोक्षणार्थी जनता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्षणार्थी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 40 कनाल जो कि गांव खाड़ तहसील तरन तारन में है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 3340 तिथि 7-7-78 आफ रजिस्ट्रिंग अथारिटी तरन तारन में दर्ज है।

जी० ए० ए० गा०
सकाम प्राधिकारी
महायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसरतारीख : 9-3-79
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 मार्च, 1979

निर्देश सं० आमन्त्रार०/78-79/148—यतः मझे
जी० एव० गार०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रत्याकृत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन भ्रम्भम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उपायकर समन्वय विभाग बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ग्रिमका भेत्रफल 8 कनाल, खमरा नं० 16 है तथा जो कि नुग बाला, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपायकर अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1978

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमात्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पश्चापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमात्र प्रतिफल से, ऐसे दूसरमात्र प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखा से वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी माय या किसी धन या अन्य आमिनियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

धरण: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री भनोहर मिह, प्रितपाल मिह पुदान जगजीत मिह श्रीमती सुखबीर कौर विधवा श्री जगजीत मिह श्रीमती अमरजीत कौर पुत्री जगजीत मिह निवासी नुग बाला, अमृतसर। (अन्तर्वा)

2 श्रीमती गुरबचन कौर पत्नी श्री अमरीक मिह श्रीमती शमशेर कौर पत्नी श्री आत्मा मिह श्री स्वर्ण मिह पुत्र श्री गाम मिह इन्द्रगाल मिह पुत्र आत्मा मिह, इम्ट मोहन नगर, अमृतसर। (अन्तर्वा)

3 जैसा कि ऊपर गीरिश्वल नं० 2 और कोई किंगादार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4 यदि योर कोई व्यक्ति जो इस जायदाद में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अयोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त समन्वय अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

ल्पणीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 8 कनाल खमरा नं० 16 जो कि नुगबाला अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रई डीड नं० 1340 तिथि 11-7-78 श्राफ रजिस्ट्रिंग अथारिटी अमृतसर शहर में दर्ज है।

जी० एव० गार०
मक्कम अधिकारी
गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 9-3-1979
मोहर:

प्रस्तुप शाहौदी० टी० एम० एम०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्राप्ति मूल्य

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आपकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 मार्च, 1979

निदेश सं० ए० एम० आर०/७८-७९/१५७—यतः मुझे,
जी० ए० ए० गा०आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रति 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्राप्ति गम्भीर प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक हैऔर जिसकी सं० छृष्टि भूमि जिसका क्षेत्रफल 48 कनाल
10 मरले हैं तथा जो कि गांव जलालाबाद तहसील तरन
तारन में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, जूलाई, 1978में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के वृद्धमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत
से अधिक है और प्रभरक (प्रभरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण में हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रभरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) एसी किसी प्राप्त का नियोग या प्रनार प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृं
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
से अप्रोता निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवर्ति:—1. श्री मुख्तार सिंह, गुरमेज मिह पुत्रान श्री ज्ञान मिह
निवासी गांव जलालाबाद तहसील तरन तारन। (अन्तरक)2. श्री परमर्जित मिह पुत्र श्री बुश्रा मिह, बुश्रा मिह
पुत्र श्री मिलदा मिह गांव मेफलाबाद तहसील तरन तारन।
(अन्तरिती)3. जैमा कि मीरियल नं० 2 ऊपर और किराएदार
हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में सचि रखता
हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।को यह भूमा जारी करके उर्वार्थ मानि के अर्जन के
लिए लायबर्गिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भा प्राप्ति:—

(क) इस मूल्य के राजात्मक में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या नक्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
भूमा का जामील में 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि वार में नमात होती हो, के भीनर पूर्वोक्त
अवधियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस मूल्य के राजात्मक प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्राप्ति का, जा उक्त अधि-
नियम के प्रधार 269-क में यथा परिभाषित है,
वहीं अर्थ होगा, जा उन प्रधार में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 48 कनाल 10 मरले 1/3
भाग 145 कनाल 10 मरले का जो कि गांव जलालाबाद
तहसील तरन तारन में है जैमा कि रजिस्टर्ड डीड नं०
3499 तिथि 13-7-78 आप रजिस्ट्रिंग अथारिटी तरन-
तारन में दर्ज है।जी० ए० ए० गा०
मक्षम अधिकारी
महायक आपकर शायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 9-3-79

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 मार्च, 1979

निदेश सं० ए एस आर०/78-79/150—यतः मुझे,
जी० एल० गारू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक दुकान नं० 651/2 जिसका अंतर्फल
56 वर्गमीटर है तथा जो कि कटड़ा आहलूवालिया में स्थित
है (श्रीर इममें उपाबद्ध अनमूची में आंग पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जुलाई, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(इ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

1. श्री गुरबक्ष मिह पुत्र श्री सोभा मिह निवासी
बाजार दर्जनी ड्यूडी, अमृतसर (अन्तरक)।

2. श्रीमती वीरो देवी विधवा श्री दीवान मिह निवासी
गुरु नानक बाड़ा, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में श्रीर कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इम जायदाद में रुचि रखता
है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसंधी

एक दुकान नं० 651/2 जिसका अंतर्फल 56 वर्ग मीटर
है जो कि कटड़ा आहलूवालिया अमृतसर में है जैसा कि
रजिस्टर्ड डीड नं० 12500/1 तिथि 19-7-78 आफ
रजिस्ट्रिंग अधारिटी अमृतसर शहर में मैं दर्ज है।

जी० एल० गारू
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 17-3-79
मोहर:

रुपा प्राई. टो. एन० एम० - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
१६९-४(1) के अधीन मृच्छन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिग्गंक 31 मार्च, 1979

गिरेश स० ए० एम० आर०/78-79/153/यतः मुझे
जी० ए० ग० गारू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पात्र 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-४
के प्रदेश नक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि विद्यावार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी का हिस्सा है तथा जो गुरदासपुर
में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है०, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुरदासपुर
शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन तारीख जुलाई, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्ट्यान्त
प्रतिफल के निए प्रन्तरित की गई है और जूँ यह विश्वास करने
का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्ट्यान्त प्रतिफल में, ऐसे दृष्ट्यान्त प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (प्रन्तरक) और प्रन्तरित
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से नहीं किया गया है :—

(क) प्रबन्धन यू०ई कमो आय की वाप्ति उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायदि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
की लिए; और/वा

(ख) एरी 1 का आय या एकमात्र या भ्रम आस्तिर्गां
का, (जन्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 न 11) वा उक्त अधिनियम, आ
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

वक्तः अब, उक्त धिनियम की धारा २६९-४ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा २०-४ की अपेक्षा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरुप्रीत सिंह पुत्र श्री मुचेत सिंह निवासी नवां
पिंड वाहियां, गुरदासपुर (प्रन्तरक)

2. श्री जनक राज पुत्र श्री जगत राम निवासी अन्दरूनी
बाजार, गुरदासपुर (प्रन्तरिती)।

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में सचि रखता
हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि तारीख में गमाप्त होती हो, के पाने पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योगिता :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के अन्तर्गत हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी का भाग जो कि गुरदासपुर में स्थित है जैसा कि
रजिस्टर्ड डीड नं० 3346/20-7-78 आफ रजिस्ट्रीग
अथारिटी आफ गुरदासपुर के कार्यालय में दर्ज है।

जी० ए० ग० गारू
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 मार्च, 1979
मोहर :

प्रलेप आई० ई० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन मूल्य

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 मार्च, 1979

निदेश स० ए० एस० आर० 78-79/154—यतः
मुझे, जी० ए८० गार०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के प्रधीन संशम आधिकारी को यह विश्वास करने का हारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० में अधिक है को

और जिसकी स० कोठी का हिस्सा है तथा जो गुरुदासपुर में स्थित है (और इसे उत्तर अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरुदासपुर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से रूप के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यू० यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दहू प्रतिशत से अधिक है और अन्तर ८ (अन्तरको) द्वितीय अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के किए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनाशंका विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन ४२ इन के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उसमें बचने गे सुविधा के लिए; और/या

(ख) दोनों किसी प्राचीन वा रिसी वर या एवं आस्तीयों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरुपीत सिंह पुत्र मुर्चेत मिह निवासी नवापिन्ड भवन गुरुदास जि० गुरुदासपुर (अन्तरक)

2. जनक राज और फकीर चन्द निवासी अन्धरहनी बाजार, गुरुदासपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में और कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

4. यदि कोई व्यक्ति जो संपत्ति में शक्ति रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है।

को यह मूल्य जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू०

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भा ग्राहण :—

(क) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा गएगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी का हिस्सा जो कि गुरुदासपुर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकूत नं० 3360 3360 दिनांक 21-7-78 और रजिस्ट्री अधिकारी गुरुदासपुर में है।

जी० ए८० गार०
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

मोहर: 31 मार्च, 1979

दिनांक:

प्रस्तुप ग्राइंड टी० एन० एम०-----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 जनवरी, 1979

निवेश स० 4827—यत मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० 36 (टी० एम० स० 309) है, जो बेनकटरमन अव्यर स्ट्रीट और आन्ठी कॉन्टर स्ट्रीट, बोल्लाच्ची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बोल्लाच्ची (डाकूमेंट स० 1516/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपष्ठारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. वी० मुतुसनमुद्रम, कुमारवेल कालिन्गारायर रामकुमार, मैनर मुरली कृष्णन वै गारठियन वी० वी० चिन्नस्वामी, नागररत्नम, मन्मलममान ग्रान्तकर्मी। (अन्तरक)

2 श्रीमती एन० जलजा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में रोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के अन्तिमिति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसन्धान

भूमि और निर्माण 36, बेनकटरमन अव्यर स्ट्रीट, और आन्ठी कॉन्टर स्ट्रीट, बोल्लाच्ची (डाकूमेंट स० 1516/78)

टी०वी० जी कृष्णमूर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 15 जनवरी, 1979
मोहर:

प्रेरणा प्राई ० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी, 1979

निवेदण मं० 46/जुलाई/78—यत, मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी स० काफी एस्टेट है, जो एरकाड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरकाड (डाक सं० 133/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-7-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्र अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए,

अतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातः—

1. श्री एगजेवीयर (अन्तरक)

2. श्रीमती कक्षम आची और तीन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त ममति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त ममति ने प्रेरणा के प्रत्यन्त्र में कोई भी आक्षेप नहीं किया।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

31.62 एकर्स काफी एस्टेट, एरकाड में।

ओ० आनन्दराम
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 19-1-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०---

1. श्री आर० कनगगवापत्री (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री एस० पी० मूलूरामन (अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर-आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी 1979

निर्देश सं० 51/जुलाई/78—यतः, मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 26 ए, है जो कनकर स्ट्रीट, सेलम-1 में स्थित है (और इससे उपांच्छद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ०-1, मेलम (डाक० सं० 2412/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-7-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकेट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रथान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर, 26ए, कनकर स्ट्रीट, सेलम 1 म।

ओ० आनन्दराम
मेलम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 19-1-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० दी० एन० एम०-----

1. श्री गोविन्दराज नायूड़

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

2. श्री पांडी 'ओर दो

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यान्वय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1979

निर्देश सं० 43/जुलाई/78—यत्, मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० दी० एम० 728/1 है, जो चेटीनायकनपट्टी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रिक्टर अधिकारी के कायलिय, डिन्डूकल (डाक० सं० 929/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 1-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्ननिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हूर्दा किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) प्रधीन, निम्ननिमित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तरम्भन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध हिसों प्रत्येक व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टटीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-वाँ में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और घर, दी० एम० सं० 728/1, वार्ड सं० 1, चेटीनायकनपट्टी गांव, डिन्डूकल तालुका और जिला।

ओ० आनन्दराम
मध्यम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 21-1-1979

मोहर:

प्रस्तुप प्राइ. टी. एन. एस. ——

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 9 फरवरी 1979

निर्देश सं. 8289/78-79—प्रतः, मुझे, ओ० आनन्दराम
भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० मे प्रधिक है

और जिसका सं. है, जो मदूरकूर, पटूकोटे मे स्थित
है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मदूरकूर (आक०
सं. 1285/78) मे रजिस्ट्रीफरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 18) के अधीन तारीख जुलाई, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूपे के नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
धायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रम्य प्राप्तियों,
को जिन्हे सार्तीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने मे
सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के
अनुसरण मे, मे, 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-ए की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-26GI/79

1. श्री ए० नूर मोहम्मद शब्दूर (अन्तरक)

2. श्री बी० रामकृष्ण और भाई (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध मे कोई भी प्राप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितवद्ध
किमी अम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभासित
है, वही प्रये होगा जो उस अध्याय मे दिया
गया है।

अनुसूची

58 सेंट शूमि, धर, मशीनरी और एलक्ट्रीकल फीटिंग्स,
मदूरकूर, पटूकोटे तालुका मे।

ओ० आनन्दराम
मक्षम प्राधिकारी
महायकर प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 9-2-1979

मोहर:

प्रस्तुत श्राई० टी० एन० एम०-----

1. श्री के० एम० रामचंद्रन, (अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ (1) के अधीन सूचना

2. डॉ सुलतान राहुल (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 फरवरी 1979

निर्देश सं 8279/78-79—यतः मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के प्रधीन संकेत प्राविहारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वारं मननि, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी म० है, जो मानमूच्छावडी, ननजावूर में स्थित है (आँग इमें उपावन्न अनुसूची में आँग पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के वार्यालय, जे० एम० आर० ओ० ननजावूर (डाकु० ग० 2556/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्दर प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और रैस मील घर, मानमूच्छावडी में।

ओ० आनन्दराम,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 9-2-1979

मोहर:

प्रकृप मार्फ़ ८० टी० एम० एस०

१ श्री रामर्कान्गम और कम्पनी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

२ श्री के० गम० नटेमन और कम्पनी (अन्तरिती)

भारत सरकार

कायलिय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 फरवरी, 1979

निर्देश मं० ५८/ज्ञाई०/८—यतः, मृष्टे, ओ० आनन्दराम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० 47-एच है, जो नन्दगोपालपुरम, तूतूकूड़ी में स्थित है (और हमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप देवणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, जे० गम० आर० II, तूतूकूड़ी (डाकु० सं० 1429/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वै बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाद वै बास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहें था, स्थिराने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यातः:—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वक्ती अर्थ हांगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूमि और घर, 47 एच, नन्दगोपालपुरम, वार्ड मं० 1, ज्ञाक 37, तूतूकूड़ी।

ओ० आनन्दराम
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेन-१, मद्रास

तारीख: 14-2-1979

मोहर:

प्रख्यात आई० एन० एस०—

1. श्री ए० एम० राम अरुणाचलम द्रुस्ट और दोनों
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

2. सूका कम्पनी (अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 फरवरी, 1979

निदेश सं० 5/जुलाई/78—यतः, मुझे, औरो आननदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 42 है, तथा जो कृष्णरायर तेप्पकूलम स्ट्रीट, मदुरै में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II 9 मद्रास (डाकु० सं० 2841/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां सुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित अन्तरकों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और धर, सं० 42, कृष्णरायर तेप्पकूलम स्ट्रीट, मदुरै में।

ओ० आननदराम
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 22-2-1979
मोहर:

प्रख्य पाई० दी० एन० एस०

1. श्री ए० सीतारामन चेट्टीयार (अन्तरक)

आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प(1) के अधीन सूचना

2. श्री के० मोहन चट्टीयार (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1979

निदेश सं० 6/जुलाई/78—यस: मुझे, ओ० अनन्दराम आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० 344 है, जो मीन्ट स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० श्रो० II, मद्रास नार्थ (डाकु० सं० 2843/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्राह्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिना आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उत्त: यथा, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण में, भी, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति तों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्म्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और धर 344, मीन्ट स्ट्रीट, मद्रास में।

ओ० अनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता-16

तारीख : 24-2-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर ग्राम्यका० (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1979

निदेश सं० 7/जुलाई, 1978—यतः, मुझे, ओ० आनन्द-
राम

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), १ धारा
269-ख के अधीन सथान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 344 है, जो मीन्ट स्ट्रीट, मद्रास-1
में स्थित है (और इसमें उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० ओ०
II, मद्रास नार्थ (डाकु० सं० 2844/78) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 22-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कृपित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
प्रनुसारण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की
उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री ए० मनोहरन (अन्तरक)

2. श्री एम० श्रीनिवासन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर, 344, मीन्ट स्ट्रीट, मद्रास-1 में।

ओ० आनन्दराम
मध्यम प्राधिकारी
महायकर शायकर ग्राम्यका० (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 24-2-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंटी एन०एस०—

1. श्री ए० प्रभाकरन (अन्तरक)

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायांलय, महायकर प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1979

निदेश सं० 8/जुलाई, 1978—यतः, मुझे, ओ० आनन्द-राम,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 344 है, तथा जो मीन्ट स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण स्वयं से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायांलय, एस० आर० ओ० II, मद्रास नार्थ

(डाकु० सं० 2845/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रनाली में हुई किसा प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षित के दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या कि उसका चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रत्येक उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसार में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्पणतः।—

2. श्री एम० रमेश कुमार (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रत्यक्षित के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रत्यक्षित के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त रूप से कथित नहीं किया गया है:—

इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर, 344, मीन्ट स्ट्रीट, मद्रास-1 में।

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
महायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 24-2-1979

मोहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1979

निवेद सं० 44/जुलाई/78—यतः, मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० काफी एस्टेट है, तथा जो पहापड़ी गांव, एटकाड नालुक में स्थित है और (इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० ओ० एटकाड (डाकू० सं० 124/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम और अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः श्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) प्रधीन निम्नलिखित अवित्तियों, प्रर्थतः:—

1. श्री ई० एम० कूद्रतुला (अन्तरक)

2. श्री एस० एन० सुलभनीय चेहीयार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि (एकीकलनरत 4 काफी एस्टेट), पहापड़ी गांव एटकाड नालुक में।

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 24-2-1979

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के प्रधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजनन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 फरवरी 1979

निदेश सं० 52/जुलाई, 1978—यत, मुझे, ओ० आनन्द-
राम,प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (त्रिपे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन संशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 67 ए है, जो टूटेपूरम स्ट्रीट सं० 3,
टूटीकोरीन में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय,
जे० एस० आर० I, टूटीकोरीन (डाकु० सं० 780/78
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के प्रधीन तारीख जुलाई 1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पश्चह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कहिया नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से उई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक क
दायित्व में कमी करने या उससे तचने में मुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

6-26GI/79

1 श्री एस० अमरनाथ (अन्तरक)

2 श्रीमती ए० जगजीरी अम्माल (अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्ता सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में नोई भी प्राप्ते—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधीरी के पास
लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उग अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और घर 67 टूटेपूरम स्ट्रीट सं० 3 टूटीकोरीन
में।ओ० आनन्दराम
मध्यम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजनन रेज-1, मद्रास

तारीख: 26-2-79

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1979

निदेश सं० 4821/78-79—यत. मुझे, ओ० आनन्द-
राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उन्नित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी स० फिश मार्किट में है जो कोयम्बतूर में
स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जै० सी०
आर० I कोयम्बतूर डाक० सं० 1953/78 में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
जुलाई 1978

को वार्किंग रामनि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि इष्टायूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदर्शन
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निषिद्ध में
शास्त्रिक रूप में किया नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुब्रतक्षमी (अन्तरक)

2. श्री रमेशदर्शन गौर सेकर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एप्पोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर, फिश मार्किट, कोयम्बतूर में।

ओ० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 5-3-1979

मोहर:

प्रश्नप आई० टी० एन० एस०————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1979

निर्देश सं० 4811/78-79—यस: मुझे, ओ० आनन्द-राम,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सदाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 28/261 बी० दिवान बहादुर रोड़ है जो एम० पुरम कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जै० स० र० III कोयम्बतूर (डाक सं० 1914/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल विशित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय को बाबा उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्ट म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तरित :—

1. श्री पी० मोसस (अन्तरक)

2. श्री बी० एन० दामोदरन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पर्वता विभाग के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्रामेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भा अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित गें किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के व्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस व्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर 28/261 डी दिवान बहादुर रोड़ र० स० पुरम कोयम्बतूर में।

ओ० आनन्दराम
मक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेज-II, मद्रास

तारीख: 1-3-1979

मोहर:

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1979

निदेश सं० 4816/78-79—यतः, मुझे, आ० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 32/16, सामा एंयर (नया) गली है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ए० जे० स० आर, कोयम्बतूर डाक० सं० 2038 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए प्रनतिरित की गई है और मुझे यद्य प्रिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और मन्त्रक (मन्त्ररक्षक) और प्रनतिरित (प्रनतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के मन्त्रक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1) अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात्:—

1. श्री स० वी० सुब्रह्मण्यम (मन्त्ररक्षक)

2. श्रीमती मुख्तालक्ष्मी (मन्त्ररिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रत्येक द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर 32/10, सामा एंयर (नया) गली कोयम्बतूर।

ओ० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 1-3-1979
मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

- श्री स० वी० सुब्बरामनयम (अम्तरक)
- श्री स० कनकराज (अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1979

निदेश सं० 4814/78-79— यतः, मुझे, ओ० आनन्द-
राम

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 32/16, नामा ऐयर (नया) गली कोयम्ब-
तूर है, जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ज० स० आर० कोयम्बतूर डाक सं० 2037 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तर से उक्त प्रत्यक्षित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षित से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षित के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, यद्यपि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाः:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्यक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर 32/16, नामा ऐयर (नया) गली,
कोयम्बतूर डाक सं० 2037/78।

ओ० आनन्दराम,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 1-3-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी टी.एन.एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1979

निदेश सं. 4774/78-79—यत., मुझे ओ आनन्द-
राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं. 13/4 निरुक्तिमामी रोड एम० आर गो० है, जो आर० एम० पुरम, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा० अधिकारी के कार्यालय टी० एम० सं. 8/454 (डॉक० सं. 2257/78 में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निवित में नास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के वायितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्रीमती म० जी० दललक्ष्मी (अन्तरक)

2. श्री डॉ. भगवानदास और आदि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाचिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर 1314 ह० स० पूरम, पश्चिम निरुक्तिमामी रोड, कोयम्बतूर।

आ० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 1-3-1979

मोहर:

प्रृष्ठ पाईड़ ८० टी० एस० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1979

निकेश सं० 4815/78-79—प्रतः, सुन्ने, ओ० आनन्द-
राम,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो टी० एस० सं० (नया) कलिनगरायन कोयिल गली कोयम्बतूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय एम० आर० ओ० कोयम्बतूर डाकु० सं० 1852/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से ही किसी भाव की बाधत उक्त प्रतिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रतिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, यह उक्त प्रतिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, जे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिखित अविक्षियों, अर्थात्:—

1 श्रीमती इन्द्रावार्ड (प्रत्यक्ष)

2 ओ० राधा (ग्रन्तिर्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्षियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की प्रवधि जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोदृस्ताभारी के पास निविन में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रतिनियम के प्रध्याय 20-क में पारम्परित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान कलिनगरायान कोयल गली राम नगर,
कोयम्बतूर (नया) टी० एस० सं० 9/570, 571/1 (डाकु०
सं० 1852/78)।

ओ० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 1-3-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1979

निर्देश सं० 4813/78-79— यन्तः मुझे, ओ०

आनन्दराम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० 8 ए, मालवीया गली है जो राम नगर कोयम्बतूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, ज० एस० आर० III कोयम्बतूर डाकु० सं० 2021/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये ;

प्रतः इब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा, (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, असार्त :—

1 श्री के० म० मनथानागोपालन (अन्तरक)

2 श्री एन० गोमती (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षतामरो के पास लिखित म किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और घर 8 ए, मालवीया गली, रामनगर, कोयम्बतूर, डाकु सं०-2021/78 मे ।

प्रो० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 1-3-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंटी० ईन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1979

निवेश सं० 4813/78-79—यतः, मुझे, ओ० आनन्द-
राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।और जिसकी मं० 8 ए, मालवीया गली है, जो रामनगर
कोयम्बतूर में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
जं० सं० २० II कोयम्बतूर, डाक सं० 2022/78 में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह किशवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन, कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्रन या दून्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के सुविधा के लिए;अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
में अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात्:—

7-26GI/78

1. श्री जयलक्ष्मी (अन्तरक)

2. श्रीमती एन० दरमा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्याद्वियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के भवन्नम में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
मर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान 8 ए० मालवीया गली, रामनगर
कोयम्बतूर, (डाक) 2022/78।ओ० आनन्दराम,
मध्यम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 1-3-1979।

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, मद्रास आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1979

निवेश सं० 4822/78-79—यतः, मृष्टि, औ० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 13/40 (नया) टी० एन० सं० 8/354 है, जो पश्चिम पोनुरंगाम आर० स० पूरम, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, स० आर० औ० कोयम्बतूर डाकु सं० 2090/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृष्टि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकृत न रहे किया गया है:—

(क) प्रमाण में हुई किसी ग्राम का वावन वक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रमाणक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या पन्ना आमतियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्ता अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्रीमती सीता राजगोपाल राजगोपाल श्यामसुन्दर (अन्तरक)

2. डा० आर० कृष्णमूर्ति श्रीमती मुशिला कृष्णमूर्ति (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाली है करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंधन में कोई भा आक्षेत्र --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दू हिंदू किसी ग्राम व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के गास निर्वाचन में भाग जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में विभागित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और धर (नया) टी० स० सं० 8/354 (डाकु सं० 2090/78) पश्चिम पोनुरंगाम, आर० स० पूरम, कोयम्बतूर।

ओ० आनन्दराम,
मशम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 1-3-1979

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1979

निकेश मं० 4814/78-79—पत्र, मुझे, आ० आनन्दराम, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन मक्कम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए ने अधिक है।

और जिसकी सं० टी० एम० 8/383 है, जो तिल्केनकरजगि रोड, कोयम्बतूर मे० स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची मे० और पूर्ण रूप मे० वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० मा० आर० III कोयम्बतूर डाकु० स० 2136/78 मे० भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास हरने का कारण है कि यथार्थोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उपरे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे० कमी करने या उससे बचने मे० सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे० सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुमरण मे०, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपूर्व:—

1. श्री वे० जे० बामवामी (अन्तरक)

2. श्री आर० अमोदरन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के यमन्त्र में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

संज्ञोक्तरण:—इस प्रपुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर तिल्केनकरसामी रोड मा० डाकु० 2136/78।

ओ० आनन्दराम,
सक्तम प्राधिकारी,
महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 5-3-1978

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1979

निर्देश सं० 8290/78-79—यतः, मुझे, श्रो० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास बरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 38, सरम एवेन्यू गांव है तथा जो श्रोमुकरै कमयुन पानडी में स्थित है (श्रीर इससे उपानुव्र अनुपूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० श्रो० पानडी डाकू सं० : 712/78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकी) और प्रन्तरिता (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निम्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से तृइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के शावित्र में कमा करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री भूवेश्वरी और पुनिदवडही

(अन्तरक)

2. श्री पी० अप्पस्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबद्ध में काई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविदा में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के तथा परिभाषित हैं, वही यथै होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुपूची

भूमि श्रीर घर 38 सरम एवेन्यू गांव में पानडी—डाकू सं० 712/78।

श्रो० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, मद्रास।

तारीख : 5-3-1979

मोहर :

प्रूफ आई० टी० एन० एस०—

श्री एम० जयलस्थामी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

2 श्री ए० के० अरवन्नारीमाम पिल्लै और ए० पारोयमपाल
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास का लय

मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1979

निर्देश स० 4817—यत, मुझे, ओ० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अन्वान 'उन्न प्रधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-व के प्रधान मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 15,000/- इ० में अधिक है

और जिसकी स० रु० कोरस रोड है तथा जो कोयम्बत्तूर में स्थित है (और उसमें स उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० से र कोयम्बत्तूर डाक संबंध 2057/78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979 का दर्वोंत समानि के उचित बाजार भव्य से कृपा के दृश्यमान प्रतिकृति के लिए अनुरोधित नहीं गई है और मुझे यह विश्वास करना एक कारण है कि विधायक सभा का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृति में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृति का पन्द्रह प्रतिशत से पश्चिम है और अन्तरक (अन्तरको) भार अन्तरिना (अन्तरितिया)। इन एस प्रतिकृति के लिए तभी पाया गया प्रतिकृति, तिन्ननिवित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण न हुई किसी प्राय के बावजूद, उक्त प्रधिनियम के प्रधान कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविदा के सिए; और या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या प्रत्य प्राप्तियो की जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न प्रधिनियम, या बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में मुविदा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के प्रवृत्तरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त मम्पति के अर्जन के भवध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन। निरीख म 45 दिन की अवधि या तस्सब्दी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख म 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वाद में ममान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में। हत्तेव विर्य अन्य अवित द्वारा अधोहस्ताकरी के पाम निविन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-व में परिभासित हैं, ही प्रथ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर —ऐस कोरस रोड कोयम्बत्तूर डाकु : 2057/78।

ओ० आनन्दराम
सम्म प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 5-3-1979
मोहर .

प्र० ३०३६ आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1979

निर्देश स० 4850—यत., मुझे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं०

है तथा जो

संगनूर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, एस० आर० आ० कोयम्बत्तूर डाकू स० 1938/78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दृढ़ै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के असारके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अस्ति :—

1. श्री के० वी० बालसुब्रमन्यम और के० रंगनायकी (अन्तरक)

2. श्री पी० इश्वरराज, पी० युतेनिरराजू (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मब्दन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिता की पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्यी

भूमि संगनूर गांव—कोयम्बत्तूर में।

श्रो० आनन्द राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, मद्रास।

तारीख : 5-3-1979

मोहर :

प्रह्लप आर्ड० टी० एन० एस०

1. ए० अशूबनिसा

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प (1) के अधीन सूचना

2. श्री डी० जी० शाह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनांक 5 मार्च 1979

निर्देश सं० 4885/78-79—यतः, मुझे, श्रो० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाइकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो लोकमानयर गली आर० एम० पुरम, कोयम्बत्तूर में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-III कोयम्बत्तूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्षोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह ग्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मे उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित अविस्तयों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविस्तयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविस्तयों में मे किसी अविक्षण द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविस्त द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रतीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर लोकमानयर गली कोयम्बत्तूर में।

श्रो० आनन्दराम,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख 5-3-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

1. श्री एस० के० कृष्ण गौड़र

(अन्तरक)

2. श्री मवरी फोद्री

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास दिनांक 5 मार्च 1979

निर्देश सं० 4780—यतः, मुझे, श्रो० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिम्मकी सं० है तथा जो मनगन्तूर गांव, कोयम्बत्तूर में स्थित, है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० श्रो० कोयम्बत्तूर डाकू मं० 1703/78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अनुसरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि और घर संग्रह गांव में कोयम्बत्तूर ।

श्रो० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 5-3-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 5 मार्च 1979

निर्देश सं० 8344/78-79—यतः, मुझे, श्रो० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 498, पेरियकड़े गली है तथा जो तिरुचि में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण स्वप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० मिस्चि—डाक० 1691/78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जूलाई 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अनुद्व प्रतिगत से अधिक है और प्रतरक (प्रतरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश में उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक रूप में निर्धारित होने किया गया है:—

(क) प्रतरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या भ्रम आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269प की उपधारा के अधीन निम्नलिखित अवक्षितियों, अर्थात्—

1. श्री वी० आर० के० आर० एल० लक्ष्मणन

(अन्तरक)

2. श्री एल० कान्ताल

(अन्तरिती)

की यह सूचना आरो हरके पूर्वोक्त प्रधान के प्रजन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धार्केप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्व किसी अन्य अवक्ति द्वारा, भ्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर—498, पेरियकड़े गली तिरुचि डाक—1391/78।

श्रो० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 5-3-1979

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

1. श्री वी० आर० केनेन्द्रमण

(अन्तर्गत)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

2. श्री टी० जयम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1979

निर्देश स० 8381—यन, मुझे ओ० आनन्द राम, आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसमा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी न० 498, परियकड़े, गली है तथा जो तिर्हुचि में स्थित है (ग्रांग घमने उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्वप्न में वर्णित है) रजिस्ट्रीशन अधिकारी के कार्यालय, न० ०० आर० ओ० निर्हुचि (दाक स० 2928/78) में रजिस्ट्रीशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अक्टूबर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपर दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिगत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के गायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि और घर—498, परियकड़े गली तिर्हुचि में।

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
महायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिर्धारित अधिकारों, प्रगति:—

तारीख : 5-3-1979

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायता आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1979

निर्देश सं० 8381—यतः, मुझे, ओ० आनन्द राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन वक्तव्य प्राप्तिकारी आयुक्त विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका दरिता दरायार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 498, पेटिकड़ी गली है, तथा जो तिहाचि में में स्थित है (आर इन्से उपायवर अनुसूनी में और पूर्ण स्व संबंधित है), जिस्टीली नाधिकारी के कार्यालय, सं० २० ओ० तिहाचि डाक- २०२०/७४ ने उद्दिष्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 11) के नीति, लारीब अक्तूबर 1978 पूर्णकृत सम्पत्ति १३.८८ राखार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्नित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐप दृश्य गान प्रानेवत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) भार अन्तरिती (पन्नरितियों) के द्वारा ऐसे अन्तरण के दिए तथा दाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियुक्ति में कास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण ने हूँ किमो प्राप्त की वाबत, उक्त अधिनियम के विवान करने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कर्मा दरने या उससे वाने में सुविधा के लिए; और/वा

अनुसूची

(ब) ऐमी एनी प्राप्त न किमो या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें नारायण प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ब्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिक्त भारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रभुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, विम्नलिखित अधिकारी अधीन:—

1. श्री विं दें के० र० ल० लक्ष्मन

(अन्तरक)

2. श्री टी० लक्ष्मन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के ग्रान्ति के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रान्ति के मध्यम में कोई भी प्राप्तेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से दिए व्यक्ति होता है।

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणाकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—— नये प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर—498, पेटिकड़ी गली, सिरचि में।

ओ० आनन्दराम
मध्यम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 5-3-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1 श्री विं र० क० टे ल० लक्ष्मणन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, विनाक 5 मार्च 1979

तिथेंग स० 8381/78-79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विधास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० 498, पेटियकटे गली, है तथा जो निम्नि में स्थित है (और इसमें उपर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओ० र० आ० तिथि, उकू०-2930/78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख भवनबर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विधास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रष्ठीन कर देने के अन्तरक के वायितव में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए आय/या

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त समिति के अर्जन के सबूत में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्याप्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि वाल में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्याप्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर समिति में हितबद्ध विर्मा अन्य व्यक्ति द्वारा अध्योदस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और घर—198 पेरियकटे, गली, निम्नि में।

ग्रा० आनन्दराम

मकान प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 5-3-1979
मोहर .

अतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णता:—

प्रध्यप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री पी० म० बेकट गमन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-घ (1) के अधीन सूचना

2. कुमवंगांग मिटी यूनियन बैक

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

निर्देश सं० 6151/78-79—यतः, मूँझे, ओ० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 19, महालक्ष्मी गंगी है, तथा जो टी० नगर मद्रास, 17 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सं० २० ओ० टी० नगर डाक सं० 742/78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रत्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन पा धन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजनीत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षताकारी के पास निवित में किए जा सकेंगे

संपल्लीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि और घर—19 महालक्ष्मी गली नं० —डाक 742/78।

ओ० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 5-3-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०---

1. ग्रामीण अमैनी, है कोटि, मद्रास

(अन्तरक)

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफीअहमद किल्वर्ह रोड़,

अर्जन रेज, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश स०—यत्, मुझे, और आनन्द राम, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानवास सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी म० 3ए है, तथा जो प्रमाद रोड, नरीमेडू 9 मदूरै-2 में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निक्सेलवेली (डाकू० स० 2963/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त स्वत्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1), के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

2. नेवे फैलान्स पी० लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंत्रालय में कोई भी प्राप्ते :—

(क) इस सूचना के राज्यवाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज्यवाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानवास सम्पत्ति में हिन्दूद्वारा किसी अन्य अवधि द्वारा, परोक्षाधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमैनी

भूमि और घर, म० 3ए, प्रमाद रोड, नरीमेडू, मदूरै-2 में।

ओ० आनन्द राम
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 15-3-1979

मोहर :

प्ररूप लाई० टी० एन० एस०—
पायकर भाईनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश स० 23/जुलाई/78—यत्, मुझे, ओ० आनन्द राम, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकरण को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उन्नीं बाजार मूल्य 25,000/- इपये में प्रधिक है और जिसकी सं० पुराना सं० 204/205, नया सं० 96 है, तथा जो गोविदपा नायक स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में ग्राहूर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० ओ० मद्रास डाक० सं० 323/788 में रजिस्ट्री-वारण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-7-1978 को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए ग्राहूर पूर्ण रूप से वर्णित है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की वादन, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्ञात: सल. उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन, में, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती वी० चन्द्रमा

(अन्तर्गत)

2 (1) के० वी० जेयीन द्रुष्ट,

(2) दन्ताज जूगराज वेरमाचा चारीटी द्रुष्ट

(अन्तरिक्षी)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्रैन के संबंध में कोई भी पांचें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरद्वारा व्यक्तियों द्वारा सूचना की जानीन से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भोगर पूर्णका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किये गये व्यक्तित द्वारा मात्रांतरी 4 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और धर, पुराना सं० 204/205, और नया सं० 96 गोविदपा नायकन स्ट्रीट, मद्रास-1 में।

ओ० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 5-3-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० ए० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश सं० 24/जुलाई/78—यत्, मूल्य, ओ० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सम्प्रभु प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० पुराना सं० 53, नया सं० 24 है, तथा जो बन्दर स्ट्रीट, मद्रास 1 में स्थित है (यीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ए० ए० आर० ओ०, मद्रास (डाक सं० 310/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-7-1978

को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिनिधि से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्थिति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तुक के वायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रासितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती जैदूबीजो अबूबकर

(अन्तरक)

2. श्रीमती शाल्ती बायी और अदरस

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करने पूर्वोक्त मम्पति के अन्तर्गत के लिये कार्यवाहियां करता है।

उक्त हम्पति के अन्तर्गत के मम्पन्ध में कोई भी मालेपः—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वर्णोक्तणः—इसमें प्रथम शब्दा और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में पाया परिभाषित है, वही अर्थ हांगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर, पुराना सं० 53; नया सं० 24 बन्दर स्ट्रीट, जीयाज टबून, मद्रास-1 में।

ओ० आनन्द राम
सद्गम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख 15-3-1979

मोहर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपलब्ध (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात्:—

9-26GI/79

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश सं० 31/जुलाई/78—यत्, मैसे, ओ० आनन्द राम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० 14 (पुराना मं० 44) है, तथा जो बैंकट मेस्ट्री स्ट्रीट, मध्य भौंडी, मद्रास-1 में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० ओ० मौकारेट, मद्रास (डाक मं० 2501/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षीयों) के बीच ऐसे असरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, तथा अधिनियम की धारा 269-ए (1) की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों अर्द्धत :—

1. श्री के० ए० सूलैमान

(अन्तरक)

2. श्री एम०, ए० एम० अमदुल रसीद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अविक्षय द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर, सं० 14 (पुराना सं० 44), बैंकट मेस्ट्री स्ट्रीट, मद्रास-1 में।

ओ० आनन्द राम
मकान प्राधिकारी
मद्रास प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख 15-3-1979
मोहर

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०-----

1. मदूरा कोटम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री एम० कालबरट और कम्पनी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश मं० 55/जुनाई/78—यतः, मुझे, श्री० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० 204 है, तथा जो जीर्णजि रोड, तृतकूड़ी में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 2 तृतकूड़ी (जाक मं० 1427/78) में रजिस्ट्रीरकरण अधिनियम, 1908. (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुनाई 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य धारियों को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और धर, 204, जीर्णजि रोड, तृतकूड़ी में :

श्री० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख 15-3-1979

मोहर

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1979

निदेश सं 60/जुलाई/78—यतः, मुझे, ओ० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम-प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं 24B कीली बिल्डिंग है, तथा जो नेल्लैग्राम्यर है रोड, टीर्नेलवेली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एम० आर० II, टीर्नेलवेली (डाक सं 1531/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कष्टित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वाचिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्युपि, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अप्रियता, अर्यातः:—

1. श्री टी० पी० सोम्पलाल सं राम सेट

(अन्तरक)

2. श्री टी० पी० सोम्पलाल सं राम सेट फैक्टरी (पी०) लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अप्रियताओं पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अप्रियताओं में से किसी अप्रियता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अप्रियता द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और बर, सं 248, नेल्लैग्राम्यर है रोड, टीर्नेलवेली ज़क़ारन में।

ओ० आनन्दराम
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख 15-3-1979

राहग

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस० —

1. श्रीमती कूटी अम्माल और चार

(अन्तरक)

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री जी० मनोहरन

(अन्तरिती)

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, क्रिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश सं० 16/जुनाई/78—यतः, मुझे, ग्रो० आनन्दराम, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवान् 'उन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रधिक है

और जिसकी सं० 3 है, तथा जो इन्कान्ट्री रोड, बेल्लर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 1, बेल्लर (डा० सं० 2437/78) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1978 को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे प्रन्तरण करना न पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किमी दूरी की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्षतः :—

उक्त मम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वज्री अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मूलि श्रीर चर, सं० 3, इन्कान्ट्री रोड, बेल्लर टबून ।

ग्रो० आनन्दराम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, मद्रास

तारीख : 15-3-1979

मोहर :

प्रलेप प्राई ० टी० एन० एस० —

1 श्रीमती पारथी पद्मनाभन

(ग्रन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन मूल्य

2 श्रीमती माधवी कुट्टी

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

को यह मूल्य जारी करके एवं उसमें सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना है।

सर्वोन्नत, महापकर आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1979

उक्त पदाने के अर्जन के सम्बन्ध में कोई विवाद नहीं

निर्देश सं 6466—यतः मुझे, श्रोतृ आनन्दराम, प्रापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में प्रष्ठिक है,

और जिसकी सं 42, साट्रलाला गली है तथा जो मद्रास-17 में स्थित है (और इसमें उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संबंधित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मं २० श्रोतृ मद्रास दक्षिण डाक 100 मेरे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1978 को पूर्वोक्त सम्बन्धि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के निए प्रत्यक्षित की गई है और मूल्य यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एवं इसमें दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित जिस्ति में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षित सम्बद्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नरसंबंधी अवक्षितियों पर मूल्य की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाल होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षितियों में से किमी अवक्षित द्वारा;

(ब) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी प्रम्य अवक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उम प्रधाय में दिया गया है।

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रभ्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि और धर 42, सदुल्ला गली में।

श्रोतृ आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी,
महापकर आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- I, मद्रास

यतः ग्रन्त उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुत्तर में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपलाला (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

तारीख 15-3-79

मोहर :

प्रकृप प्राइंटी•एन•एस•—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संचायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश सं० 8286—यत, मुझे, ओ० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मर्वे सं० 265/8, है तथा जो कीलकटले गांव सैदापेट मेरियत है (ओर इसमे उपावद्ध अनुसूची मेरी पूर्ण रूप मेरियत है), रजिस्ट्रीर्ना अधिकारी के कार्यालय और जै० म० र० मद्रास डाक सं० 1011/78 मेरियत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तररकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिल और वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।

(क) निरग मेरुई फिसी आय ने बाबन, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व मेरी करने या उसमे बचने मेरी सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों का जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिसी जाता चाहिए था, छिपान मेरी सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण मेरी, मेरी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रधानः—

1. श्री दीन धायक डालमियां

(अन्तरक)

2. दि मदरन काढुन वेनडिंग इन्डस्ट्रीज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध मेरी कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र मेरी प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अधिकारी पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मेरी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी मेरी से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मेरी प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मेरी हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित मेरी किये जा सकें।

इष्टोकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क मेरी परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय मेरी दिया गया है।

अनुसूची

भूमि कालकट्टनी सैदापेट गाव मेरी डाक सं० 1011/78।

ओ० आनन्दराम

सक्षम अधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 15-3-1979

मोहर

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

1. श्री र० गमनी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

2. श्री टी० सरीनि वासाधारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, विनांक 15 मार्च 1979

निर्देश मं० 8294—यतः मुझे, श्रो० आनन्दराम, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० प्रति किलो है

और जिसकी मं० 4, हस्तिनापुरम गांव है तथा जो मद्रास-44 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जे० स० २० मद्रास डाक मं० 1335/78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ग्रन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः आप, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपचारा (1) के पश्चात निम्नलिखित अस्तियों पर्याप्त:—

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों ने सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अधीक्षकारी के पास निश्चित में शिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और धर, हस्तिनापुरम मेन रोड में।

श्रो० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 15-3-1979

मोहर :

प्रह्लप घाई० टी० एन० एस०—

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश सं० 8329—यतः मुझे, श्रो० आनन्दराम, ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 वाँ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० २० म० सं० १५९/४, है तथा जो मुतनियालपेट पान्डी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जाई म० २० पान्डी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1978 को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मूसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

1. श्री पी० पान्डुरंगम

(अन्तरक)

2. डा० तिम्नाकम्पम्सु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरमंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोद्वस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वदृष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्राप्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मूलसूची

भूमि और घर—मुतनियालपेट पान्डी में।

श्रो० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 वाँ के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 269 वाँ की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधार्ति।—
10—26GI/79

तारीख : 15-3-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एम० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ (1) के प्रधोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश सं० 8341—यत, मुझे, श्रो० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2, इगली है तथा जो पान्डी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० सं० २० पान्डी डाकु सं० 1207/78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एकदृश्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य को बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपकारा (1) अधीन निम्ननिम्नित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैडम अन्ने मेरि जासपैन मेंगटे

(अन्तरक)

2. श्रीमती वसन्त प्रकदास शा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अवैतन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ण होंगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और धर—इ० सैनट गिलस पान्डी में डाक सं० 1270/
78 ।

श्रो० आनन्दराम
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 15-3-1979

मोहर :

प्रश्नप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश सं० 4770—यतः मुझे, श्रो० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रधीन संकेत प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, त्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11, शेरमियन गली है तथा जो तिल्हपुर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के कार्यालय, जै० सं० २० तिल्हपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जुलाई 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी जिसी भाय गा किमी धन या अन्य ग्राहितियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम, की धारा 69व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बिं० स० एन० म० मिदम्बरम और रामलिंगम (अन्तरक)
2. श्री के० म० मुत्तुसामि गौड़र और श्रादि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अजंत के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अजंत के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वज्ञानी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, शब्दोह्सङ्करी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि और घर—11, शेरमियन माहेब गली—तिल्हपुर में। डाक सं० 1020/78।

श्रो० आनन्दराम
नक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख : 15-3-1979
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री उमरकला साहेब

(अन्तरक)

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्री बाबा साहेब मरंकायर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यदृ सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन्त रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश सं० 8324—यतः, मुझे, श्रो० आनन्दराम, आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो विलगैमान कोइला गली में सिद्धारम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जै० स० र०-II सिद्धारम में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के सम्बन्ध में कोई भी धारेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वयी अवित्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के प्रथ्याय 20-व में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त ग्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और घर—विलगैमान कोइला गली में सिद्धारम।

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य घासितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त ग्रधिनियम, या अन्तरक ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रो० आनन्दराम,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रजन्त रेंज-1, मद्रास।

प्रतः प्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसार में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, वर्णात्।—

तारीख : 15-3-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को वारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1970

निर्देश सं० 8262—यतः मुझे, ओ० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 33 लालकन गली है तथा जो सिद्धम्वरम में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० सं० २० सिद्धम्वरम डाक सं० 1544/78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित विश्वास प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक भी अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कर्मा करने या उनसे बचने में मुविद्धा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय सहायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती होय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सी० कुनजिदवादम और कारतिकेयन
(अन्तरक)2. श्री टी० के० राजगोपालन
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में नोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्दी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में यापात नोती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर—33, लालकण गली में।

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 15-3-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टो० एन० एस०-----
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास
मद्रास, दिनांक 15 मार्च, 1979

निवेश सं० 8325—यतः मुझे, श्रो० आनन्दराम,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मेल वीटी
सिद्धमबरम टि० सं० मं० 7158716 में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जे० सं० र० II में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1978 को
पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्भह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तविक
रूप से कर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अन्तरित
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कर्ती
करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः धर्म, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपक्रमण (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यादतः:—

(1) श्री वी० स० अनन्दराम और जयम
(अन्तरक)

(2) श्री राधाकृष्ण रौर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आदेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पाय निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रपुत्र शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और घर—मेल वीटी, सिद्धमबरम में 1।

श्रो० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 15-3-1979

मोहर:

प्रकृष्ट घाई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सरीणिवास रेडियार

(अन्तरिक्ष)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(2) श्री परममिशन

(अन्तरिक्ष)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1979

निदेश सं० 8276— यतः मुझे, श्रो० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है नथा जो निम्ननिक्षक पालयन अरियांकूप्तम् कमयून पान्डी में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण स्वप्न से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आद० से० २० श्रो० पान्डी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्ष) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्तेश से उक्त प्रत्यक्ष लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्ष से ही किसी धारा की बाबत 'उक्त अधिनियम' के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि आरीयांकूप्तम् कमयून में।

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रो० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, मद्रास ।

धरा० अनुसरण में, मे० उक्त अधिनियम की आरा 269-घ की उप-धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकृत्यों, अर्थात् ।—

तारीख : 15-3-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास
मद्रास, दिनांक 16 मार्च 1979

निदेश सं० 4853—यतः मुझे, श्रो० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो जो सलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सं० र० श्रो० डाकू सं० 555/78 मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने म सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मालनि पान्दूरग (अन्तरक)

(2) श्री र० मिश्रकुमार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अंजन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पति के अंजन के पंचांग में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस गृहना के राजग्रन्थ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तन्त्रबंधी व्यक्तियों पर सूचना जी तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में अपार्प होनी जी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी नव्य व्यक्ति द्वारा, शोहरनाक्षरी के पास लिखित मे लिए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रधान शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—सलूर में
डाकू सं० 555/78।

श्रो० आनन्दराम,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, मद्रास।

तारीख: 16-3-1979
मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री म० र० रामकृष्णन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री र० सिवकुमार

(अन्तरिती)

269 ध (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 मार्च, 1979

निर्देश सं० 4853—यतः मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो सूलूर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, स० र० ओ० डॉक० मं० 554/78 एण्ड 555/78 में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या प्रथ्य प्राप्तियों को जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त प्रतिशत 5 पर्याप्ति के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक—'

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी प्रथ्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रेशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रहणाय 20-क में परिभाषित है, वही अव होगा, जो उस ग्रहणाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सूलूर में।

ओ० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, मद्रास।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, प्रयत्:—

11-26GI/79

तारीख : 16-3-1979

मोहर :

प्रकाश प्राइंटी ट्री. एन. एस.—

(1) श्री रुक्मनी श्रममाल

रसनिनममाल

(अन्तरिक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वां (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री टी. म० समबंदम

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज मद्रास
मद्रास, दिनांक 16 मार्च, 1979

निर्देश सं० 6417—यतः मुझे, ओ० श्रानन्दराम,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से
अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 6, कमदपपा
मुदली गली, मद्रास-5 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
के कार्यालय, म० २० ओ० मद्रास डाकू० सं० ५६०/७८ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
तारीख जूलाई, 1978

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वयस्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

प्रमुख

भूमि और घर 6, कमदपपा मुदली गली में।

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ओ० श्रानन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269वां की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अवितयों, अर्थात् :—

तारीख : 16-3-1979

मोहर :

प्रस्तुप भाई० टी० एम० ए०

(1) श्री पी० अमिरदम और स० सुसिला

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री पी० भ० रामसामी

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, माद्रास

मद्रास, दिनांक 16 मार्च, 1979

निवेद सं० 4841,—यतः मुझे, ओ० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० है तथा जो पललडम डाक सं० 1180/78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सं० २० ओ० पललडम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति है उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निष्क्रिय में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है—

(क) पर्याप्त से ही हिसो पाय को बाबा उक्त अधिनियम के घटीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या अन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमी पललडम में डाक सं० 1180।

ओ० आनन्दराम,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास,

अतः परब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निवन्निषित अविकर्तव्य, अर्थात् ।—

तारीख : 16-3-1979

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

(1) श्री स० शानमुगनायम घ को० (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री र० सामसुनदरम

(अन्तरिती)

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 मार्च, 1978

निर्देश सं० 4825—यतः मुझे, श्रो० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो टी० म० सं० राजा मिल रोड, पोललाची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, स० र० श्रो० डाकू सं० 1474/78 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच इसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपस्थारा (1) अधीन निम्नलिखित अवित्यों अधीत:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई शी ग्राहकः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर—टी० स० सं० 239।
राजा मिल रोड, पोललाची में।

श्रो० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख: 16-3-1979
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०----

(1) श्री स० शनमुगनाथन एण्ड को० (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

(2) श्री र० कोलतनदैसामी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 मार्च, 1979

निर्देश मं० 4825—यतः मुझे, ओ० आनन्दराम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

तथा जिसकी टी० स० म० 239, (ओर इसमें उपावद्ध अनुसूची में
ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
म० र० ओ० पोललाची डाक मं० 1473/78 में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
जुलाई, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत अन्तरक
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वाहतुकि रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने वे सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने वे सुविधा
के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी के अधीन :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंते के
लिए कार्यवाहिणी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजंते के मानवन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजवाच में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजवाच में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और वर टी० स० म० 239

ओ० आनन्दराम
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 16-3-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री मारपव गौनडर (अन्तरक)
(2) डि० कोपमवतूर डैयोसी सोसैटी (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 मार्च, 1979

निर्देश मं० 4342—यतः मुझे, श्री० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है तथा जो पेरियनायकन पालयम कोपमवतूर में स्थित है (श्री० इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, म० २० ओ० डॉक म० 541/78 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जूलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्री० अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क प परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी पेरियनायकनपालयम में।

श्री० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 16-3-1979

मोहर :

प्रस्तुप ग्राई० टी० ५८० एम०—————

(1) श्री अनन्दाकारी और आदि (अन्तरक)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री वेनकटाचारी (अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 मार्च 1979

निवेश मं० 8243—यत् मुझे, श्रो० आननदराम,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पात्रात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं० है तथा जो मानिलाल गली तिक्कलतूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मं० र० श्रो० तिक्कलतूर में, रजिस्ट्रीकर्ण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रम्तरक (प्रम्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित तदैश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्त प्राप्तियों से, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अवर्तत:—

को यह सूचना जारी करके तूर्तीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर तिक्कलतूर में।
डोक नं० 1700/78।

श्रो० आननदराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 16-3-1979

मोहर:

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा
26०-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 16 मार्च 1979

निर्देश सं० 8243—यत् मुझे, श्रो० आननदराम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26०-स्व
के अधीन सकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपरु से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 16 मोनिलाल गली
तिलोवललूर में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सं० २० श्रो० तिलोवललूर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यहांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से अचित नहीं किया गया है।—

(1) श्री गोपालसामी और साही (अन्तरक)

अनन्तचारी और श्रीदी

(2) श्री वेनकटाचारी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से ही किसी भाय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के सिए; और/या

अनुसूची

भूमि और घर 16 मोनिलाल गली
तिलोवललूर गली में।
(डाक नं० 1701/78)।

(ख) ऐसो किमी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की द्वारा 26०-स्व के अनुसरण
में, ऐसे उक्त प्रधिनियम की धारा 26०-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 163-1979

मोहर :

श्रो० आननदराम
सकान प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

प्रकाश पाई-टी-एम-एस-

(1) पत्तीमा जाकारा बीबी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री हमीद फातिमा नाचियार

(अन्तरिती)

269 व (1) के प्रधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के लिए कार्यवाहियां करता है।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप—

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्ति रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 मार्च 1979

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं 8273—यतः मुझे, ओ० आननदराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सम्बन्धी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इवए से अधिक है

श्री रजिमकी म० अनुमूल्ची के अनुसार है तथा जो 19. पूर्णमार्ज गली नागूर में स्थित है (श्रीर इमसे उपावद्व अनुमूल्ची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिम्मीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एम० आर० ओ० नागर में, रजिम्मीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रत्यरकों) और प्रत्यरिती (प्रत्यरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रबन्धण लिखित में बास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तारक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुमूल्ची

भूमि श्रीर घर 19, हूमनार्ज गली, कासपा, नागूर में।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ओ० आननदराम
सम्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्ति रेज-II, मद्रास

मता ग्रन्ति, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के बद्दलरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रष्टाकारी :—

12—26GI/79

तारीख 17-3-1979

मोहर;

प्राप्ति आई० दी० एन० एस०—

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

माद्रास, दिनांक 21 मार्च 1979

निर्देश मं० 37/जूसै/78—यत्, मुझे ओ० आनन्दगम प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है

और जिसकी मं० मध्ये मं० 42/1 है, जो सेवलपटी रामनान जीला मे स्थित है (और इसमें उपावद्ध मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, वील्डनगर (डाक मं० 709/78) मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-7-1978

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिस्हे भारतीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मम्पत कुमार और अनदर (अन्तरक)

(2) श्री पी० कल्पनामी नाडार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हू०।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नसंबधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे भमात्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्तानी के पास लिखित मे लिए जा सकेंगे।

ल्पण्डीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

मृमि और घर (सीनीमा नीयेटर) सेवलपट्टी, अरुण्डू-कोई, रामनादपूरम जीला मे।

ओ० आनन्दगम
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, मद्रास

नारीय: 21-3-1979

मोहर :

प्रत्येक आई० टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राधुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज, एरणाकुलम कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 5 फरवरी 1979

निरेंग भ० एल० वी० 288/78-79—यत. मुझे, के० नारायण मेनोन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० अनुमति के अनुमति है, जो कलिकट में स्थित है (और इसमें उपावस्था अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोपिं-कोड मे० रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर विश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम य धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रवर्ति:—

(1) के० बी० जी० गवृ एस्टेट (अन्तरक)

(2) श्री के० मूमा हाजी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसन्धान

4th floor over 1st and 2nd floor of the building as per the schedule attached to document No. 641/78.

के० नारायण मेनोन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्राधुक्त (निरीक्षण
ग्रजन रेज, एरणाकुलमतारीख: 5-2-1979
मोहर:

प्रकृष्ट प्राइ. टी. एम. एस. ००—

(1) श्रीमती रमणी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुबैदा बीबी अलियास सुबैदा मीराज
(अन्तरिती)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, एरणाकुलम कोडिचन-16

कोडिचन-16, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० एल० सी० 289/78-79—यतः मुझे, के० नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वायत्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कडकमपल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुवनन्तपुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की जाई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यद्यपि प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्ष) और प्रत्यक्षित- (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को जिन्दे, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम प्रतिरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

यतः प्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुवरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, प्रवर्त्यः—

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिगत में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वायत्र सम्पत्ति में हितबहु किसी अन्य अवित्य द्वारा, प्रधोहताकरी के पास लिखित में हिंग जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

15 cents of land with building bearing No. K.P. 1X/309, of Kadakampally village, Trivandrum District—vide schedule to document No. 2613/78.

के० नारायण मेनोन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख : 28-2-1979

मोहर :

प्रकाश प्राई० टी० एन० एस० -----

(1) डा० इफायिन अम्बूकन (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० के० पी० अम्बूल रमाक हाजी और

अन्य (अन्तर्भूती)

(3) श्री के० टी० हमसा (वह व्यक्ति, जिसके अधियोग
में संपत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 3 मार्च 1979

निर्देश स० एन० सी० 292/7879—यतं मुझे, के०
नारायण मेनोनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैश्रीर जिसकी प० अनुसूची के अनुसार है, जो कालिकट में
स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप जै
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोषिकोड
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 14-7-1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पहले प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में नास्तिक रूप से कर्त्ता
नहीं किया गया है:—(का) अन्तरण से हुई किसी प्राप्य की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्ता करने पा उसमें बचन में सुविधा
के लिए; और/या(घ) ऐसी किसी प्राप्य या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिस्हे भारतीय प्राप्य-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ का अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् --को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या लक्ष्यन्धनी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अधिकता द्वारा अधोहस्तानी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/11/78 over 221 Cents of land with building as per
schedule to document No 626/78 of 14-7-1978 of CRO,
Kozhikode.के० नारायण मेनोन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख: 3-3-1979

मोहर:

प्रकृष्ट आई०टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 3 मार्च 1979

निर्देश सं० एन० मी० 293/78-79—यतः मुझे, के० नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्रनुसूची के अनुसार है, जो कालिकट में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोषिकोड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-7-1978

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविध में आस्तकिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उच्चारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, पर्वत :—

(1) डा० इफायिन अम्बूकन (अन्तरक)
(2) श्री एम० के० पी० ग्रब्बल रमाक हाजी और (अस्तरिती) अन्य

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अजंतन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजंतन के सबध में दोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर अविक्तियों में से किसी अविक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उप प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

1/1th right over 22½ Cents of land with building as per schedule to document No. 599/78 dated 5-7-1978 of CRO, Kozhikode.

के० नारायण मेनोन
मक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 3-3-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1979

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/560/ज्याई०-11(28)/78-79—अन्तः मुझे, अंजनी ओजा आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 23,000/- इपए से अधिक है

और जिसकी सं० ई०-452 है तथा जो ग्रेटर कैलाई-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 10-7-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यांत्रिक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन्तः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रान्तरण में ही, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के प्रधीन रिस्तलिखित वरितियों, अर्थात्:—

1. श्री मोहिन्द्र पिंड निशार, मुपुद्र श्री चानन मिह, निवासी 3219 सैक्टर 28-डी०, चण्डीगढ़, इनके अद्यार्थी श्री चानन मिह के द्वारा। (अन्तरक)

2. मै० विणाल कन्स्ट्रक्शन्स (प्रा०) लि०, ई०-18, एन० डी० एस० ई० पार्ट-11, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना नारी करने पूर्वी सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कायंवादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइक्षताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही पर्याय होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रान्तरण

एक फीहोल्ड आधा बना हुआ मकान जिसका नं० 452 तथा ब्लाक मं० 'ई' है और क्षेत्रफल 380 वर्ग गज है, निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाई-11, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: प्लाट नं० ई०-450

पश्चिम: प्लाट नं० ई०-454

उत्तर: रोड

दक्षिण: मर्विस लेन।

अंजनी ओजा
मकान प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज 1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 31-3-1979

मोहर:

मंध लोक मेवा आयोग

नोटिस

इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1979

नई विस्तीर्णी-110011 दिनांक 21 अप्रैल 1979

मं० एक० २/९/७८—प० I (ख) —भारत के राजपत्र, दिनांक 21 अप्रैल, 1979 में रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे दीर्घ 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों पर भर्ती के लिए मध्य लोक मेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, रुसाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, ब्रह्माश्वर, कलकत्ता, चट्टग्राम, कोर्चीन, कटक, दिल्ली, विस्पुर (गोहाटी) हैदराबाद जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पण्डी (गोदावरी), पटना, पोटिंग्यर, पिलांग, पिलामा, श्रीनगर, और त्रिवेदीम में 4 शितम्बर 1979 में एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि जाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रांतमें होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय-मास्रणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए अनुबन्ध पैरा 11)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर सेवाओं/पदों के नियन्त्रित वर्गों में भर्ती की जाएगी—

वर्ग I	—सिविल इंजीनियरी
वर्ग II	—यांत्रिक इंजीनियरी
वर्ग III	—वैद्युत इंजीनियरी
वर्ग IV	—इरीक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी

प्रत्येक वर्ग के अन्तर्गत विभिन्न सेवाओं/पदों में लगभग कितनी रिक्तियां हैं यह नीचे दर्शाया गया है—

वर्ग —सिविल इंजीनियरी

पुप 'क' की सेवाएँ/पद

(i) इंजीनियरों 28**

भारतीय रेल मेवा

(ii) भारतीय रेल भूडार सेवा @

(सिविल इंजीनियरी पद)

(iii) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा

15 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 और अ० जा० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)

5 अ० जा० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं।

(iv) मेवा इंजीनियर सेवा

25 (अ० ज के उम्मीदवारों के लिए 4 और अ० ज० जा० के उम्मीदवार के लिए 2 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

(v) केन्द्रीय जल इंजीनियरी मेवा (सिविल इंजीनियरी पद)

1 (अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित)

(vi) केन्द्रीय इंजीनियरी मेवा (मङ्क)

1 (अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित)

(vii) महायक कार्यपालक इंजीनियर

(सिविल) (शाक व तार मिश्रित 25**

इंजीनियरी स्कॉर्प)

(viii) महायक कार्यपालक इंजीनियर

(मिश्रित) सीमा मङ्क

इंजीनियरी मेवा

20**

पुप 'क' सेवाएँ/पद

(ix) महायक इंजीनियर (मिश्रित)

शाक व तार मिश्रित इंजीनियरी

स्कॉर्प

50**

(x) महायक इंजीनियर (मिश्रित)

आकाशवाणी का सिविल निर्माण

स्कॉर्प

*

वर्ग-II—यांत्रिक इंजीनियर

प्रूप 'क' की सेवाएँ/पद

(i) यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय

रेल मेवा

(ii) भारतीय रेल भूडार सेवा

(यांत्रिक इंजीनियरी पद)

5

(iii) भारतीय आपूर्ति सेवा

(यांत्रिक इंजीनियरी पद)

1 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए रिक्ति आरक्षित)

(iv) केन्द्रीय जल इंजीनियरी मेवा

(यांत्रिक इंजीनियरी पद)

5 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्ति आरक्षित है)।

(v) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा

(यांत्रिक इंजीनियरी पद)

15 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 3 और अ० जा० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।

(vi) सेवा इंजीनियर मेवा

(वैद्युत यांत्रिक संचार)

(यांत्रिक इंजीनियरी पद)

5 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)

(vii) भारतीय आपूर्ति कारबाना सेवा

(इंजीनियरी शास्त्र)

(यांत्रिक)

26 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 7 और अ० जा० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

(viii) भारतीय नौ मेवा आपूर्ति सेवा

(यांत्रिक इंजीनियरी पद)

4 (अ० जा० उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।

(ix) यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ भारतीय भू-विज्ञान संबंधित)

(x) महायक त्रिलिंग इंजीनियर

भारतीय भू-विज्ञान संबंधित

8 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 3 और अ० ज० जा० उम्मीदवारों के लिए रिक्ति सम्मिलित है)।

(xi) महायक प्रबन्ध (कारबाना)

(शाक व भारद्वार संचार

कारबाना संगठन)

*

(xii) सहायक कार्यपालक इंजीनियर

(यांत्रिक सीमा मङ्क

इंजीनियरी सेवा।

10**

(xiii) कर्मशाला अधिकारी (यांत्रिक)

ई० प्र० ई० कोर रक्षा

मानालय।

4 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 और अ० ज० जा० उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

(xiv) केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)	2**
(xv) महायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी विज्ञान महानिवेशवालय (यांत्रिक इंजीनियरी पद)	3**
	ग्रुप 'ब' की सेवाएँ/पद
(xvi) महायक यांत्रिक इंजीनियर भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण	*
(xvii) कर्मशाला अधिकारी (यांत्रिक), 1 ई० एम० ई० कोर रक्षा मन्त्रालय।	

वर्ग-III—वैद्युत इंजीनियरी

ग्रुप 'क' की सेवाएँ/पद

(i) वैद्युत इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा;	12**
(ii) भारतीय रेल भंडार सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद)	१०
(iii) केन्द्रीय वैद्युत यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (केन्द्रीय इंजीनियरी पद)	8**
(iv) भारतीय आपूर्ति सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद)	1 (यह रिक्ति अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है।)
(v) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी पाल्का) (वैद्युत इंजीनियरी पद)	4 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति मिलित है।)
(vi) भारतीय नौसेना आयुध सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद)	1
(vii) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद)	40 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 12 और अ० जा० जा० के उम्मीदवारों के लिए 3 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं।)
(viii) महायक कार्यपालक इंजीनियर (वैद्युत) डाक व तार मिलिल इंजीनियरी स्कॉल्यू	5**
(ix) सेना इंजीनियर सेवा (वैद्युत तथा यांत्रिक संवर्ग) (वैद्युत इंजीनियरी पद)	15 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 4 और अ० जा० जा० के उम्मीदवारों के लिए दो आरक्षित रिक्ति सम्मिलित हैं।)
(x) कर्मशाला अधिकारी (वैद्युत) ई० एम० ई० कोर रक्षा मन्त्रालय	2
(xi) महायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी सिकाय महानिवेशवालय (वैद्युत हंजीनियरी पद)	1**

	ग्रुप 'ब' सेवाएँ/पद
(xii) महायक हंजीनियर (वैद्युत) (डाक व तार मिलिल हंजीनियरी स्कॉल्यू)	10**
(xiii) महायक हंजीनियर (वैद्युत) आकाशवाणी सिविल। सिभाग स्कॉल्यू	
(xiv) कर्मशाला अधिकारी (वैद्युत) ई० एम० ई० कोर रक्षा मन्त्रालय।	

वर्ग-VI—इलैक्ट्रोनिकी तथा दूर संचार हंजीनियरी

	(ग्रुप 'क' सेवाएँ/पद)
(i) सिगनल हंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा	10**
(ii) भारतीय रेल भंडार सेवा (दूर संचार/इलैक्ट्रोनिक हंजीनियरी पद)।	
(iii) भारतीय दूर संचार सेवा	70**
(iv) हंजीनियर बेतार योजना और समन्वय स्कॉल्यू/अनुश्रवण संगठन संचार मन्त्रालय	*
(v) उप-प्रभारी हंजीनियर समुद्रपार संचार सेवा	*
(vi) सहायक स्टेशन हंजीनियर आकाशवाणी	*
(vii) तकनीकी अधिकारी सिविल विमानन विभाग	5 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए (3 और अ० जा० जा० के उम्मीदवारों के लिए (2 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं।)
(viii) संचार अधिकारी सिविल विमानन विभाग	3 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 और अ० जा० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है।)
(ix) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी पाल्का) (इलैक्ट्रोनिकी हंजीनियरी पद)	2 (अ० जा० जा० के उम्मीदवार के लिए रिक्ति आरक्षित है।)
(x) भारतीय नौसेना आयुध सेवा (इलैक्ट्रोनिक हंजीनियरी पद)	2**
(xi) केन्द्रीय शक्ति हंजीनियरी सेवा (दूर संचार/हंजीनियरी पद)	5 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 और अ० जा० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है।)
(xii) कर्मशाला अधिकारी (इलैक्ट्रोनिकी) 2 ई० एम० ई० कोर रक्षा मन्त्रालय	2
(xiii) महायक सिकाय अधिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी विकास महानिवेशवाला (इलैक्ट्रोनिक दूर संचार हंजीनियरी पद)	2**

ग्रुप 'ख' सेवाओं/पद

(xv)	महायक इंजीनियर	*
	आकाशवाणी	
(xvi)	महाय इंजीनियर	*
	ममुद्रपार मचार सेवा	
(xvii)	तकनीकी महायक (ग्रुप 'ख')	*
	अराजपत्रित ममुद्रपार मचार	
	सेवा	
(xviii)	कर्मसाला अधिकारी (इंसेक्टानिकी)	2 (अ. जा. ० के उम्मीदवार ई. प्र० ० ई. कोर रक्षा मंत्रालय
		के लिए आरक्षित १ रिक्ति मिमिलित है)

② भारतीय रेल भड़ार सेवा में

रिक्तियों की संख्या ७** है।

विभिन्न रेलवे इंजीनियरी सेवाओं 'सिविल यात्रिक वैद्युत और मिग्नल' भारतीय रेल भड़ार सेवा और भारतीय आवृत्ति कारखाना सेवा (सिविल यात्रिक वैद्युत और इलेक्ट्रानिकी) के भास्मने दिखाई गई रिक्तियां स्थायी हैं।

दूसरी अन्य सेवाओं और पदों के सामने दिखाई गई रिक्तियां अस्थायी हैं।

उपर्युक्त संज्ञाओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

*रिक्तियां सरकार ने सूचित नहीं की हैं।

**अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या यदि कोई होगी सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

नोट.—उपर्युक्त सेवाओं/पदों पर भर्ती नियमावस्थी के परिशिष्ट में निर्धारित परीक्षा योजना (योजनाओं) के आधार पर की जाएगी।

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों में से सब के लिए या किसी एक के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवा/पद पर के वर्ष के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो यही उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। उसे नोटिस के पैरा 6 में उल्लिखित शुल्क भी केवल एक बार देना होगा और प्रत्येक वर्ग के सेवा/पर जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है के लिए अवधारणा शुल्क नहीं देना होगा।

ध्यान दे 1.—उम्मीदवारों में यह अपेक्षा की जाती है कि वे जिस सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हों अपने आवेदन-पत्रों में उनका वरीयता क्रम के अनुसार स्पष्ट उल्लेख करें। उन्हें सलाह दी जाती है कि वे जितनी चाहे उतनी वरीयताओं का उल्लेख करें ताकि योग्यता क्रम में उनके रैंक का ध्यान रखते हुए नियुक्ति करते समय उनकी वरीयताओं पर उचित ध्यान दिया जा सके।

उन्हें नोट कर देना चाहिए कि उन्हीं सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए उन पर विचार दिया जाएगा जिनके लिए उन्होंने अपनी वरीयता का उल्लेख दिया है और किसी अन्य सेवा/पद के लिए नहीं।

सेवा (ओ)/पद (पदों) वर्ग या वर्गीय यथा सिविल इंजीनियरी यात्रिक इंजीनियरी वैद्युत इंजीनियरी तथा इलेक्ट्रानिकी और दूर संचार/इंजीनियरी (देखिए नियमावली की प्रमाणावली) में नियमित जिन सेवाओं/पदों के लिए उम्मीदवार परीक्षा में बैठ रहा है उनके सबध में उम्मीदवार द्वारा इंगित वरीयता-परिवर्तन के किसी अनुरोध पर तब तक चिकार नहीं किया जाएगा जब तक कि इस प्रकार के परिवर्तन से सबध अनुरोध नियमित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख से 30 दिन के भीतर सबलोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त न हो जाए।

ध्यान दें 2: उम्मीदवार केवल उन्हीं सेवाओं और पदों के लिए अपनी वरीयता दियाएँ जिनके लिए वे नियमों की शर्तों के अनुमार पाव छों और जिनके लिए वे प्रतियोगी हों। जिन सेवाओं और पदों के वे पात्र नहीं हैं और जिन सेवाओं और पदों से मन्माधन परीक्षाओं में उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाता है उनके बारे में बनाई गई वरीयता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। अतः नियम 5 (ख) के अधीन परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवारों के बिल्कुल उनमें उल्लिखित सेवाओं/पदों के लिए ही प्रतियोगी बनने के पाव ही हैं और अन्य सेवाओं और पदों के लिए उनकी वरीयता पर कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा। इसी तरह नियम 6 के परलूक के अधीन परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवारों की वरीयता पर भी केवल उनके परलूक में उल्लिखित पदों के लिए ही विचार किया जाएगा तथा अन्य सेवाओं और पदों के लिए वरीगी यदि कोई हैं पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

4. परीक्षा पर्व प्रवेश चाहते वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव संघ लोक सेवा आयोग धोलपुर हाउस तई दिल्ली—110011 को आवेदन करता चाहिए। आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबंध पूर्व विवरण वो देर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यदि राशि सचिव संघ लोक सेवा आयोग धोलपुर हाउस नई दिल्ली 110011 हकी मनीआंडर द्वारा या सचिव संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आईर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआंडर/पोस्टल आईर के स्थान पर लैक या करंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएं। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी भी हालात वे वापस नहीं की जाएगी।

नोट : उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि अब अपने आवेदन-पत्र इंजीनियरी सेवा परीक्षा 1979 के लिए निर्धारित मुक्ति प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। इंजीनियरी सेवा परीक्षा 1979 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इदर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक भ्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 11 जून, 1979 (25 जून, 1979 से पहले की किसी तारीख से विवेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह या लक्ष-द्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 11 जून, 1979 को या उससे पूर्व आवश्यक पहले जाना चाहिए। 1 निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विवेशों में अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह या लक्ष-द्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से आयोग यदि चाहे तो इस बात का सिविल प्रमाण प्रस्तुत करते के लिए कह सकता है कि वह 11 जून 1977 से पहले की किसी तारीख से विवेशी में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप में रह रहा था।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहते वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को रु. 80.00 (श्रुत्याकृत जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के मामले में रु. 20.00) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखाक्रिया भारतीय पोस्टल आईर या गचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया की भुक्ति भी शाम्ला नई दिल्ली में देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाम्ला से जारी किए गए रेखाक्रिया बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विवेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भाग्न के उच्च आवृत्ति गजदूत या विवेशस्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो के

कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग—परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और आवेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में उक्त अपेक्षाएँ पूरी नहीं होती होंगी उन्हें एक इस प्रस्त्रीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लाग नहीं होता जो नीचे के पैरा 7 के प्रन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7 आयोग यदि चाहे तो उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदन या तो 1 जनवरी 1961 और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ आस्तविक विस्थापित व्यक्ति है या वर्षा से आस्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलत भारतीय व्यक्ति है और 1 जन 1963 को या उनके बाद भारत आया है या वह एक मूलत भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के प्रन्तर्गत 1 नवम्बर 1964 को या उनके बाद भारत आया है या आगे चाला है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

8 जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे ₹ 54.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामते में ₹ 14.00) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट 1 की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्तीकार कर दिया जाता है कि वह अहंक परीक्षा में अमरकल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकता तो वह शल्क आपसी का लकड़ार नहीं होगा।

उपर्युक्त उपबन्धों को छोड़ कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकता।

9 आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

आर० एम० अहनुवालिया
उप सचिव,
सभ लोक सेवा आयोग

अनुबंध
उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं, निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन पत्र भेजने के पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को जहां अब परीक्षा देने का इच्छुक है अतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने द्वारा स्थान में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र नथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्तीकार किया जा सकता है।

गली उम्मीदवारों का आह वे पहले से सरकारी नोकरी में हों। या सरकारी औद्योगिक उपकरणों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों।

या ऐर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों अपने आवेदन पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर उम्मीदवार ने अपना आवेदन पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा भले ही वह नियोक्ता हो अधिकारी नारीय के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक वर कर्मचारी से इसर स्थायी या अस्थायी ईमियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की ईमियत से काम कर रहे हैं, उन्हें यह परिवर्तन (अंडरटेकिंग प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने नियन्त्रित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रत्येक अवश्य भेजने चाहिए—

(i) निर्धारित शल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आईंड या बैंक ड्राफ्ट या शुल्क भेजने के अपने दावे के समर्थन में प्रमाणपत्रों की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति (देखिए : नोटिस का पैरा 5 और 6 नीचे पैरा 6) (देखिए नोटिस का पैरा 6)।

(ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iv) उम्मीदवार के हाल ही के पांच पोर्ट आकर (अलगभग 5 मी० × 7 मी० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।

(v) जहां लाग छो वहा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।

(vi) जहां लाग छो वहा आय में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।

(vii) उपर्युक्त पत्रक (आवेदन पत्र के साथ मंजूर) विधिवत भरा हुआ।

नोट—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त

मद (ii), III (v) और (vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राज पत्रित अधिकारी द्वारा अधिप्रमाणित हो अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा मही प्रमाणित हों। परिणाम सभवन: फरवरी 1980 में घोषित किए जाएंगे जो उम्मीदवार परीक्षा के लिये विधिवत भाग के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साकारात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर भेजे हैं उन्हें उपर्युक्त प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करने होंगे। उन्हें अपने मल प्रमाण-पत्र भाकारात्कार के समय प्रस्तुत करने के लिए नैयार ग्रन्ति चाहिए जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत हो करो उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का वास्तव स्वीकार नहीं होगा।

उपर्युक्त मद (i) से (iii) तक में उल्लिखित प्रतेकों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रतेकों के विवरण पैरा 4, 5 और 6 में दिए गए हैं—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आईंड—

प्रत्येक पास्टल आईंड अनिवार्यत रेखांकित होना चाहिए और उस पर "संचिव, सप्त लोक सेवा आयोग को नई लिंगी के प्रधान डाकघर पर देय" लिखा जाना चाहिए।

किसी ग्रन्थ डाकघर पर देय पोस्टल आईं रिक्सी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरुद्धित या कटे फटे पोस्टल आईं भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आईं रिक्सी पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह ग्रन्थ नोट कर देना चाहिए कि जो पोस्टल आईं न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई विली के जनरल डाकघर पर देय हों जन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी याक्का से प्राप्त किया जाए और वह सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य याक्का नई विली में देय हो नथा विश्वविद्यालय के जनरल डाकघर पर देय हों जन्हें भेजना कठिन नहीं है।

किसी ग्रन्थ बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जायेंगे। विरुद्धित या कटे फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

(ii) आयु का प्रमाण पत्र—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिक्युलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छाइने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिक्युलेशन के समकक्ष भाने गये प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा मंत्रालय मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समूचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष उत्तीर्ण कर ली है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र या समकक्ष प्रमाण पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र के आवायां के अन्तर्गत उपर्युक्त बैंकांकित प्रमाण पत्र मम्मिलित हैं।

किसी-किसी मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उसी संस्था के हेल्पर्स्टर/प्रान्सीपल से लिए गए प्रमाण पत्र की एक अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में वर्ष की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु जिखो होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ इन अनुदेशों से निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिक्युलेशन प्रमाण पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में वीर्य जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिये कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो से आवेदनपत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट 1:—जिस उम्मीदवार के पास पदार्थ करने के बाबत माध्यमिक विद्यालय छाइने का प्रमाण-पत्र हो उसे केवल आयु से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2:—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिये जन्म की तारीख एक बार नियम भेजने और आयोग द्वारा उसे स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) जैक्सिक योग्यता का प्रमाण-पत्र—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवधय भेजनी चाहिए।

जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अधिकृत विश्वविद्यालय या किसी परीक्षा निकाय) का होता चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की है। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की एक अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवधय बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अन्य दावे की पृष्ठ में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस भाष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा किन्तु उसे पर्याप्त मानने के लिये आध्यात्मिक नहीं होगा।

आयोग को अपना आवेदन-पत्र भेजते समय यदि किसी उम्मीदवार के पास नियम 6 में निर्धारित डिग्री न हो तो उसे नीचे नोट 1 के अधीन दिये गए प्रमाण-पत्र के प्रपत्र के पैरा 1 में निर्धारित प्रपत्र में सम्बद्ध कालेज विश्वविद्यालय के प्रिमिपल/राजस्ट्रायडीन में लिए गए इस आशय के एक प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए कि उसमें अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और डिग्री प्रदान किए जाने के लिए आवश्यक भी अपेक्षाएं पूरी कर ली हैं।

नोट 1:—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ कुका हो जिसे उत्तीर्ण कर सके पर वह इस परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से अर्हताप्राप्त हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिये आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को यदि अन्यथा पास होंगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जारी से जारी और हर हाल में 15 दिसम्बर 1979 तक नीचे निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

अर्हक परीक्षा उत्तीर्णता वाला प्रमाण-पत्र

1. प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी
.....सुपुत्र/सुपुत्री* ने जो इस कालेज के/को* छात्र/छात्रा* है परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और डिग्री प्राप्त करने के/की* पात्र हो गा/गई* है तथा उन्हें श्रेणी मिली है।

2. प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी
.....सुपुत्री/सुपुत्री*
मास, 19 में द्वारा आयोजित
परीक्षा में बैठने वाले/वाली* हैं/बैठी* हैं और उक्त परीक्षा के परिणाम की....
19 तक घोषित हो जाने की सम्भावना है।

हस्ताक्षर
पदनाम
संस्था का नाम
स्थान जहां स्थित है
दिनांक
*जो ग्रन्द नाम नहीं उसे कृपया काट दें।

नोट 2:—नियम 6 के परन्तुक में उल्लिखित योग्यताओं के साथ परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को सम्बद्ध कालेज/संस्था/विश्वविद्यालय के प्रिमिपल/डीन में यह वर्षानि वाले प्रमाण-पत्र की एक अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसमें यह गण विशेष विषयों में से एक विषय स्लेकर एम० एस० सी० छिपी परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। परीक्षा शीर्ष है।

(iv) फोटोग्राफः—उम्मीदवारों को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (नगभग 5 में 300 x 7 में 300 मी०) के फोटो की दो ऐसी प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। इन में से एक प्रति आवेदन-पत्र के गहने पृष्ठ पर चिपका

और दूसरी उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थानी से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के माध्यम पैरा 3 (ii) 3 (iii) 3 (iv) 3 (v) और 3 (vi) में उल्लिखित प्रलेख आदि में से कोई एक सलग न होता और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और एक ग्रन्थीकृति के बिल्ड कोई अपील नहीं मुक्ती जाएगी। यदि कोई प्रलेख आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद योग्य ही भेज देना चाहिए और वे [ऊपर पैरा 3 (iii) के नोट 1 में उल्लिखित स्थिति को छाड़कर] हर हालत में आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख के बाद एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-जाति का होने का दावा करें तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिम्मे के जिम्में उसके माना-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों जिनमें अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे सबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेफर उम्मीदी एक असिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हों तो यह प्रमाण-पत्र उस जिम्मे के अधिकारी से नियम जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आमतौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पत्रों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाणपत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*
मुकुल/मुकुली* श्री जो गांव/कस्बा* जिला/मंडल* राज्य/संघ*
मंडल* राज्य क्षेत्र के/की* निवासी है जाति/जन-जाति* के/की* है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित* जन-जाति के स्पष्ट में साच्चाता दी गई है:—

मंविधान (अनुसूचित जातियों) आदेश 1950*

मंविधान (अनुसूचित जन-जातियों) आदेश 1950*

मंविधान (अनुसूचित जातियों) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951*

मंविधान (अनुसूचित जन-जातियों) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951*

[अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों मूली (आमोधन) आदेश, 1956 बम्बई पुनर्गठन अधिनियम 1960 पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1968, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971 और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन-जातियों आदेश (मण्डपन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा मंशोधित]।

मंविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियों आदेश 1956*

मंविधान (बंडियान और तिकोदार ग्रामपंचायत) अनुसूचित जन जातियों आदेश 1959 अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों आदेश (गणोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा मंशोधित।*

मंविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियों आदेश, 1962*

मंविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन-जातियों आदेश 1962*

मंविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियों आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियों) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967*

मंविधान (गोआ, दमन और दियू) अनुसूचित जातियों आदेश, 1968*

मंविधान (गोआ, दमन और दियू) अनुसूचित जन-जातियों आदेश 1968।

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियों आदेश, 1970*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी* और/या* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा* राज्य/संघ*
जिला/मंडल* राज्य/संघ*
राज्य क्षेत्र मेर रहने/रहती* है।

हस्ताक्षर

**पदनाम

(कार्यालय की मालिर महिला)

राज्य/संघ*राज्य क्षेत्र

स्थान

नारीक्ष

(जो शब्द लागू न हो उन्हें हृषया काट दें)

नोट—यहां प्रयुक्त “आम तौर से रहने/रहती है” का अर्थ यह होगा जो ‘ट्रिप्रेंडेन आफ दि पीपुल एक्ट 1950’ की धारा 20 में है।

**जाति/जन-जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अधिकारी जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/डिप्टी कमिश्नर/एडीएसएल इंस्टी कमिश्नर/डिप्टी कलैक्टर/प्रधम श्रेणी का स्टाइलरी मैजिस्ट्रेट/गिटी मैजिस्ट्रेट/ भव-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ नालूक मैजिस्ट्रेट/एक्जीव्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एस्ट्रा अमिस्ट्रेट कमिश्नर।

† (प्रधम श्रेणी के स्टाइलरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहरे का नहीं)

(ii) चीफ प्रैमिडे सी मैजिस्ट्रेट/ऐडीएसएल चीफ प्रैमिडेसी मैजिस्ट्रेट प्रैमिडेसी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिम्मा ओहवा नालूकीलार में कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का मैचिव/डेवलपमेंट अफसर “नक्की”।

5(i) नियम 5 (अ) के अनुसन्त आयु-सीमा में छूट के लिए दावा करने वाले सरकारी कम्बारी को अपने विभाग/कार्यालय के अध्यक्ष से नीचे दिए फार्म में प्रमाण-पत्र की मूल प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि—

(i) श्री/श्रीमती/कुमारी कार्यालय/विभाग में के पद

पर से स्थाई
है।

* (ii) श्री/श्रीमती/कुमारी
केन्द्रीय सरकार के अधीन नियमित आधार पर अस्थायी हृषि
मे के पद पर
..... से संगतार
सेवा मे है।

*जो लागू न हों उसे काट दे।

हस्ताक्षर
पवनाम
मंत्रालय/कायलिय
कायलिय की मोहर

तारीख
स्थान

(ii) नियम 5 (ग) (ii) या 5 (ग) (iii) के अन्तर्गत नियर्हित आयु सीमा मे छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन युल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब पैंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों मे से किसी एक से निए गए प्रमाण-पत्र को अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रवर्जन कर भारत आया है:—

- (1) दृष्टकारण परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों मे स्थित राहग्रह शिक्षियों के कैप्प कमार्डेट।
- (2) उम सेवा का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) अपने-अपने जिलों मे शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) स्वयं प्रभारित मम-डिवीजन का मम-डिवीजनल अफमर।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

(iii) नियम 5 (ग) (iv) अथवा 5 (ग) (v) के अन्तर्गत नियर्हित आयु मे छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन युल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यार्पित या प्रत्यार्पित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका मे भारत के उड्डव आयुक्त के कायलिय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका ममासीत के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(iv) नियम 5 (ग) (vi) अथवा 5 (ग) (viii) के अन्तर्गत नियर्हित आयु सीमा मे छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन युल्क से छूट का दावा करने वाले वर्षा से प्रस्थानीत मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजद्रवावाम रूपूत द्वारा दिए गए पहिलान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत आया है अथवा उसे जिम्मेदार का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से निए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वर्षा मे जागा हुआ वास्तविक प्रस्थानीत व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(v) नियम 5 (ग) (viii) अथवा 5 (ग) (ix) के अन्तर्गत आयु-सीमा मे छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को जो रक्षा सेवा मे कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिदेशक पुनः स्थापन रक्षा मंत्रालय से निम्नलिखित नियर्हित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उम्मीदवार की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा मे कार्य करते हुए विदेशी शब्द देश के साथ संबंध मे अथवा अर्थवा अर्थातिग्रस्त क्षेत्र मे फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार हारा प्रस्तुत किए जाने वाला प्रमाण-पत्र का फार्म:—
प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट
के रेक नं.

श्री रक्षा सेवाओं मे कार्य करते हुए विदेशी शब्द देश के साथ संबंध मे/*अर्थातिग्रस्त क्षेत्र मे फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

हस्ताक्षर
पवनाम
दिनांक

*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दे।

(vi) नियम 5 (ग) (x) अथवा 5 (ग) (xi) के अन्तर्गत आयु-सीमा मे छूट चाहने वाले उम्मीदवार को जो सीमा सुरक्षा दल मे कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिदेशक सीमा सुरक्षा दल गृह मन्त्रालय से नीचे नियर्हित फार्म पर निए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल मे कार्य करते हुए 1971 के भारत पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार हारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट
के रेक नं. सीमा सुरक्षा-दल मे कार्य करते हुए मत 1971 के भारत पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर
पवनाम
तारीख

(vii) नियम 5 (ग) (xii) के अन्तर्गत आयु मे छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को किलहाल जिम्मेदार का वह निवासी है इसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

(viii) नियम 6 (ग) (vi) के अन्तर्गत आयु मे छूट चाहने वाले कीनिया उगांडा, तथा सयुक्त गणराज्य तंजानिया से प्रवर्जन कर आए हुए या जान्म्बिया भलासी, जेरे तथा इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हुए उम्मीदवार को उम सेवा के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव मे उपर्युक्त देशो से प्रवर्जन कर आया है।

(ix) नियम 5 (घ) के अन्तर्गत आयु मे छूट का दावा करने वाले उम्मीदवार को (i) निरोधक प्राधिकारी से उम्मीदवार सभे प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमे यह

लिखा हो कि उक्त उम्मीदवार आन्तरिक सुरक्षा अनुरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत निम्न हुआ था या (ii) जिस उम्मीदवार मैंजिस्ट्रेट के द्वेषाधिकार में वह इनका जाता हो उसके प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रायाणि/प्रमाणिणि प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें लिखा हो कि उम्मीदवार भारत रक्षा नियम 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के अधीन गिरफ्तार या कैद हुआ या और जिसमें वे तारीख विनिष्टिष्ट हो जिनके बीच वह गिरफ्तार था कैद हुआ या नियम प्रमाणित हो कि निरोध या गिरफ्तारी या कैद ऐसी भी स्थिति हो उम्मीदवार के गाजीनीक मंबंधों या कार्य कलापों या तत्कालीन प्रतिबंधित मंगठों से उसके सबूत रखने के अन्तर्गत हो।

6. जो उम्मीदवार उपर पैरा 5(ii) (iii) और (iv) में किसी भी वर्ग के अन्तर्गत नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क में छूट का वादा करता है उसको किसी जिला अधिकारी या भरकार के गाजपत्रित अधिकारी या संसद महस्य या राज्य विधान मंडल के महस्य से वह विष्णवाने के लिए कि वह निष्पत्ति शुल्क देने की स्थिति में नहीं है इस आशय का एक प्रमाणित पत्र लेकर उसकी अभिप्रायाणि/प्रमाणिणि प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।

7. जिस व्यक्ति के लिए पाक्षता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रदेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रश्नावाल भारत सरकार के रेख/निमिणि और आवास/रक्षा/ऊर्जा/कृषि और सिक्काई/मकार/उद्योग और नागर पूर्ति/पूर्ति और पुनर्वायि/इस्तात और खान/जहाजगती और परिवहन/सूचना और प्रमाणण/पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय द्वारा आवश्यक पाक्षता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही विद्या जाएगा।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरने समय कोई भूता व्यौरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न लिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रेलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें और न ही कोई फेरबदल किए गए/धूषित प्रेलेख प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या इसमें अधिक प्रेलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस वात का सूक्ष्म त होगा कि आवेदन प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैटने का पाक्ष हो गया है।

10. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों की प्राप्ति की आश्वारी तारीख में एक महीने के भीतर उम्मीदवार का अपने आवेदन-पत्र की पाक्षती न मिले तो उसे पाक्षती प्राप्त करने के लिए आयोग में तक्काल संपर्क करना चाहिए।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यापाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम नव सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने के तारीख में एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में मध्य लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम को जातना भी किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के बावें में बहित हो जाएगा।

12. जिन पुस्तिकाओं में नियमावली विधि पिछली पाँच परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों का व्यौरा सम्मिलित होता है उनकी विक्री प्रकाशन नियंत्रक मिलिल नाइन्स दिल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहाँ से मेन आईर अवया नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किनार महल रिवोल्वरी मिनेमा के मामले एम्प्रेसिया शिलिंग "सी" ब्लाक बाबा ब्लैक सिल्वर मार्ग नई दिल्ली 110001 और (ii) प्रकाशन शास्त्र के बिक्री काउंटर उद्योग भवन नई दिल्ली-110001 और (iii) गवर्नर्मेंट ब्लाक डिल्पा बुक डिपो 8 के ०८म० राय रोड कनकला-१ से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ्तियन नगरों में भारत भरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. आवेदन-पत्रों से सबूत पत्र व्यवहार:—आवेदन-पत्रों से सबूत मधी पत्र आदि सचिव मध्य लोक सेवा आयोग बोलपुर हाउस शालजहाँ रोड नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा व्यौरा अतिवार्य रूप से दिया जाए:—

(i) परीक्षा का नाम

(ii) परीक्षा का महीना और वर्ष

(iii) उम्मीदवार का रोल नम्बर अपवा जन्म की तारीख यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।

(iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अकारों में)

(v) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

द्यावत है:—जिन पत्रों आर्दि में यह व्यौरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

पते म परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र म उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि आवश्यक होने पर उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करे। पते म किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपयुक्त पैरा 13 में उल्लिखित व्यौरे के साथ यापाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 5th March 1979

No. A. 32014/1/79-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission and at present officiating in the Selection Grade for Grade C stenographer to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre on a purely provisional, temporary and *ad hoc* basis for the period shown against each or until further orders, which is earlier.

S. No. Name & Period

1. Shri S. P. Mehra—1-3-79 to 30-4-79.
2. Shri O. P. Deora—1-3-79 to 30-4-79.

S/Shri S. P. Mehra and O. P. Deora should note that their appointment as Sr. P.A. (Grade B of CSSS) is purely temporary and *ad hoc* basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade.

B. N. SOM
Dy. Secy.
(Incharge of Admn.)

New Delhi-110011, the 19th March 1979

No. A. 32011/1/79-Admn. I(i).—The President has been pleased to appoint Shri M. C. Khorana, Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) and officiating as Private Secretary on purely temporary and *ad hoc* basis, to Grade A of CSSS cadre of Union Public Service Commission on regular basis w.e.f. the forenoon of 6-1-1979 until further orders.

No. A. 32011/1/79-Admn. I(ii).—In pursuance of the Ministry of Home Affairs OM No. 7/4/78-CS(II) dated 6-1-79 Shri R. L. Thakur, Permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) cadre of Union Public Service Commission, officiating SPA on long term basis has been included in the Select List of SPA (Grade B of CSSS) w.e.f. 6-1-79.

The inclusion of Shri R. L. Thakur to the Select List of Grade B of CSSS cadre of Union Public Service Commission is provisional and is subject to the approval of the Department of Personnel & Administrative Reforms to the reservation of the vacancy reserved for SC.

S. BALACHANDRAN
Under Secy. (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 3rd April 1979

No. O.II-11/73-Estt.—Consequent on his repatriation to parent State i.e. Maharashtra, Shri J. F. Rebeiro, IPS relinquished charge of the post of Deputy Director (Adm.) Directorate General, C.R.P.F. New Delhi on the forenoon of 15th March, 1979.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 28th March 1979

No. E-16014(3)/13/75-Pers.—Shri J. Gomes, Deputy Superintendent of Police Tamil Nadu State Police and presently on deputation to Central Industrial Security Force as Asstt. Commandant w.e.f. 18-5-70 (FN), is appointed substantively in the CISF as Asstt. Commandant, w.e.f. the forenoon of 13th March 1979.

The 29th March 1979

No. E-16013(1)/1/78-Pers.—On transfer on deputation Shri A. H. P. Singh, IPS (Bihar-61), assumed charge of the post of Dy. Inspector General, Central Industrial Security

Force, HEC Ltd., Ranchi, w.e.f. the forenoon of 10th March 1979.

Sd - ILIGIBLE
Inspector General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 28th March 1979

No. 12/5/74-RG(Ad. 1).—In continuation of this office notification of even number dated 29-8-1978, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Smt. Krishna Chowdhury as Linguist in the office of the Registrar General, India (Language Division) at Calcutta, upto 30 June 1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier. The headquarters of Smt. Chowdhury will be at Calcutta.

2. The above *ad-hoc* appointment will not bestow upon Smt. Chowdhury any claim to regular appointment to the post of Linguist. The services rendered by her on *ad-hoc* basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Linguist nor for eligibility for promotion to any higher grade. The above *ad-hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the Appointing Authority without assigning any reason therefor.

No. 11/36/79-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri M. L. Gulati, Office Superintendent in the Central Bureau of Investigation, Delhi Branch, New Delhi to the post of Deputy Director of Census Operations in the office of the Registrar General, India at New Delhi on *ad-hoc* basis by transfer on deputation, for a period of one year with effect from 26th February, 1979.

The headquarters of Shri Gulati will be at New Delhi.

The 31st March 1979

No. 11/10/76-Ad. I(Vol. II).—The President is pleased to appoint Shri L. Kharupuria, an officer belonging to the Assam Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Meghalaya at Shillong by transfer on deputation basis, with effect from the forenoon of 9 March, 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Kharupuria will be at Shillong.

The 3rd April 1979

No. 11/46/79-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri A. P. Muthuswami, an officer belonging to the Tamil Nadu Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Tamil Nadu with effect from the afternoon of 19 March, 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Muthuswami will be at Madras.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR POSTS AND
TELEGRAPHHS

Delhi, the 31st March 1979

No. Admn. III-89/23(A) (2) Notification.—Shri K. N. Deshpande, a substantive Audit Officer in the P&T Branch Audit Office Nagpur has retired from service w.e.f. 31-1-1979 (A.N.) on superannuation.

No. Admn. III-91/23(A) (2) Notifications.—The Chief Auditor, Posts and Telegraphs has been pleased to promote and appoint Shri A. Krishnamurthy (I), Section Officer of P&T, Branch Audit Office, Hyderabad (on deputation to Govt Medical Stores Depot, Hyderabad) as officiating Audit Officer w.e.f. 16-10-1978 and to post him in the P&T Branch Audit Office Nagpur until further orders. The promotion is on *ad hoc* basis and is subject to revision.

S. KRISHNAN
Sr. Dy. Chief Auditor (H. Qrs.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER OF DEFENCE
ACCOUNTS

New Delhi-110 022, the 26th March, 1979

No. 23011(1)/66-AN-I.—The following officers have been confirmed in the Junior Time Scale of Group 'A' of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates noted against each.

Sl. No.	Name	Date of confirmation
S/Shri		
(1) Gautam Sen		14-7-78
(2) Virendra Diwan		2-11-78
(3) Sunil Muthur		2-11-78
(4) Veerabhadra Rao Velaga		14-7-78
(5) K Narasimha Rao		14-7-78
(6) N P. Choubey		8-11-78
(7) Tusem Lal		2-11-78

R. L. BAKHSHI
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & COOPERATION
(DEPARTMENT OF COMMERCE)
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 27th March 1979

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL

ESTABLISHMENT

No. 6/578/59-Admn. (G)/2523.—The President is pleased to appoint Shri K. V. Balasubramanian, an officer of CSS (Selection Grade Select List) as Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office on *ad-hoc* basis for the period from 12-1-1979 (AN) to 28-2-1979.

K. V. SESHADRI
Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, the 2nd April 1979

No. 6/1264/78-Adm. (G)/2608.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Agarwal, an officer of the Section Officer's Grade of the CSS, working in the Directorate General of Supplies and Disposals as Senior Administrative Analyst in this office on deputation basis w.e.f. the forenoon of the 21st September, 1978.

No. 6/1058/75-Admn. (G)/2625.—On attaining the age of superannuation, Shri Anil Kumar Bose relinquished the charge of the post of Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta, on the afternoon of 31st January, 1979.

RAJINDER SINGH
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 26th March 1979

No. A-31013(5)/77-Admn. (G)—The President is pleased to appoint Shri M. K. Majumdar as Director (Gr. II) (Mechanical) in the Small Industry Development Organisation in a substantive capacity with effect from the 1st July, 1973.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPTT. OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 27th March 1979

No. 1003C A-19012(1-SC)/78-19A—Shri Sambhu Chakraborty is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—FB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 28th December, 1978, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 27th March 1979

No. A-19012(85)/77-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri G. C. Sharma, Pmt. Superintendent, is promoted to officiate in the post of Assistant Administrative Officer in this department on regular basis with effect from the afternoon of 5-3-1979.

No. A-19011(252)/78-Estt. A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri A. J. Reddy, Senior Technical Asstt. Indian Bureau of Mines to the post of Asstt. Mineral Economist (Int.) in an officiating capacity with effect from the 27-2-1979 forenoon.

S. BALAGOPAL
Head of Office

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 28th March 1979

No. 5(32)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri E. S. Guha, Transmission Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Bhawan as Programme Executive, All India Radio, Chhatnagar in a temporary capacity with effect from 26th February, 1979 and until further orders.

The 31st March 1979

No. 10/3/79-SII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri B. Subba Rao of the cadre of Senior Engineering Assistant, All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, and post him at Doordarshan Kendra, Hyderabad with effect from 28-2-79 (F/N) till further orders.

No. 10/6/79-SII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Darshan Singh Arora of the cadre of Senior Engineering Assistant, All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, and post him at Doordarshan Kendra, Amritsar (HO, Delhi), New Delhi with effect from 26-2-79 (F/N) till further orders.

O. B. SHARMA
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 31st March 1979

No. A (2025/19/77(JJP)/Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri V. Gopalakrishnan to the post of Senior Research Officer (Pharmacology) in the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry with effect from the forenoon of the 12th March, 1979, in a temporary capacity and until further orders.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 31st March 1979

No. A 19025/120/78-A. III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri N. H. Abbasi has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Gauhati w.e.f. 6-3-79 (F.N.) and until further orders.

B. L. MANJHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

Bhabha ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay, the 6th February 1979

No. PA/73(13)/78-R-IV.—In continuation of Notification of even number dated January 4, 1979, the Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Smt.) Chandraprabha Suryanarayana Mital as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity for a further period with effect from the forenoon of February 6, 1979 to the afternoon of March 5, 1979 on which date her appointment will stand terminated automatically.

No. PA/73(13)/78-R-IV.—In continuation of Notification of even number dated January 4, 1979, Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Kum.) Varinder Balwantsingh Kaur as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity for a further period with effect from the forenoon of February 6, 1979 to the afternoon of March 5, 1979 on which date her appointment will stand terminated automatically.

The 3rd March 1979

No. PA/68(6)/77-R-IV(P.F.)—The Director, BARC, appoints Shri Nagash Sadashiv Khambekar as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a temporary capacity in the same Research Centre with effect from the forenoon of February 21, 1979 to the afternoon of February 28, 1981.

S. RANGANATHAN
Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 26th March 1979

No. DPS/2/1(25)/77-Adm/8920—On transfer from the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, Shri J. Suryanarayana Rao, an industrial permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer has been appointed in the Hyderabad Regional Accounts Unit of the Directorate of Purchases and Stores in the same capacity with effect from 1-10-78 (F.N.) until further orders.

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 10th February 1979

ORDER

Ref. NFC/PA. V/20/251—WHEREAS Shri G. Balaiah, Helper 'B', MES, remained absent from duty from 30-8-1978 without intimation/permission.

AND WHEREAS vide letter No. NFC/PA, IV/B-25/MES/2466, dated 22-10-1978, the said Shri Balaiah was directed to report for duty immediately,

AND WHEREAS, the letter dated 22-10-1978 referred to above in the preceding paragraph sent by Registered Post with acknowledgement due to the last known address of Shri Balaiah, viz, s/o Shri G. Mallaiah, H. No. 4-11, Mallapuram, Hyderabad-500 040 was received by him on 25-10-1978

AND WHEREAS the said Shri Balaiah continued to remain absent from duty even after the receipt of the letter dated 22-10-1978,

AND WHEREAS memorandum No. NFC/PA. V/20/1008 dated 4-12-1978, proposing to hold an enquiry against Shri Balaiah for his unauthorised absence sent by Registered Post with acknowledgement due to the last known address viz, s/o Shri G. Mallaiah, H. No. 4-11, Mallapuram, Hyderabad-500 040 was returned to sender by the Postal authorities with a remark to the effect that this whereabouts are not known.

AND WHEREAS the said Shri Balaiah has continued to remain absent and failed to inform the NFC of his whereabouts,

AND WHEREAS the said Shri Balaiah has been guilty of voluntarily abandoning service,

AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of the NFC Standing Orders and/or Rule 14 of the CCS (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965,

AND NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Admn dated 3-12-1970 and/or under Rule 19(ii) of CCS (CCA) Rules, 1965, hereby dismisses the said Shri G. Balaiah from services with immediate effect.

P. UNNIKRISHNAN
Senior Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 30th March 1979

No. AMD/1/11/76-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division has accepted the resignation submitted by Shri S. Mokha, Permanent Storekeeper and officiating Accountant as Assistant Accounts Officer in the Atomic Minerals Division on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of 24-2-1979, until further orders.

No. AMD-2/2784/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division has accepted the resignation submitted by Shri S. Sukumar, a temporary Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' with effect from 31st March, 1979 (afternoon).

M. S. RAO
Sr Administrative & Accounts Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thana-401 504, the 20th March 1979

No. TAPS/1/22(1)/76-R.—Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri F. N. Iyer, a permanent Canteen Supervisor in the Tarapur Atomic Power Station as Manager, Hostel on a purely ad-hoc basis for the period from 5-2-1979 to 6-3-1979, vice Shri N. G. Malkani, Manager, Hostel proceeded on leave.

A. D. DFSAI
Chief Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 31st March 1979

No. E(1)08054.—Resignation of Shri N. J. Lakhote, Officiating Assistant Meteorologist, Meteorological Centre, Bhopal, India Meteorological Department, has been accepted with effect from the forenoon of 27th January, 1979.

G. R. GUPTA
Meteorologist

for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th March 1979

No. A. 32013/4/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri T. C. S. Moosad, Assistant Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Bhubaneswar to the grade of Communication Officer on *ad-hoc* basis for a period of six months or till the vacancies are available, whichever is earlier w.e.f. 5-3-79 (FN) and to post him in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Madras.

No. A. 32013/15/77-EC.—In continuation of this Deptt. Notification No. A. 32013/9/77-EC, dated 29-7-78, the President is pleased to appoint Shri P. S. Venkataraman, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Nagpur at present officiating as Technical Officer on *ad-hoc* basis to the grade of Technical Officer on regular basis w.e.f. 19-9-78 (FN) and until further orders.

S. D. SHARMA
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 28th March 1979

No. A. 32013/3/78-EA.—The President has been pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Senior Aerodrome Officer, in the Civil Aviation Department with effect from the 21st March, 1978.

S. No. Name

1. Shri S. H. Santakke
2. Shri G. Lakra
3. Shri S. S. Ivengar
4. Shri M. Y. Kolhatkar
5. Shri J. N. Menon
6. Shri B. P. Jaiswal
7. Shri R. G. Srivastava
8. Shri R. L. Singh
9. Shri J. Prince
10. Shri R. Das Gupta (expired on 19-8-78)
11. Shri M. Sinha
12. Shri B. N. Nangpal.

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration

CUSTOMS ESTABLISHMENT

Madras-1, the 27th March 1979

No. 1/79.—Shri S. Subramaniyan, Permanent Appraiser (Non-Expert), in the Madras Custom House resigned the post of Appraiser with effect from 28-2-79 A.N.

A. C. SALDANHA
Collector of Customs

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL (W.C.E.S.)

New Delhi, the 22nd March 1979

No. 23/2/77-EC. II.—The following officers of Central Public Works Department have retired from the Government service on attaining the age of superannuation with effect from 28th February, 1979 (A.N.) :

S. No.	Name	Present designation
1.	Shri L. P. Mukherjee	Executive Engineer (Valuation), Unit No. IV, Income Tax Department, (C.B.D.T.) Calcutta.
2	Shri B. K. Sood	Executive Engineer (Electrical), Electrical Division No. VIII, C.P.W.D., New Delhi

S. S. P. RAU
Director of Administration
For Director-General of (Works)

MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)

New Delhi-1, the 26th March 1979

No. 77/EB/1401.—It is hereby notified for general information that the existing Samastipur Division having broad gauge and metre gauge systems has been bifurcated into two Divisions viz., Samastipur Division and Sonpur Division with effect from 21st September, 1978. Both the Divisions will remain under the control of North Eastern Railway. The territorial jurisdictional limits of the Divisions are as under :—

Headquarters	Jurisdiction
1. Samastipur	Mansi (Excl.) to Foi (Excl.), Saharsa to Purnia Jn. (Excl.), Bamankhi to Bihiriganj, Muzaffarpur (Excl.) to Baghia, Bachwara (Excl.) to Narayanpur, Anant (Excl.), Samastipur to Narkatiaganj via Darbhanga Jn., Narkatiaganj to Bhikhna Thori, Raxaul to Sagauli Jn., Jaynagar to Darbhanga, Nirnali to Darbhanga, Samastipur to Khagaria and Jhanjharpur to Laukaha Bazar.
2. Sonpur	Chhapra Kacheri (Excl.) to Katihar Jn. (Excl.), Narayanpur Anant to Hajipur Jn. via Muzaffarpur, Sonpur-Palezaghat-Mahendughat, Sahibpur Kimal Jn.—Monghyr Ghat, Thanabihupur — Mahadeopurghat—Birari—Bhagalpur, Entire Meine Organisation at Mahendughat, Mokameh and Birari.

Both these Divisions will be under the charge of their respective Divisional Railway Manager

P. N. MOHLE
Secretary, Railway Board
and ex-officio Jt. Secy.

NORTHERN RAILWAY
HEADQUARTERS OFFICE
New Delhi, the 31st March 1979

No. 9.—The following officers of Indian Railway Service of Stores Department of this Railway are confirmed in Jt.

Scale (Class-I) from the date noted against each in Stores Deptt. of this Railway

2 Shri D Kumar Officiating Sr Stores Officer-I/Hd. Qrs. Office—6-1-78.
2 Shri T N Puri, Officiating Sr Stores Officer-WC/Hd. Qrs Office—24-1-78.

SUDARSHAN LAL
Controller of Stores

New Delhi, the 30th March, 1979

No 8.—The following officiating Class II officers of Transportation (Traffic) & Commercial Department, Northern Railway are confirmed in Class II service in that Department on this Railway with effect from the dates noted against each:—

S No	Name	Date from which confirmed
1	S/Shri	
1	R. N Gupta	1-12-74
2	T K S Bishnoi	1-03-75
3	A N Srivastava	1-10-76
4	W Laxmin	1-04-77
5	S C M r a	1-04-77
6	M B Sixen	14-06-77
7	K M Srivastava	1-08-77
8	K N Sharma	1-09-77
9	S N Mukherjee	1-01-78
10	H N Srivastava	1-07-78
11	K N Kohli	1-09-78

B C SHARMA
Chief Operating Supdt

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s The Coimbatore Match Industries Limited
(In Liquidation)

Mudras, the 23rd March 1979

No 1/1979/560/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s The Coimbatore Match Industries Limited (In liquidation) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

Sd/- ILLEGIBLE
Asst Registrar of Companies
Tamil Nadu

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Nowgong Electric Supply Corporation Limited

Shillong, the 28th March 1979

No. 519/560/4058.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof,

the name of M/s. Nowgong Electric Supply Corporation Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. K. MANDAL
Registrar of Companies
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,
Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s M. P. Nihalani & Co. Private Limited

Cuttack, the 27th March 1979

No S.O./722/4860(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s M. P. Nihalani and Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved

D. K. PAUL
Registrar of Companies, Orissa

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Choudhuri (Hardware) Private Limited

Calcutta, the 31st March 1979

No 19403/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Choudhuri (Hardware) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Asian Corporation Private Limited

Calcutta, the 31st March 1979

No. 19747/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Asian Corporation Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. G Kumai Private Limited

Calcutta, the 31st March 1979

No. 20896/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. G Kumai Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Khas Chalbalpur Colliery Private Limited

Calcutta, the 31st March 1979

No. 23029/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Khas Chalbalpur Colliery Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Tarun Industries Private Limited

Calcutta, the 31st March 1979

No. 23390/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Tarun Industries Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Bharat Properties & Firms Ltd.*

Calcutta, the 31st March 1979

No. 12355/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Bharat Properties & Firms Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Apeejay Steamship Co. Limited*

Calcutta, the 31st March 1979

No. 24505/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Apeejay Steamship Co. Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Shree Prakash Private Limited.*

Calcutta, the 31st March 1979

No. 24255/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Shree Prakash Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. R. SIRCAR
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
DELHI-IV

New Delhi, the 30th March, 1979

OFFICE ORDER

Sub:—Distribution of workload amongst T.R.Os.

F. No. CIT-IV/JUR/TRO/78-79/52/77—In supersession of all previous orders on the subject the C.I.T. Delhi-IV New Delhi hereby directs that the T.R.O. mentioned below shall perform their duties in respect of the Districts/Wards as fall within the I.A.Cs. Range mentioned in column 4 with effect from 30-3-1979.

S. No.	Designation	Allocation of work	Administrative control of IAC
1	2	3	4
1.	T.R.O. VI New Delhi	Erstwhile wards Distt. III(1), III(2) III(7), III(7) Addl. III(14) 1st Addl./III(30) III(32), III (34) 1st Addl. Sur. Cir. III & Evacuee Cir All cases assigned u/s 125 (1) to the IAC R-III-A Newly Redesignated wards: Ward III-A (1), III-A(2) III-A(3), III-A(4), III-A(5) III-A(6), III-A(7), III-A(8) III-A(9), III-A(10) & III-A (10) Addl.	I.A.C. III-A & III-E.

RANBIR CHANDRA
Commissioner of Income-tax,
Delhi-IV, New Delhi.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1979

Ref. No. ASR/78-79/107.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land No. 1929 Min or 1930 situated at Batala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Amritsar on July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Amarjit Singh
s/o Shri Pyara Singh
R/o Lawrence Road,
through Shri Gurbax Singh
s/o Shri Amar Singh,
355 Sarif Pura, Gali No. 6,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Hari Singh
s/o Shri Mangal Singh,
224 Hussain pura, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land Khasra No. 1929 Min or 1930 min measuring 500 sq. yds. situated at Batala Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1442 of July, 1978 of Registering Authority, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.
Date : 6-1-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1979

Ref. No. ASR/78-79/108—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land Khasra No. 3298/1930 Min 3297/1929 Min, situated at Batala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Amritsar on July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Gurdip Kaur
w/o S. Ram Singh
d/o Shri Tehal Singh
r/o Mall Road, Amritsar

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Singh
s/o Shri Mangal Singh,
r/o 184 Siwala Bhaian, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land Khasra No. 3298/1930 Min 3297/1929 Min measuring 500 sq. yds. situated at Batala Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1443 of July, 1978 of Registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

Date : 6-1-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th February 1979

Ref. No. ASR/78-79/121/2831 —Whereas, I, G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 661/9 Old 124/II-2 situated at Kt. Khazana Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Inderjit s/o Shri Mohan Lal, Katra Khazana now No. 32/c (Gandhi Nagar through Mohan Lal) s/o Shri Kishan Chand, Ghandi Nagar, Jammue. POA.

(Transferor)

(2) Shri Prem Nath s/o Shri Baldev Raj and Smt. Asha Rani w/o Shri Prem Nath R/o Chowk Katra Khazana, Amritsar

(Transferee)

(3) As At Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

[Persons in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house shop two storeyed with miani No. 661/9 and 124/IX-2 Bazar Katra Khazana, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No 1232 dated 3-7-78 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 20-2-1979

Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri Harnam Dass s/o Sh. Des Raj R/o Main Bazar Ajnala, Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Kailash Rani w/o Sh. Guljar Mal and Shri Guljar Mal s/o Shri Tirath Ram R/o Khazana Gate, Amritsar.

(Transferee)

(3) As At Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

[Persons in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 20th February 1979

Ref. No. ASR/78-79/122.—Whereas, I,
G. L. GAROO, IRS
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Shop No. 613/I, situated at Ghanian, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer
Amritsar City, on July 1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One shop No. 613/I katra Ghanian, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1243 dated 4-7-78 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—26GI/79

Dated : 20-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th February 1979

Ref. No. ASR/78-79/123.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property 3 shops No 1486 to 1490, situated at in Bazar Kt. Sufaid, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Brij Mohan s/o Shri Panna Lal, Tohi Mandi, Amritsar (Transferor)
- (2) Smt. Satya Wali w/o Shri Elira Lal Katia Sufaid, Amritsar. (Transferee)
- (3) As At Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any. [Persons in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property 5 shops bearing No. 1486 to 1490 in Bazar Katia Sufaid, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1266 dated 5-7-78 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

Dated : 20-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 8th March 1979

Rcl. No. Btl 78-79/137 —Whereas, I
 G. I. GAROO, IRS
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land 46-K-12M situated at village Bhoma Teh. Batala Distt. Gurdaspur
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Batala in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri But Singh s/o Sh. Sadha Singh of village Bhoma, Teh. Batala Distt. Gurdaspur.
 (Transferor)
- (2) Shri Sadha Singh s/o Shri Natha Singh of village Bhoma Teh. Batala Distt. Gurdaspur.
 (Transferee)
- (3) As At Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.
 [Persons in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.
 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 46-K-12 Marla in village Bhoma Tehsil Batala Distt. Gurdaspur as mentioned in the Registered Deed No. 3716 dated 24-8-1978 of Registering Authority Batala Distt. Gurdaspur.

G. I. GAROO, IRS.
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Amritsar

Dated : 8-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th March 1979

Re: No. ASR/78 79 138. Whereas, I,
 G. L. GAROO, IRS
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land Khasra No. 38-39 situated at Tung Bala, Dayanand Nagar Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar City on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Shiv Narain Kapoor, Ram Narain Kapoor, Anoop Narain Kapoor ss/o Shri Hari Ram Kapoor, Smt. Sardaroo Seth, Smt. Shukla Mehra Ds/o Shri Hari Ram Kapoor through Roshan Lal Mehra, 59, Joshi Colony, Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal Aiora s/o Tarlok Nath Arora, Kucha Sunerian H. No. 1146/8, Nimak Mandi, Amritsar.

(Transferee)

(3) As At Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any. [Persons in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 326 sq. mts. vide khasra No. 38-39 situated at Tung Bala, Dayanand Nagar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1593 dated 28-7-78 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS.
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Amritsar

Dated : 20-2-1979

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Brig. Mukhtiar Singh s/o Shri Thakur Singh, 7 Court Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Gurmeet Kaur w/o Shri Jaswant Singh resident of village Gunupur, Teh. & Distt. Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As At Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

[Persons in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One building No. 7 Court Road, Amritsar measuring 1711.29 sq. mts. Khasra No. 699/2 as mentioned in the Regd. Deed No. 1748 dated 9-8-78 of Registering Authority Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, AmritsarDate : 6-3-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Brig Mukhtiar Singh s/o Shri Thakur Singh, resident of 7 Court Road, Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th March 1979

Ref. No. ASR/78/79—Whereas, I,
G. L. GAROO, IRS
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Building situated at 7 Court Road, Amritsar,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Amritsar City on September, 1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(2) Shri Vijay Kumar s/o Shri Dina Nath 221/2, Bazar
Jallianwala, Amritsar.
(Transferee)

(3) As At Sl No 2 above mentioned and tenant(s) if
any.
[Persons in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
to pay tax under the said Act, in respect of any
income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One building measuring 1711-29 sq. mts. khasta No. 699/2,
7 Court Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed
No. 1749 dated 9-8-78 of Registering Authority Amritsar
City.

G. L. GAROO, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 20-2-1979

Seal :

FORM ITNS— --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar the 6th March 1979

Ref No ASR 78/79—Whereas I, G. L. GAROO, IRS, being the competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Building situated at 7 Court Road Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on September 1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income Tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Brig. Mukhtiar Singh s/o
Major Thakur Singh,
7 Court Road Amritsar

(Transferor)

(2) Sh. Darshan Singh s/o
Shri Piara Singh
Resident of Village Khati Pur Sahib
District Rupar

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any [Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One building measuring 1711.29 sq mts. vide Khasra No. 699/2, situated at 7 Court Road, Amritsar as mentioned in the Reed Deed No. 2330 dated 25-9-78 of Registering Authority Amritsar City

G. L. GAROO, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date 6-3-1979
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 6th March 1979

Ref No ASR 78 79—Whereas I, G L GAROO IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000 - and bearing No

Building situated at 7 Court Road Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Brig Mukhtiar Singh s/o Major Thikur Singh
1/o 7 Court Road Amritsar (Transferor)

(2) Smt Shakuntla Devi Soni d/o Shri Nand Lal,
14, Subhash Naaru Katra Sher Singh
Amritsar (Transferee)

(3) As at Sl No 2 above mentioned and tenant(s)
if any [Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

One building measuring 1711-29 sq mts vide Khasra No 699/2 situated at 7 Court Road Amritsar as mentioned in the Regd deed No 2331 dated 25-9-1978 of Registering Authority Amritsar City

G L GAROO IRS
Competent Authority
Inspecting Ass'tt Commissioner of Income tax,
Acquisition Range Amritsar

Date 6.3.1979
Seal

FORM ITNS

(1) Bal Singh s/o Sh. Banda Singh
Village Khakh

(Transferor)

(2) Smt. Avtar Kaur, w/o
Sh. Mohinder Singh.
Village Khakh.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s)
if any. [Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 Kanals 0 marla, situated
at village Khakh, Teh. Taran Taran as mentioned in the
Registered deed No. 3345 dated 7-7-1978 of Registering
Authorities, Te. Taran Taran.G. L. GAROO, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, AmritsarDate : 9-3-1979
Seal :Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
16—26GI/79

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 9th March 1979

Ref. No. ASR/78-79/146.—Whereas I, G. L. GAROO, IRS,
being the competent authority under section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Khata No. 86/126 Khasra No. 29/8 Min, situated at village Galwali, Taran Taran Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar Tehsil on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rajinder Singh s/o Sh. Sohan Singh, R/o Kairon Market, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Jaspal Singh, Ajit Singh s/o Sh. Amrit Singh, Salwant Kaur w/o Sh. Surinder Singh, r/o Amritsar Nimak Mandi (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any. [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot measuring 1266 5 metres Khata No 86/126, Khasra No. 29/8 Min, 29/9 Min, situated at Village Galwali, Taran Taran Road, Amritsar as mentioned in the Registered deed No. 2647 of July, 1979 of Registering Authority, Amritsar Tehsil.

G. L. GAROO, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 9th March 1979

Ref No T1/ASR 78-79 147 —Whereas I, G. L. GAROO, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
Agru Land measuring 40 K 0 M,
situated at vill. Khakh, Tehsil Taran Taran Distt. Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Taran Taran in July, 1978
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Bal Singh s/o Sh. Jhandha Singh,
resident of village Khakh, Tehsil Taran Taran,
Distt Amritsar
(Transferee)
- (2) Shri Gurbachan Singh s/o
Shri Mohinder Singh,
resident of village Khakh, Tehsil Taran Taran,
Distt Amritsar
(Transferee)
- (3) As at Sl No 2 above mentioned and tenant(s)
if any
[Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 K 0 M situated in village
Khakh Tehsil Taran Taran, Distt Amritsar as mentioned
in the Registered deed No 3346 dated 7-7-1978 of Registering
Authority, Taran Taran, Distt Amritsar.

G. L. GAROO, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Amritsar

Date 9-3-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 9th March 1979

Ref. No. ASR 78-79/148.—Whereas I, G. L. GAROO, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 8 kanals, Khasra No. 16 Tungbala, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manohar Singh, Prithpal Singh, ss/o Sh. Jagjit Singh, Smt. Sukhbir Kaur, wd/o Sh. Jagjit Singh, Smt. Amarjit Kaur d/o Jagjit Singh, r/o Tungbala Amritsar (Transferors)
- (2) Smt. Gurbachan Kaur w/o Sh. Amrik Singh, Smt. Shamsher Kaur w/o Sh. Aama Singh, Sh. Swaran Singh s/o Sham Singh, Sh. Inderpal Singh s/o Sh. Atma Singh, East Mohan Nagar, Amritsar. (Transferees)
- (3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any. [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 8 kanals vide Khasra No. 16 Tungbala, Amritsar as mentioned in the Registered deed No. 1340 dated 11-7-1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 9th March 1979

Ref. No. ASR/78-79/149.—Whereas I, G. L. GAROO, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ag.1. land measuring 48 kanals 10 marlas, situated at village Jalalabad, Tch. Taran Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Taran Taran on July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Mukhtar Singh, Gurmej Singh,
s/o Sh. Gian Singh,
r/o Village Jalalabad, Tch. Taran Taran,
Distt. Amritsar.

(Transferors)

(2) Shri Paramjit Singh s/o Sh. Bua Singh,
Bua Singh s/o Sh. Milkha Singh,
Village Maulabab, Tch. Taran Taran,
Distt. Amritsar.

(Transferees)

(3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 48 kanals 10 marla being 1/3rd share of 145 kanals 10 marlas, situated at village Jalalabad, Tch. Taran Taran, Amritsar as mentioned in the Regd. deed No. 3499 dated 13-7-1978 of Registering Authority Taran Taran, Distt. Amritsar.

G. L. GAROO, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 17th March 1979

Ref. No. ASR 78-79/150—Whereas I, G. L. GAROO, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One shop No. 651/2 measuring 56 sq. mts situated at Katra Ahluwalia, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Gurba Singh s/o Sh. Sobha Singh, resident of Bazaar Darshni Deori, Amritsar. (Transferor)

(2) Smt. Veero Devi wd/o Sh. Diwan Singh, resident of Guru Nanak Wala, Amritsar. (Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any. [Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

On shop No. 651/2 measuring 56 sq. mts. situated at Katra Ahluwalia Amritsar as mentioned in the Registered deed No. 1500/1 dated 19-7-1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated 17-3-1979

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

(1) Shri Gurprit Singh s/o
Shri Suchet Singh,
Resident of Nuwan Pind Bahian,
Gurdaspur. (Transferor)

(2) Shri Janak Raj, s/o
Shri Jagat Ram,
Resident of Androoni Bazar,
Gurdaspur. (Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above as mentioned and tenant(s)
if any. [Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Amritsar, the 31st March 1979

Ref. No. ASR/78-79/153.—Whereas I, G. L. GAROO, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Share of property situated at Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Gurdaspur on 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share of property, situated at Gurdaspur as mentioned in the Registered Deed No. 3346/20-7-78 of Registering Authority at Gurdaspur.

G. L. GAROO, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 31-3-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st March 1979

Ref No ASR/78-79/154.—Whereas I, G. L. GAROO, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Share of property situated at Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at S R Gurdaspur on 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurprit Singh s/o
Shri Suchet Singh,
Resident of Nawan Pind Bahian,
Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Shri Janak Raj and
Sh. Faqir Chand,
Resident of Andiooni Bazar,
Gurdaspur.

(Transferees)

(3) As at Sl. No. 2 above as mentioned and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share of property, situated at Gurdaspur as mentioned in the Registered Deed No 3360/21-7-78 of Registering Authority at Gurdaspur.

G. L. GAROO, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 31-3-1979

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 15th January 1979

Ref No. 4827.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 36, (TS. No. 300) situated at Venkataramana Iyer St., and Andi Gounder St., Pollachi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc. No. 1516/78 on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
17—26GI/79

(1) S/Shri V. Muthusamugham, Kumaravel Karlingaray, Ramkumar, V. V. Chinnasami For Minor Murali Krishnan, Smt. Nagarathinam Mangalambal and Annalakshmi, Zamin Muthur, Pollachi.
(Transferor)

(2) N. Jalaja W/o Sri Nagasubramanian, No. 41, Thillagar St., Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building in TS. No. 300, Door No. 36 at Venkataraman Iyer St., and Andi Gounder St., Pollachi.
(Doc. No. 1516/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-1-79

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras-6, the 19th January 1979

Ref. No. 46/July/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey Nos. 62/1A & 64/2A situated at Yercaud, Salem District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Yercaud (Document No. 133/78) on 15 July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri D. J. Xavier,
135, Tucker Road, Bentleigh, Melbourne, Australia, by power agent Shri Holder D Helein, Sunshine Cottage, Yercaud P.O. Salem District.

(Transferor)

(2) 1. Smt. RM Kannamai Achi,
W/o L RM K Ramanathan;
2. Smt. L. Meyyammai Achi,
W/o L RM K Lakshmanan;
3. Smt. SP Nachammai Achi,
W/o LM RM K Subramaniam; and
4. Smt. V. Vasanthal,
W/o Shri L RM K Valliuppan,
7/26, Ramakrishna Chettiar Street,
Nattarasankottai P.O. Ramnad Distt.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

31.62 acres of coffee estate in S. No. 62/1A and 64/2A situated at Yercaud, Salem District.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 19-1-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. R. Kanagasabapathy,
S/o Shri Ramasubramania Mudaliar,
80, Tower House, Cherry Road,
Hasthampatty,
Salem-7.

(Transferor)

(2) Minor SP Muthuraman,
By Gdn. & Fr. M. SP. Subramania Chettiar,
'Shri Lakshmi Bungalow', Royavaram,
Thirumayam Tk., Pudukkottai Dt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras-6, the 19th January 1979

Ref No 51/July/78—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

26A, situated at Kanakkai Street, Salem-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jl. SRO I, Salem (Document No 2412/78) on 15-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and buildings at No. 26 A, Kanakkai Street, Salem-1.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-1-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri A. S. Govindaraj Naidu,
Shri Selvaraj, and Smt. Govindammal,
Naicker New Street,
East Govindapuram, Dindigul Town.
(Transferor)

(2) Shri M. Pandy and Shri M. Paul Pandian,
Samiyarpatty,
Sindhalakkundu Vge,
Dindigul Tk; and
Shri C. Seenai Thevar,
Genguvarpatty Vge,
Periakulam Tk.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras-6, the 21st January 1979

Ref. No. 43/July/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. 728/1 situated at Chettynaickenpatty (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at U. S. R.O., Dindigul (Document No. 929/78) on 1-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Mill Building situated in T.S. No. 728/1 Ward No. 1, Chettynaickenpatty.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 21-1-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri A. R. Noor Mohammed,
Rahmania Garden,
A. M. A. Nagar,
Pudukkottai Town.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 9th February 1979

Ref. No. 8289.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Madukkur Village, Pattukkottai Tk. Madukkur Village, Pattukkottai Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madukkur (Document No. 1258/78) on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri V. Ramakrishnan;
Shri Rajasekaran;
Shri V. Mohan;
Shri Venkatesan; and
Shri V. Ravichandran,
2, Peria Chetty Street,
Madukkur, Pattukkottai Tk.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and buildings situate at Madukkur Village, Pattukkottai Tk.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras 6.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 9-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006 the 9th February 1979

Ref No 8279—Whereas, I, O ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing No 1 Road situated at 6th Ward, Manambuchavadi 3rd Division Tanjore Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO, Thanjavur (Document No 2556/78) on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Shri K. S. Ramachandran,
Shri Govindarajan,
Shri Sukumar, and
Shri Venkatesan,
Radhakrishna Vilas Rice Mill,
2292, 1st Road, Manambuchavadi,
Tanjore Town

(Transferor)

(2) Shri E. Sultan,
Andawai Rice Mill,
Pattukottai Road,
Thanjavur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and buildings situate in Survey No 2292/4, No 1 Road, 6th Ward, Manambuchavadi 3rd Division, Tanjore Town

O ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 9-2-1979

Seal .

FORM ITNS

(1) M/s. Ramalingam & Co.,
53, Thatchar Street,
Tuticorin.

(Transferor)

(2) M/s. K. S. Natesan & Co.,
by Manager & Per Pro
Shri K. Viswanathan,
63A, Nandagopalapuram West,
Tuticorin.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I.
MADRAS-600006

Madras-600006, the 14th February 1979

Ref. No. 56/July/78.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 47-H situated at Nandagopalapuram, Ward No. 4, Block 37, Tuticorin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSR II, Tuticorin (Document No. 1429/78) on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Buildings situate at No. 47-H, Nandagopalapuram Ward No. 4, Block 37, Tuticorin.

O. ANANDARAM
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 14-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) 1. A. M. M. Arunachalam Trust;
 2. The South Indian Corporation (P) Ltd.,
 3. The Chettinad Co. P. Ltd.,
 Madras.

(Transferor)

(2) M/s. Sukh Company,
 140/8, West Street,
 Cumbum, Madurai District.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
 MADRAS-600006

Madras-6, the 22nd February 1979

Ref. No. 5/July/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

42 situated at Krishnarayar Teppakulam Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Madras (Document No. 2841/78) on 22-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Buildings situate at No. 42, Krishnarayar Teppakulam Street, Madurai.

O. ANANDARAM
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 22-2-1979
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri A Seetharaman Chettiar,
344, Mint Street,
Madras-1

(Transferor)

(2) Shri K Mohan Chettiar,
2nd Floor, 344, Mint Street,
Madras-1.

(Transferee)

(3) Gopi Medicals, Tailoring Mart, Rajula Metal Corporation etc.

[Person in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS 600006

Madras-600006, the 24th February 1979

Ref No 6/July/78—Whereas, I, O ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

344, situated at Mint Street, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO II, Madras North (Document No 2843/78) on 22nd July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

18—26GI/79

(1) Shri A Seetharaman Chettiar,
344, Mint Street,
Madras-1

(Transferor)

(2) Shri K Mohan Chettiar,
2nd Floor, 344, Mint Street,
Madras-1.

(Transferee)

(3) Gopi Medicals, Tailoring Mart, Rajula Metal Corporation etc.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Buildings situated at Door No 344, Mint Street, George Town, Madras-1.

O ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras 6

Date : 24-2-1979

Seal ,

FORM ITNS—

(1) Shri A. Manoharan,
344, Mint Street,
Madras-1.

(Transferor)

(2) Shri M. Srinivasan,
2nd Floor, 344, Mint Street,
Madras-1.

(Transferee)

(3) Gopi Medicals, Tailoring Mart, Rajula Metal Corporation etc.

[Person in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 24th February 1979

Ref. No. 7/July/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 344, situated at Mint Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO II, Madras North (Document No. 2844/78) on 22nd July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Buildings situate at Door No. 344, Mint Street, George Town, Madras-1.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 24-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri A. Prabhakaran,
344, Mint Street,
Madras-1.

(Transferor)

(2) Shri M. Ramesh Kumar,
2nd Floor, 344, Mint Street,
Madras-1.

(Transferee)

(3) Gopi Medicals, Tailoring Mart, Rajula Metal Cor-
poration etc.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 24th February 1979

Ref. No. 8/July/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. 344, situated at Mint Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO II, Madras North (Document No. 2845/78) on 22-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Buildings situated at Door No. 344, Mint Street, George Town, Madras-1.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 24-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Shri E. M. Kudarathulla; and
2. Smt. D. Sherbabee Ammal,
84, Bazaar Street,
Salem-1.

(Transferor)

(2) 1. Shri S. N. Subramania Chettiar;
2. Shri S. N. Murugappa Chettiar, and
3. Smt. SN KM Saraswathi,
Sembanur, Karaikudi Taluk,
Ramanadhapuram District.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 24th February 1979

Ref. No. 44/July/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Coffee Estates situated at Pattapadi Village, Yercaud Taluk, Salem District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Yercaud (Document No. 124/78) on 1-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

9.83 acres of agricultural lands being coffee estates situated at Pattapadi vge. Yercaud Tk., Salem District.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 24-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 26th February 1979

Ref. No. 52/July/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

67A situated at Toovcypuram Street No. 3, Tuticorin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer JSR I, Tuticorin (Document No. 780/78) on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amar Nath
S/o Shri KSSP Subburajan Nadar,
3, Lalithapavanam,
Palaniandavar Colony,
Sivakasi, Sathur Tk.

(Transferor)

(2) Smt. A. Jegajothi Ammal,
W/o Shri ARS Arunachala Nadar,
46-T, Ramasamy Naid Street,
Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and buildings situate at No. 67A, Tooveypuram Street No. 3, Tuticorin.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 26-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS
Madras-600006, the 5th March 1979

Ref. No. 4821/78-79.—Whereas, I, O ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Fish Market Road situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Coimbatore (Doc. No. 1953/78) in July 1978 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) T Subbulakshmi,
Naryindapuram Ramanathapuram,
Coimbatore. (Transferor)
(2) V Ravindranath and V. Sekar,
Vyasal St., Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land and building at Fish Market Road, Coimbatore (Doc. No. 1953/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 5-3-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 1st March 1979

Ref. No. 4811/78-79.—Whereas, I, O ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

28/261 B Diwan Bahadur Road situated at
R S Puram Coimbatore TS No. 8/149
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at (Doc. No. 1914/78) JSR III Coimbatore in July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) P Moses
261 B. D. B. Road, R S Puram,
Coimbatore. (Transferor)

(2) B N Damodaran,
Vysial St.,
Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 28/261B Diwan Bahadur Road R S Puram, Coimbatore (Doc. No. 1914/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 1-3-1979
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S. V. Subramaniam,
43 D. B. Road,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. K. Subbalakshmi,
28 Chellapillai Lane,
Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 1st March 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 4816/78-79.—Whereas, I, O ANANDARAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and 32/16 Sama Iyer St., situated at Coimbatore (TS No. 6/47) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer JSR Coimbatore (Doc. No. 2038/78) in July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

THE SCHEDULE

Land and building at 32/16 Sama Iyer St., Coimbatore (Doc. No. 2938/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 1-3-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) S V Subi amanam
43 D B Road,
Coimbatore

(Transferor)

(2) S Kanakaraaj,
28 Chellapillai Lane
Coimbatore

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS 600006

Madras-600006, the 1st March 1979

Ref No 4816/78 79—Whereas, I, O ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25 000/- and bearing

32/16 Sama Iyer St, situated at Coimbatore

T.S. No 6/47

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR Coimbatore (Doc No 2037/78) in July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land & Bldg at 32/16 Sama Iyer St Coimbatore (Doc No 2037/78)

O ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Madras-6

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —
19—26GT'79

Date 1-3-1979
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 1st March 1979

Ref. No. 4774/78-79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No. 8/454 (Doc. No. 2257/78) situated at

13/4 R. S. Puram Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.S.O. Coimbatore in June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) S. G. Dhanalakshmi
W/o late Dr. S. Ganapathy
34 Dr. Sivanandanagar Tatabad,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) 1. D. Bhagwandass,
2. D. Omprakash,
3. D. Jayaprakash and
4. D. Anandaprakash,
13/4 R. S. Puram,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building situated at 13/4 R.S. Puram West Thiruvenkatasami Roar, Coimbatore.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 1-3-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Indira Bai, W/o P. S. Rama Krishna, Rao 11/2
Malavia St. Ramnagar Coimbatore-9.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

Madras-600 006, the 1st March 1979

Ref. No. 4815/78-79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. T.S. 9/570 S. 71/1 (New), situated at Kalingarayan Koil St Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Coimbatore (document No. 1852/78) in July 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) K Radha, w/o P. B. Krishnamurthy Chettiar 38/4
Eastbhasyakerlu Road R. S. Puram Coimbatore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building situated at Kalingarayan Koil St. Ram Nagar Coimbatore bearing new T.S. No. 9/570 S. 71/1 covered by Doc. No. 1852/78.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-3-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) K. M. Santhana Gopalan s/o K. M. Muthuswamy
Iyer 8A Malavia St. Ramnagar, Coimbatore.

(Transferor)

(2) N. Gomathi D/o A. K. Natyanan 9 Malavia St.
Ramnagar, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

Madras 600 006, the 1st March 1979

Ref. No. 4813/78-79.—Whereas, I.O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

T. S. No. 9/240 8A Malavia, situated at St. Ram Nagar, Coimbatore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Doc. No. 2021 J.S.R. III Coimbatore in July 1978,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at 8A Malavia St. Ramnagar Coimbatore (Doc. No. 2021/79).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras 600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 1-3-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Jayalakshmi 8A Malaviya St. Coimbatore.
(Transferor)(2) N. Dharma 9 Malaviya St. Coimbatore.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

Madras-600 006, the 1st March 1979

Ref. No. 4813/78-79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS No. 9/240 Doc. 2022/78 situated at 8A Malavia St. Ramnagar, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

JSR III Coimbatore in July 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building at 8A Malaviya St. Ramnagar, Coimbatore (Doc. No. 2022/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-3-1979

Seal :

FORM JTNS

(1) Smt. Seetha Rajagopal, w/o late C. Subramania Rajagopal 18, 6th Main Road Rajannamalaiyapuram Madras-28 and Sri Rajagopal Shyam Sunder, c/o BHEL, Bhopal.

(Transferor)

(2) Dr. R. Krishnamoorthy s/o A. Ramaswamy 6 Devang High School Road Cbe. and Smt. Sushila, w/o above.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building new TS No. 8/354 (Doc. No. 2090/78) at West Ponnurangam R. S. Puram Cbe.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 1-3-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) W. G. Waswami 13/63A West Thiruvenkataswamy Road, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R. Damodaran 411 Vysal St., Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,

Madras-600 006, the 1st March 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 4814/78-79.—Whereas, I O ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Thiruvenkatasami Road, situated at Coimbatore TS No. 8/383, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore doc. No. 2136/78 in July 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at Thiruvenkataswamy West St., Coimbatore (doc. No. 2136/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-3-1979

Seal

FORM ITNS—

(1) R. Buvaneswari and Punidavadhi 61 Kalatheswarankoil St. Pandy.

(Transferor)

(2) P. Apparsamy 92 Muthiamudalur St. Pandy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

Madras-600 006, the 5th March 1979

Ref. No. 8290.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

38 Saram Revenue Village, situated at Ozukarai Commune Pandy, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Pandy—Doc. No. 712/78 in July 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at 38 Saram Revenue Village Ozukarai Commune Pandy Doc. No. 712/78.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 5-3-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) S. Jayalakshmi 62 Race Course Road, Coimbatore
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II.

Madras-600 006, the 5th March 1979

Ref No 4817—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Race Course Road situated at Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ISR Coimbatore Doc No 2057/78 in July 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—26GI/79

(2) A. K. Ardhnariswamy Pillai and A. Mariyammal 72B Appuswamy Naidu Road, Coimbatore
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Race Course Road Coimbatore—
Doc No 2057/78.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date 5-3-1979
Seal

FORM ITNS

(1) K V Balasubramanian and Smt V Ranganayaki
Ammil 6/63 Race Course Road, Coimbatore
(Transferors)

(2) P Irudayaraj & P Utharia Raj 19 234 Variety Hall
Road Coimbatore
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI

Madras 600 006, the 5th March 1979

Ref No 4850—Whereas, I O ANANDARAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Sanganur Village situated at Coimbatore, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SRO Coimbatore Doc No 1938 78 on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at Sanganur Village, Coimbatore (Doc No 1938/78)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

O ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range JI Madras 600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date 5 3 1979

Seal

FORM ITNS

(1) A. Abibunnisa Mohamadyar Lane 2 N. H. Road, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) D. G. Shah, 38 Lokmanyar St. Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th March 1979

Ref. No. 4885.—Whereas, J. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Lokmanyar St. situated at R. S. PURAM, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at ISR III Coimbatore Doc. No. 2981/78 in September 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Lokmanyar St. R. S. Puram, Coimbatore Doc. No. 2981/78.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 5-3-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) S. K. Krishna Gounder Nanjakkalampalayam Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sabari Foundry Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th March 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 4780.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sanganur Village situated at Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Coimbatore Doc. No. 1703 78, in July 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land and Building at Sanganur Village Coimbatore.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 5-3-1979
Sect : _____

FORM ITNS—

(1) M/s Venugopal Spinners P. Ltd. Kamaraj Road, Thirupur.
(Transferor)

(2) A. Kalappuswamy and A. Natarajan 76 Universal Road, Thirupur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th March 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 4832—Whereas, I O. ANANDARAM,—
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Velampalayam Village, situated at Palladam Tk., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at TSR II Thirupur Doc No. 962/78 in July 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and Building at Velampalayam Village Palladam Tk. (doc. 962/78).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-3-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) V. R. K. R. L. Lakshmanan Chettiar 31 NEL
Thillai nagar Tirchy.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) L. Kannathal, Vendanpatti, Pudukkottai.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th March 1979

Ref. No. 8344—Whereas, I O ANANDARAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 498 Periakadai St. Tirchy situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ISR III Tirchy Doc. No. 1691 78 in July 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at 498 Periakadai St. Tiruchi—Doc No. 1691/78.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-3-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) V. R. K. R. L. Lakshmana, Chettiar 5th Cross B 31
NEE Thillai Nagar, Trichy.
(Transferor)

(2) T. Jayam (minor) By Guardian T. Subramanian
Kila Raja Veedi Pudukkottai.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th March 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 8381.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 498 Periakadai St. Trichy, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Trichy (doc. No. 2928) in October 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Land and Building at 498 Periakadai St. Trichy (doc. No. 2928/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 5-3-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) V. R. K. R. I. Lakshman Chettiar 5th Cross B 31
N.I.P. Chilli Nagar Trichy.

(Transferor)

(2) T. Lakshmanan (minor) By Guardian T. Subramanian Kila Raja Veedi Pudukkottai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th March 1979

Ref. No. 8381.—Whereas, I.O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 498 Periakadai St Trichy situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SRO Trichy (doc. No. 2929 78) in October 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 498 Periakadai St. Trichy— doc. No. 2929/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range II, Madras-600 006.

Date : 5-3-1979

Seal :

FORM IENS—

(1) VR KR L Lakshmanan Chettiar 5th Cross B 31
NEE Thillai Nagar Trichy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) I. Arunachalam (minor) By Guardian T. Subramanian Kila Raja Veedi Pudukkottai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th March 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref. No 8381/78-79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 498 Periakadai St situated at Trichy.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSR TRICHY Doc. No. 2930/78 in October 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at 498 Periakadai St. Trichy (doc. No. 2930/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
21—26GI/79

Date 5-3-1979

Seal.

FORM ITNS—

(1) P S Venkataraman 24A Mutukadu Road Thiruvanmiyur Madras 41
(Transferor)

(2) The Kumbakonam City Union Bank 19 Mahatma Gandhi St Madras-17
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II,
MADRAS 600 006

Madras 600 006 the 5th March 1979

Ref No 6451/78-79—Whereas I O ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No 19 Mahalakshmi St situated at T Nagar Madras-17 is No 9267 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO T Nagar Doc No 742/78 in July 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now the date in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building at No 19 Mahalakshmi St T Nagar Madras 17—Doc No 742/78

O ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Ass'tt Commissioner of Income tax,
Acquisition Range II, Madras 600 006

Date 5-3-1979
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th March 1979

Ref. No. 11/July/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3A situated at Prasad Road, Narimedu, Madurai-2. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirunelveli (Document No 2963/78) in July 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Official Assignee, High Court, Madras representing the instalments 6, Pakshmanan, in I.P. No. 38 of 74 and his son,

(Transferor)

(2) The Nellai Finance (P) Ltd. No. 2-13-1, Kuttalai Street, Tirunelveli-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House and grounds situated at No. 3A, Prasad Road, Narimedu, Madurai-2.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-3-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. V. Chandramma, W/o V. Radhakrishna Chetty, 26, Kasi Chetty Street, Madras-1.
(Transferor)

(2) 1. K. B. Jain Trust; and
2. Dhanraj Jugraj Bernacha Charity Trust; Represented by Shri A. D. Vevalchand, 35, Godown Street, Madras-1.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 15th March 1979

Ref. No. 23/July/78.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old 204/205; New 96 situated at Govindappa Naick Street, Madras-1,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Madras (Document No. 323/78), on 27-7-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ground and Premises situated at Old No. 204/205, New No. 96, Govindappa Naick Street, Madras-1.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-3-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 15th March 1979

Ref. No. 24/July/78—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Old No. 53; New No. 24 situated at Bunder Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Madras (Document No. 310/78), on 20-7-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Zatbunnisa Abubaker, 11, Plain Street, Tasker Town, Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Shanthi Bai, W/o Champalal;
2. Shri J. Champalal; S/o Jeeva Raj;
3. Shri C. Ramesh Kumar, S/o Champalal (minor)
4. Minoi C. Powan Kumar, S/o J. Champalal
No. 13, Arunachala Naicken Street, Chintadripet, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building situated at No. (old) 53; new No. 24, Bunder Street, G.T., Madras.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 15-3-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 15th March 1979

Ref. No. 31/July/78.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14 (Old No. 44), situated at Venkata Maistry Street, Mannady, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Sowcarpet, Madras-1 (Document No. 2501/78) on 5-7-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. A. Sulaiman No. 239 (Old No. 124), Angappa Naick Street, Madras-1.
(Transferors)

(2) 1. Shri S. A. M. Abdul Rasheed;
2. Smt. Hassain Amina Beevi, No. 238, Nethaji Road, Madurai-1.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land and building situated at No. 14 (Old No. 44), Venkata Maistry Street, Mannady, Madras-1.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 15-3-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 15th March 1979

Ref. No. 55/July/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

204 situated at George Road, Tuticorin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR II, Tuticorin (Document No. 1427/78) on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) 1. M. M. B. S. Henry,
S/o Mr. Robert Noel Henry,
18, Fairfield Layout,
Race Course Road, Bangalore-1,
Managing Director, Madura Coats Ltd;

2. Mr. N. L. Kirby,
(S/o Mr. Harold Lepine Kirby,
67/3C Levelle Road, Bangalore 1)
Director, Madura Coats Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. S. Albert & Co.,
75, South Raja Street,
Tuticorin-628001.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, Buildings including compound walls, godowns, sheds, garages, outhouses with all fixtures and fittings situated at Door No. 204, George Road, Tuticorin.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006,

Date : 15-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri TPSH Sokkalal Ram Sait,
S/o late TPS Hariram Sait,
Mukkudal, Tirunelveli District.
(Transferor)

(2) M/ . T. P. Sokkalal Ramsait Factory
(P) Ltd., Mukkudal,
T'veli Distt.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 15th March 1979

Ref. No. 60/July/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

24B, situated at Tirunelveli Junction Nellaiappar High Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Tirunelveli (Document No. 1531/78) on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land and Buildings situated at No. 24B (property known as "Kili Building"), Nellaiappar High Road, Tirunelveli Junction.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 15-3-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Smt. Kutti Ammal;
 2. Smt. Lakshmi Ammal;
 3. Smt. C. Padma;
 4. Smt. Vasanthi;
 5. Kanakavalli; and
 6. Smt. Pankajammal,
 55, Lattice Bridge Road, Adyar,
 Madras-20.

(Transferor)

(2) Shri G. Mohanan,
 5/1, Sundareswaraswami Kovil St.,
 Kosapet, Vellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Madras-600006, the 15th March 1979

Ref. No. 61/July/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3. situated at Infantry Road, Vellore Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Vellore (Document No. 2437/78) on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and buildings situated at Door No. 3, Infantry Road, Vellore Town.

O. ANANDARAM
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 15-3-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely :—
 22—26GI/79

FORM ITNS—

(1) Smt. Parvathi Padmanabhan,
27 Chola St., Pernampet, North Arcot Dt.
(Transferor)

(2) Smt. K. P. Madhavi Kutty,
1/2 Alavamuth Garden St., Egmore
Madras-8.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 15th March 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 6466.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

42 Sadulla St., T. Nagar, situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO South Madras Doc No. 900/78 on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at 42 Sadulla St., T. Nagar, Madras-17.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 15-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Dean Dayal Dalmia,
Kamal Nivas, Rasta Ajabgarh, Krishnapole Bazaar,
Jaipur-3.
(Transferor)

(2) The Southern Cotton Welding Industries,
5 Jesson St., Woods Road, Madras-2.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 15th March 1979

Ref. No. 8286.—Whereas, J. O. ANANDARAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 265/8 situated at Kialakkattalai Village Saidapet Tk. Chinglepet Dn. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Madras Doc. No. 1011/78 on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Survey No. 265/8 Kilakkattalai Village Saidapet Tk. Chinglepet.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-3-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 15th March 1979

Ref. No. 8294.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Hosnnapuram Village situated at 4 Hasthinapur Main Road Madras-44 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR MDS Doc No. 1335/78 on July 1978 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) R. Ramani,
4 Hasthinapur Main Road,
Madras-44.

(Transferor)

(2) T. Srinivasachariar,
11 Baroda St.,
Madras-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 160 Hasthinapur, Main Road, Madras-44.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Date : 15-3-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) P. Pandurangam Pillai & Others.

(Transferor)

(2) Dr. Thirunavukkarasu,
116 Muthumariamman Koil St.,
Pondy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 15th March 1979

Ref. No. 8329.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. R.S. No. 159/4, situated at Muthialpet Pondy (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. S. R. Pondy, Doc. No. 1643/78 on September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Land at Muthialpet, Pondy Doc. No. 1643/78.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 15-3-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Madame Anne Marie Josephine Magry and (other Suffren St Pondicherry.
(Transferor)

(2) Vasant Prabudass Shah
Anand 8th Cross Road Khas.
Bombay-00052.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II.
MADRAS-600006

Madras-600006, the 15th March 1979

Ref. No. 8341.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2 Rue Saint Gilles situated at Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JR Pandy Doc No. 1207/78 in July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land and building at 2 Rue Saint Gilles, Pondicherry.
(Doc. No. 1207/78)

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 15-3-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 15th March 1979

Ref. No. 4770.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11 Sharmiyan Sahib St., situated at Thiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSR Thiruppur, Doc. No. 1020/78 on July 1978

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) P. S. N. M. Chidambaram Chettiar,
69 Mandapam Road, Erode.
P. S. N. M. Ramalingam Chettiar,
Apparsamy Koil t., Madras-4 & Others.
(Transferor)

(2) K. M. Muthusamy Goundel & others,
Shermian St., Thirupur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land and building at 11 Shermian Sahib St., Tirupur.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 15-3-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Umerkatha Sahib & Others,
3A Ambalathadi Madam St.,
Chidambaram.

(Transferor)

(2) Bawa Sahib Marikayar,
3 Sanaramudukku St., Parangipet.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 15th March 1979

Ref. No. 8324.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vilangaimman Koil St., situated at Kasappa Chidambaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II Chidambaram, Doc. No. 1453/78 on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Vilangaimman Koil St., Kaspa, Chidambaram.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 15-3-1979
Seal .

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) C. Kunjithapatham & Karthikeyan,
22 Municipal Colony, Erode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006(2) T. K. Rajagopalan,
Uthukottai, Chinglepet Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 8262.—Whereas, I, O. ANANDARAM,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

33 Lalkhan at Chidambaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
JSR I, Chidambaram, Doc. No. 1844/78 on July 1978
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 33 Lalkhan St., Coimbatore

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-3-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
23—26GI/79

FORM ITNS

(1) Dr Capt V S Annasamy Iyengar & Mis Jayam,
11 Sattanadhar Colony, Sirkali
(Transferor)

(2) R Radhakrishna Iyer,
14 South Sannadhi,
Chidambaram
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II,
MADRAS-600006

Madras 600006, the 15th March 1979

Ref No 8325—Whereas, I, O ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No situated at Mela Veedi, Chidambaram, TS No 715 and 716 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ISR II Doc No 1573/78 on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

THE SCHEDULE

Land at Mela Veedhi, Chidambaram, TS Nos 715 & 716

O ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras 600006

Date 15-3-1979
Seal

FORM ITNS

(1), Srinivasa Reddiar,
Ariyankuppam Communc,

(Transferor)

(2) Paramasivan
42 Mariamman Koil St.,
Ariyankuppam Commune, Ponds.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 15th March 1979

Ref. No. 8276.—Whereas, I, O ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No situated at Thimmanaiken Palayam Ariyankuppam Commune Ponds (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Addl. SRO Ponds Doc. No. 1322/78 on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Ariyankuppam Communc, Ponds, covered by Document No. 3322/78.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-3-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th March 1979

Ref. No. 4853.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No., situated at

Agrl. lands at Sulur

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SRO Sulur Doc. No. 555/78 on July 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(1) Malathy Pandurang
14 Poos Gardens Madras-4

(Transferor)

(2) R. Sivakumar
17 Krishnarao St T. Nagar Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agrl. lands at Sulur—Doc. No. 555/78.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 16-3-79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

FORM ITNS

(1) S R Ramakrishnan
106 Race Course Road, Coimbatore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R Sivakumar
17 Krishnarao St T Nagar Madras 17

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras 600 006 the 16th March 1979

Ref No 4853—Whereas, I O ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No situated at E Agricultural lands at Sulur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Sulur Docs No 554 & 555/78 on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agrl lands at Sulur—Doc Nos 554 & 555/78

O ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date 16-3-79
Seal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th March 1979

Ref. No. 6417.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. at Land & bldg. at 6 Kandappa Mudali St. Madras-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Madras Doc. No. 560 on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Rukmanai Ammal 18 Chenganvaraya
Mudali St. Madras-5.
Rathinamal
113 Venkataramam Pillai
Madras-5.

(Transferor)

(2) T. M. Sambandam
6 Kandappa Mudali St.
Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & bldg. at 6 Kandappa Mudali St. Madras-5.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 16-3-79

Seal :

FORM ITNS

(1) P. Amirdham & S. Susila
Palladam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) P. M. Ramaswamy
Palladam Tk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th March 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 4841.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at

Palladam (Doc. No. 1180/78)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Palladam on July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agrl. land at Palladam Doc. No. 1180/78.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-3-79
Seal :

FORM ITNS

(1) S. SHANMUGHANATHAN & CO.
157 Raja Mill Road,
Pollachi.

(Transferor)

(2) R. Somasundaram,
2 Muthuswamy Mudali St. Erode.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th March 1979

Ref. No. 4825.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at
T.S. No. 239 Raja Mill Road, Pollachi
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
SRO Pollachi Doc. No. 1474/78 on July 1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Building with land T.S. No. 239—Raja Mill Road, Pollachi.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-3-79
Seal :

FORM ITNS

(1) S. Shanmughanathan & Co.,
157 Raja Mill Road,
Pollachi.

(Transferor)

(2) R. Kolandaiswamy
2 Muthuswamy Mudali St. Erode.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th March 1979

Ref. No. 4825.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No. 239

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Pollachi Doc. Nos. 1473 on July 1978 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—26GI/79

THE SCHEDULE

Building with land T.S. No. 239 (Doc. Nos. 1473).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 16-3-79
Seal :

FORM ITNS— --

(1) Maranna Gounder,
Kasthuripalam,
Perianaickenpalayam, Coimbatore.

(Transferor)

(2) The Coimbatore Diocese Society,
Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th March 1979

Ref. No. 4342.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agrl. land, situated at Perianaikan Palayam Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Coimbatore Doc. No. 541/78 on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land at Perianaickenpalayam Coimbatore.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-3-79

Seal :

FORM ITNS—

(1) Ananthachari & others,
39 T. P. Koil Lane Madras-5.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Venkatachali Thiruvelllore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th March 1979

Ref. No. 8243—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4/1, situated at 16 Mothilal ST Thiruvallur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Thiruvallur Doc. No. 1700/78 on July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land & Bldg. at Mothilal St Thiruvelllore covered by Doc. No. 1700/78 of 1701/78.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-3-79

Seal :

FORM ITNS—

(1) Gopalsamy & others,
Ananthachari & others,
39 T. P. Koil Lane, Madras-5.

(Transferor)

(2) Venkatachari Thiruvellore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th March 1979

Ref. No. 8243.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 16 situated at Mothilal ST. Thiruvallur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Thiruvallur Doc. No 1701/78 on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land & bldg at Mothilal St Thiruvellore Document No. 1701/78

O ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 16-3-79
Seal :

FORM ITNS —

(1) Pathima Zakara Bivi,
Nagore, Pudumanai Street D No 19.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Hamid Pathima Nachiai,
54 Thaikkal St Nagore

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, MADRAS-600 006

Madras 600 006 the 17th March 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official GazetteEXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter

Ref No 8273—Whereas I O ANANDARAM
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-
and bearing No
19 Pudumanai St Kaspa Nagore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Officer at
SRO Nagore Doc No 724 on July 1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

THE SCHEDULE

Land & bldg at 19 Pudumanai St Kaspa Nagore

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957),

O ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely —

Date 17-3-79
Seal .

FORM ITNS

(1) Shri Sampathkumar & another,
Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri P. Karuppuswamy Nadar,
Madurai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 21st March 1979

Ref. No. 37/July/78.—Whereas, I. O. ANANDARAM being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Survey No. 42/1, situated at Sevalapatty, Aruppukottai, Ramnad District

(and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Virudhunagar (Document No. 709/78) on 24-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Property including a cinema theatre situate at Sevalapatty, Aruppukottai, Kariapatti Sub. Div., Ramnad District in Re-Survey No. 42/1.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 21-3-1979.
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.",
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 5th February 1979

Ref. L.C. 288/78-79.—Whereas I, K. N. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Calicut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Kozhikode on 18-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) K. B. G. Rao Estate (HUF),
Represented by Shri K. B. Govinda Rao,
3/647B, Gandhi Road, Calicut-1.
(Transferor)

(2) K. Moosa Haji, S/o Kunhiath,
Meethale Kannan Kudiyil House,
P.O. Cheruparamba, Via. Thuvakunnu, Cannanore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3rd right over 1st and 2nd floors of the building as per the schedule attached to document No. 641/78.K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 5-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.",
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682 016, the 28th February 1979

Ref. No. I.C. 289/78-79.—Whereas J. K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Kadampally (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trivandrum on 31-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ramani,
W/o Shri G. Radhakrishnan,
Punnamoottu Bungalow,
Kunnukuzhv, Trivandrum.

(Transferor)

(2) Smt. Subaida Beevi alias Subaida Meeran,
D/o Abdul Khader Kunju, Chirayil Padickal Veedu,
Parackal, Pudukulam, Karthigappally.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15 cents of land with building bearing No. K.P. IX/309, of Kadakampally Village, Trivandrum District—vide schedule to document No. 2613/78.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 28-2-1979

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Dr. Ephraim Ambookan,
S/o Kunjuvareed,
Retd. Dental Practitioner,
Calicut.

(Transferor)

(2) S. K. P. Abdul Razack Haji and another,
P.O. Kavvayi, Via Payyannur.

(Transferee)

(3) Shri K. T. Hamsa, Mg. Partner,
M/s. Sagar Hotel, Mavoor Road, Calicut.
(Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.",
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682 016, the 3rd March 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Ref. No. I.C. 292/78-79.—Whereas I, K. NARAYANA MENON being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Calicut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kozhikode on 14-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

3/4th right over 22 $\frac{1}{2}$ cents of land with building as per schedule to document No. 626/78 of 14-7-1978 of SRO, Kozhikode.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 3-3-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
25—26GI/79

FORM ITNS

(1) Dr. Ephraim Ambookan, S/o Kunjuvareed,
Retd. Dental Practitioner, Kalathilkunnu, Calicut.
(Transferor)

(2) Shri S. K. P. Abdul Razack Haji & another,
P.O. Kavvayi, Via. Payyannur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.",
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 3rd March 1979

Ref. No. L.C. 293/78-79.—Whereas I, K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Calicut (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kozhikode on 5-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/4th right over 22½ cents of land with building as per schedule to document No. 599/78 dated 5-7-1978 of SRO, Kozhikode.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Cochin-682 016

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :

Date : 3-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

NEW DELHI

New Delhi the 31st March 1979

Ref. No. IAC. Acq. I/SR-III/540/July-1(25)/78-79.—
 Whereas, I, MISS ANJANI OZA
 being the Competent Authority under Section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the
 immovable property having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing
 No. E-452 situated at Greater Kailash II, New Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed
 hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 New Delhi on 10-7-1978
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reasons to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

(1) Shri Mohinder Singh Nijhar,
 S/o Shri Charan Singh
 r/o 3219, Sector 28-D, Chandigarh
 through its G.A. Shri Charan Singh
 S/o Shri Bishan Singh

(Transferor)

(2) M/s. Vishal Construction (P) Ltd.,
 E-18, NDSE Part II, New Delhi,
 Through its managing Director
 Shri Harish Aggarwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
 immovable property, within 45 days from the
 date of publication of this notice in the Official
 Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold residential incomplete structure of house No.
 452, in E Block measuring 380 sq. yards, situated at Greater
 Kailash-II, New Delhi, and bounded as under :—

East : E-450
 West : E-454
 North : Road
 South : Service Lane

MISS ANJANI OZA,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 31-3-1979

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE

ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1979

New Delhi, the 21st April 1979

No. F. 2/9/78-EI(B).—A combined competitive examination for recruitment to the Services/posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR, (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR AND TRIVANDRUM commencing on 4th September, 1979 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated 21st April, 1979.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure para 11).

2. Recruitment on the results of this examination will be made to the Services/posts under the following categories—

Category I—Civil Engineering

Category II—Mechanical Engineering

Category III—Electrical Engineering

Category IV—Electronics and Telecommunication Engineering.

The approximate number of vacancies in the various Services/posts under each Category are given below :—

Category I—CIVIL ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of 28** Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Civil Engineering Posts) @
- (iii) Central Engineering Service 15 (includes 2 vacancies reserved for S. C. and 1 reserved for S. T. candidates)
- (iv) Military Engineer Service (Building and Roads Cadre) 5 (includes 1 vacancy reserved for S. T. candidates)
- (v) Central Water Engineering Service (Civil Engineering Posts) 25 (includes 4 vacancies reserved for S. C. and 2 reserved for S. T. candidates)
- (vi) Central Engineering Service (Roads) 1 (Reserved for S. T. candidates)
- (vii) Assistant Executive Engineer (Civil), (P & T Civil Engineering Wing) 25**
- (viii) Assistant Executive Engineer (Civil) Border Roads Engineering Service. 20**

Group B Services/Posts

- (ix) Assistant Engineer (Civil) P & T Civil Engineering Wing; 50**
- (x) Assistant Engineer (Civil) in the Civil Construction Wing of All India Radio; @

Category II—MECHANICAL ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of 12** Mechanical Engineer; @
- (ii) Indian Railway Stores Service (Mechanical Engineering Posts);

(iii) Indian Supply Service (Mechanical Engineering Posts);	1 (Vacancy reserved for S.C. candidate).
(iv) Central Water Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);	5 (includes 1 vacancy reserved for S. C. candidates)
(v) Central Power Engineering Service (Mechanical Posts);	15 (includes 3 vacancies reserved for S. C. and 2 reserved for S. T. candidates)
(vi) Military Engineer Services (Electrical and Mechanical Cadre) (Mechanical Engineering Posts);	5 (includes 1 vacancy reserved for S. C. candidates)
(vii) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Mechanical Engineering Posts);	26 (includes 7 vacancies reserved for S. C. and 2 reserved for S. T. candidates)
(viii) Indian Naval Armament Service (Mechanical Engineering Posts)	4 (includes 1 vacancy reserved for S. C. candidates)
(ix) Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survey of India	*
(x) Assistant Drilling Engineer in the Geological Survey of India;	*
(xi) Assistant Manager (Factories) (P & T Tele-com. Factories Organisation);	8 (includes 3 vacancies reserved for S. C. and 1 reserved for S. T. candidates)
(xii) Assistant Executive Engineer (Mechanical) Border Roads Engineering Service;	10**
(xiii) Workshop Officer (Mechanical) in the Corps of EME Ministry of Defence;	4 (includes 1 vacancy reserved for S. C. and 1 reserved for S. T. candidates).
(xiv) Central Electrical and Mechanical Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);	2**
(xv) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Mechanical Engineering Post).	3**
Group B Services/Posts	
(xvi) Assistant Mechanical Engineer in the Geological Survey of India;	**
(xvii) Workshop Officer (Mechanical) in the Corps of EME Ministry of Defence;	1**
Category III—ELECTRICAL ENGINEERING	
Group A Services/Posts	
(i) Indian Railway Service 12** of Electrical Engineers;	
(ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts); @	
(iii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Electrical Engineering Posts);	8**
(iv) Indian Supply Service (Electrical Engineering Posts);	1 (Vacancy reserved for S.C. candidates)
(v) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) Electrical Engineering Posts);	4 (includes 1 vacancy reserved for S. C. candidates)
(vi) Indian Naval Armament Service (Electrical Engineering Posts);	1**

(vii) Central Power Engineering Service (Electrical Engineering Posts);	40 (includes 12 vacancies reserved for S. C. and 3 reserved for S.T. candidates)	(xii) Workshop Officer (Electronics) in the Corps of EME Ministry of Defence	2
(viii) Assistant Executive Engineer (Electrical) (P & T Civil Engineering Wing);	5**	(xiii) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electronics and Telecommunication Engineering Post)	2**
(ix) Military Engineer Services (Electrical and Mechanical Cadre) (Electrical Engineering Posts);	15 (includes 4 vacancies reserved for S. C. and 2 reserved for S. T. candidates)		
(x) Workshop Officer (Electrical) in the Corps of EME, Ministry of Defence)	2		Group B Services/Posts
(xi) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electrical Engineering Post)	1**	(xiv) Assistant Engineer in the All India Radio;	*
		(xv) Assistant Engineer in Overseas Communications Service;	*
		(xvi) Technical Assistant (Group B, Non-Gazetted) in Overseas Communications Service.	*
		(xvii) Workshop Officer (Electronics) in the Corps of EME, Ministry of Defence.	2 (includes 1 vacancy reserved for S. C. candidate)

(a) The total number of vacancies in Indian Railway Stores Service is 7**

The vacancies shown against the various Railway Engineering Services (Civil, Mechanical, Electrical and Signal), Indian Railway Stores Service and Indian Ordnance Factories Service (Civil, Mechanical, Electrical and Electronics) are permanent.

The vacancies shown against all other Services and posts are temporary.

The above numbers are liable to alteration.

*Vacancies not intimated by Government.

**The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

NOTE:—Recruitment to the Services/posts, mentioned above will be made on the basis of the scheme(s) of examination prescribed in Appendix I to the Rules.

3 A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the Services/posts mentioned in para 2 above. If a candidate wishes to be admitted for more than one category of Services/posts he need send in only one application. He will be required to pay the fee, mentioned in para 6 of Notice once only and will not be required to pay separate fee for each category of Services/posts for which he applies.

N.B. 1.—Candidates are required to specify clearly in their applications the Services/posts for which they wish to be considered in the order of preference. They are advised to indicate as many preferences as they wish to, so that having regard to their ranks in the order of merit, due consideration can be given to their preferences when making appointments.

They should note that they will be considered for appointment to those services/posts only for which they express their preference and for no other service/post.

No request for alteration in the preferences indicated by a candidate in respect of Services/posts, covered by the category or categories of services/posts viz. Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics and Tele-communication Engineering (cf. preamble to the rules), for which he is competing would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the written examination.

N.B. 2.—Candidates should give their preferences only for the Services and post for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preferences given for Services and posts for which they are not eligible and for Services and posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored. Thus candidates admitted to the examination under rule 5(b) or 5(c) will be

Category IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

Group A Services/Posts

(i) Indian Railway Service of Signal Engineers;	10**
(ii) Indian Railway Stores Service (Telecommunication/Electronics Engineering Posts);	@
(iii) Indian Telecommunication Service	70**
(iv) Engineer in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation Ministry of Communications;	*
(v) Deputy Engineer-in-Charge in Overseas Communication Service;	*
(vi) Assistant Station Engineer in All India Radio;	*
(vii) Technical Officer in Civil Aviation Department;	5 (includes 3 vacancies reserved for S. C. and 2 reserved for S. T. candidates)
(viii) Communication Officer in Civil Aviation Department	3 (includes 2 vacancies reserved for S. C. and 1 reserved for S. T. candidates)
(ix) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electronics Engineering Posts);	2 (includes 1 vacancy reserved for S. T. candidates)
(x) Indian Naval Armament Service (Electronics Engineering Posts);	2
(xi) Central Power Engineering Service (Telecommunication Engineering Posts);	5 (includes 1 vacancy reserved for S. C. and 1 reserved for S. T. candidates)

eligible to compete only for the Services/posts mentioned therein and their preferences for other Services and posts will be ignored. Similarly, preferences of candidates admitted to the examination under the proviso o rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso, and preferences for other Services and posts, if any, will be ignored.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Order/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. *This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.*

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1979 APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1979 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 11th June, 1979 (25th June, 1979 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 11th June, 1979) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 11th June, 1979.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 80.00 (Rs. 20.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipts with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

8. A refund of Rs. 54.00 (Rs. 14.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the

Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. AHLUWALIA,
Dy. Secy.

Union Public Service Commission

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application from the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificates in support of claim for fee remission. (See parts 6 and 7 of Notice and para 6 below).
- (ii) Attested/certified copy of Certificate of age.
- (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession, where applicable (See para 5 below).
- (vii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUESTED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (v) and (vi) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF FEBRUARY, 1980 CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in para 4, 5 and in para 6.—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office".

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) *Certificate of Age*.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification*.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

In case a candidate is not in possession of the degree prescribed in Rule 6 at the time of submitting his application to the Commission, he should submit a copy of a certificate from the Principal/Registrar/Dean of the College/University concerned certifying that he has passed the qualifying examination and complied with all requirements necessary for the award of the degree in the form prescribed in para 1 of the form of certificate given under Note 1 below.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, in the form prescribed below, as soon as possible and in any case not later than 15th December, 1979.

Certificate showing proof of passing qualifying Examination.

1. Certified that Shri/Smt./Km. _____ son/daughter* of _____ who has been a student in this college has passed the _____ examination and has become eligible for the award of _____ degree and that he/she* has been placed in _____ division.

2. Certified that Shri/Smt./Km. _____ son/daughter* of _____ is expected to appear/has appeared* at _____ examination conducted by _____ in the month of _____ 19____ and that the result of the above examination is likely to be announced by _____ 19_____

Signature _____
Designation _____
Name of Institution _____
Where situated _____

Date _____

*Strike out whichever is not applicable.

NOTE 2.—A candidate seeking admission to the examination with the qualification mentioned in proviso to Rule 6, must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Dean of the College/Institution/University concerned showing that he has passed/taken the M.Sc. degree examination or its equivalent with one of the special subjects mentioned therein.

(iv) *Photograph*.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv), 3(v) and 3(vi) above

without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office [except as provided for in Note 1 under paragraph 3(iii) above] within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below, from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* _____ son/daughter* of _____ of village/town* _____ in District/Division* _____ of the State/Union Territory* _____ belongs to the _____ caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes list (Modification) Order, 1956, the Bombay Re-organisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Caste Order 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village/town* of District/Division* of the State/Union Territories* of

Signature.....

**Designation.....

(with seal of office)

Place.....State/Union Territory'

Date

*Please delete the words which are not applicable

NOTE.—The term "ordinarily resid(s) used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy/Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officers of the area where the candidate and/or his family normally resides;

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, 'Lakshadweep'.

5. (i) A Government Servant claiming age concession under rule 5(b) should submit a Certificate in Original from the Head of the Department/Office in the following form.

The form of certificate to be produce by the candidate.

Certified that—

*(i) Shri/Shrimati/Kumari _____ holds permanent post of _____ in the Office/Department of _____ with effect from _____.

*(ii) Shri/Shrimati/Kumari _____ has been continuously in temporary service on a regular basis under the Central Government in the post of _____ in the _____ with effect from _____.

*Strike out whichever is not applicable.

Signature.....

Designation.....

Ministry/Office.....
Office stamp

Date

Place

(ii) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 5(c)(ii) or 5(c)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.
- (2) District Magistrate of the Areas in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(iii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(c)(iv) or 5(c)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(c)(vi) or 5(c)(vii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(c)(viii) or 5(c)(ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri of unit was disabled while in the Defence Services, in operation during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 5(c)(x) or 5(c)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri of Unit was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.

Designation.....

Date.....

(vii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(c)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(viii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(c)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(ix) A candidate claiming age concession under rule 5(d) should submit (i) an attested/certified copy of a certificate from the detaining authority under his seal stating that the candidate had been detailed under Maintenance of Internal

Security Act or (ii) an attested/certified copy of a certificate from the Sub-Divisional Magistrate having jurisdiction in the area stating that the candidate had been arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder specifying the dates between which he was arrested or imprisoned and certifying that the detention or arrest or imprisonment, as the case may be, was in pursuance of the candidate's political affiliations or activities or his association with the erstwhile banned organisations.

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(ii), (iii) and (iv) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Railways/Works and Housing/Defence/Energy/Agriculture and Irrigation/Communications/Supply and Rehabilitation/Steel and Mines/Shipping and Transport/Information and Broadcasting/Tourism and Civil Aviation.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of the application within a month from the last date of receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of the five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications Civil Lines, Delhi-110054, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 and (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110001 and (iii) Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

13. Communications regarding applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

(i) NAME OF EXAMINATION.

(ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.

(iii) ROLL NO. OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.

(iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

(v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE

ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.